THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 200 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन शु . 8, 2079 सोमवार, 3 अक्टूबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

राम रहीम को हाईकोर्ट से राहत

चंडीगढ़/सिरसा, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। साधुओं को नपुंसक बनाने के मामले में पंजाब-हरियाणा हाइकोर्ट ने डेरा सच्चा प्रमुख राम रहीम को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने सीबीआई की राम रहीम की नियमित जमानत रद्द किए जाने की याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका रद्द करने के दौरान कोर्ट ने कहा कि डेरा प्रमुख एक अन्य मामले में दोषी सिद्ध होने के बाद हुई सजा में कई बार फरलो, पैरोल पर रिहा किया जा चुका है। इसके बाद भी उस पर गवाहों को प्रभावित करने या सबूतों से छेड़छाड़ करने के कोई आरोप नहीं लगे हैं। सीबीआई अजीबोगरीब तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर जमानत रद्द करने की मांग कर रही है, इसलिए कोर्ट याचिका खारिज करता है।

आतंकी हमलों से शहर को दहलाने की साजिश, तीन गिरफ्तार

पाक में बैठे आकाओं के इशारे पर कर रहे थे काम, तीन बम बरामद

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी पुलिस ने सार्वजनिक समारोह में बम फेंकने की साजिश रचने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक अब्दुल जाहिद, निवासी मलकपेट, हैदराबाद में आतंकवाद से संबंधित कई मामलों में शामिल था। पुलिस का दावा है कि वह अपने पाकिस्तानी आईएसआई चैनलों के साथ फिर से अपने संपर्कों बना लिया है। उसने भारत में विस्फोटों, हमलों सहित आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने की साजिश रची। पुलिस को जानकारी मिली कि अब्दुल जाहिद अपने सहयोगियों के साथ हैदराबाद, तेलंगाना में सनसनीखेज आतंकी हमलों को

अंजाम देने के लिए चार हथगोले की खेप प्राप्त करने जा रहा है। इसी सूचना पर सक्रिय पुलिस टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आज मलकपेट से तीन लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों में अब्दुल जाहिद उर्फ मोटू (39) मूसारामबाग, मलकपेट, हैदराबाद, मो. समीउद्दीन उर्फ अब्दुल सामी (39) निवासी अरमान टावर्स, अकबर बाग, सईदाबाद, हैदराबाद, माज़ हसन फारूक उर्फ माज़ (29) निवासी रॉयल कॉलोनी, हुमायूं नगर, मेहदीपट्टनम, हैदराबाद शामिल है। पुलिस की माने तो अब्दुल जाहिद पहले हैदराबाद में कई आतंकवाद से संबंधित मामलों में शामिल था।

>14

पीएम मोदी का केंद्रीय मंत्रियों और सचिवों को कड़ा निर्देश

कहा एनएससीएस और एनएसए के सुझावों को ना करें नजरअंदाज

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सभी मंत्रियों और सचिवों को कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने रविवार को साफ कहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (एनएससीएस) और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) द्वारा साझा किए गए बैकग्राउंड नोट्स या अन्य किसी भी बात को नजरअंदाज न करें। सूत्रों ने रविवार को बताया कि पीएम मोदी ने कहा है कि सभी मंत्री और सचिव एनएससीएस और एसएसए के सुझावों को गंभीरता से लें।

सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार को हुई मंत्रिपरिषद की पांच घंटे की लंबी बैठक के दौरान पीएम मोदी ने ये निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने इस पर भी जोर दिया कि कोई भी नीति बनाते समय, उसे भारत के रणनीतिक दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है।

पीएम मोदी ने कहा, हमेशा बापू के आदर्शों पर खरे उतरें

महात्मा गांधी को अनेक नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित अनेक नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। इसके अलावा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर नेताओं ने उन्हें भी याद किया है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया है, गांधी जयंती पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि। यह गांधी जयंती कहीं अधिक खास है क्योंकि भारत आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। पीएम मोदी ने देश के नागरिकों से कहा है कि, हमेशा बापू के आदर्शों पर खरे उतरें। मैं आप सभी से गांधी जी को श्रद्धांजलि के रूप में खादी और हस्तशिल्प उत्पाद खरीदने का भी आग्रह करता हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती पर उनका भी स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने ट्वीट किया है, लाल बहादुर शास्त्री जी को उनकी सादगी और निर्णायकता के लिए पूरे भारत में सराहा जाता है। बहुत ही महत्वपूर्ण और कठिन समय में उनका नेतृत्व हमारे इतिहास में हमेशा याद किया जाएगा। उनकी जयंती पर उन्हें शत शत नमन।

पीएम मोदी ने एक अन्य ट्वीट में कहा है कि, आज, शास्त्री जी की जयंती पर, मैं दिल्ली के प्रधानमंत्री संग्रहालय में उनकी गैलरी की कुछ झलकियां भी साझा कर रहा हूं, जो उनकी जीवन यात्रा और प्रधानमंत्री के रूप में उपलब्धियों को प्रदर्शित करती है। संग्रहालय अवश्य जाएं।

पीएम नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी सहित अन्य लोगों ने संसद में भी महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। बिरला ने कहा कि, बापू ने देश को सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह के सिद्धांत दिए। इन सिद्धांतों पर चलते देश की आजादी का संकल्प सिद्ध हुआ। उनका स्वावलंबन का आह्वान आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का आधार है। उनके विचार देश की उन्नति और देशवासियों का कल्याण सुनिश्चित करते हैं।

ओम बिरला ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उनके समाधि स्थल विजयघाट पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि, शास्त्री जी की असाधारण प्रतिभा ने देश का मान बढ़ाया। जय जवान-जय किसान का उनका नारा भारतीयों के सामर्थ्य में उनके दृढ़-विश्वास का प्रतिबिंब है। देश के प्रति उनका समर्पण व त्याग सदैव प्रेरणादायक रहेगा।

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की है। गडकरी ने कू किया है, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती दिवस पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। समस्त देशवासियों को गांधी जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं।

तेलंगाना को मिला 'स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण का पहला पुरस्कार' दूसरे नंबर पर हरियाणा, तीसरे पर तमिलनाडु

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। साल 2022 के स्वच्छता सर्वेक्षण की ग्रामीण कैटगरी में तेलंगाना पहले स्थान पर है। वहीं दूसरे स्थान पर हरियाणा और तीसरे पर तमिलनाडु है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा तीनों राज्यों के प्रतिनिधियों को यह पुरस्कार प्रदान किए गए हैं।

स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण-2022 पुरस्कार उन राज्यों व जिलों को प्रदान किया जाता है जो स्वच्छ भारत मिशन- ग्रामीण (एसबीएम-जी) के मानकों पर

अच्छा प्रदर्शन करते हैं। इसमें यह भी देखा जाता है कि स्वच्छता की स्थिति में सुधार के लिए ग्रामीण समुदाय की भागीदारी कैसी रही। छोटे राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में अंडमान और निकोबार ने पहला स्थान स्थान हासिल किया है, उसके बाद दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, सिक्किम ने दूसरा स्थान हासिल किया।

इस अवसर राष्ट्रपति मुर्मू ने स्वच्छता और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की बात कही। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन जब शुरू किया गया था तब केवल 3.23 करोड़ ग्रामीण घरों में नल से पानी आता था, जो तीन साल में बढ़कर 10.27 करोड़ हो गया है। इससे हाल के वर्षों में जल जनित बीमारियों में उल्लेखनीय कमी आई है।

राष्ट्रपति ने आगे कहा, लेकिन हमारा लक्ष्य बहुत बड़ा है। हमें जल प्रबंधन और स्वच्छता के क्षेत्र में दुनिया के सामने एक मिसाल कायम करनी है। रविवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर यह पुरस्कार वितरित किए गए।

नीतीश मंत्रिमंडल का एक और विकेट गिरा

कानून मंत्री के बाद अब कृषि मंत्री ने भी दिया इस्तीफा

पटना, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार की सियासत से बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि कानून मंत्री कार्तिकेय सिंह के बाद अब नीतीश सरकार में बने कृषि मंत्री और राजद नेता सुधाकर सिंह ने भी मंत्री पद से अपना इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को अपना त्याग पत्र सौंप दिया है। हालांकि, अभी इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ है। इस बात की पुष्टि राजद प्रदेश अध्यक्ष व सुधाकर सिंह के पिता जगदानंद सिंह ने भी की है। जगदानंद सिंह ने कहा कि कृषि मंत्री किसानों के हक में अपनी आवाज उठा रहे थे लेकिन अंत में उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया, ताकि लड़ाई आगे नहीं बढ़े।

अपने बयानों से चर्चा में आए थे सुधाकर सिंह

बता दें कि बिहार के कृषि मंत्री सुधाकर सिंह ने हाल ही में तब खूब चर्चाओं में रहे थे जब उन्होंने अपने ही विभाग में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया। राजद नेता ने तब विवाद खड़ा कर दिया जब उन्होंने बयान दिया था कि उनके विभाग के सभी अधिकारी चोर हैं और इस विभाग के प्रमुख होने के नाते वह चोरों के मुखिया हैं। कृषि मंत्री सुधाकर सिंह ने कहा था कि हमारे ऊपर भी और कई सरदार मौजूद हैं। उन्होंने कहा, ये वही पुरानी सरकार है। इसके चाल चलन पुराने हैं। हम लोग तो कहीं कहीं हैं लेकिन जनता को लगातार सरकार को आगाह करना होगा। बता दें कि सुधाकर सिंह, कैमूर जिले के रामगढ़ से पहली बार विधायक बने हैं।

राजद प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद के बेटे हैं सुधाकर सिंह

बता दें कि सुधाकर सिंह वर्तमान राजद प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के बेटे हैं और अभी कैमूर के रामगढ़ से विधायक हैं। सुधाकर सिंह 2010 में पिता से बगावत कर भाजपा के टिकट पर चुनावी मैदान में उतरे थे लेकिन वे चुनाव हार गए। सुधाकर सिंह की शैक्षणिक योग्यता ग्रेजूएट है और उनकी उम्र 44 साल है। राजनीति में आने से पहले सुधाकर सिंह खेती का काम किया करते थे।

चावल घोटाले का आरोप

बता दें कि यह चावल घोटाला 2013-14 में हुआ था। उनपर आरोप था कि उन्होंने चावल जमा नहीं करवाए और उसे गबन कर गए।

महात्मा गांधी के सिद्धांतों को कोई नहीं मिटा सकता : केसीआर

सीएम ने महात्मा गांधी की विशाल प्रतिमा का अनवारण किया

हैदराबाद , 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने कहा कि महात्मा गांधी का अहिंसा, शांति और बलिदान का सिद्धांत एक सार्वभौमिक और शाश्वत सिद्धांत है। गांधी की भविष्यवाणी और सिद्धांत सार्वभौमिक हैं और इसे कोई मिटा नहीं सकता। सिकंदराबाद के गांधी अस्पताल में स्थापित महात्मा गांधी की प्रतिमा राष्ट्र को समर्पित करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस देश में महात्मा गांधी का जन्म हुआ, वहां जन्म लेना हम सभी के लिए महान है। केसीआर ने कहा कि महात्मा गांधी उम्र के ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने गौतम बुद्ध और ईसा मसीह जैसे अहिंसा के सिद्धांत से दुनिया को प्रभावित किया।

कारोना महामारी के दौरान गांधी अस्पताल के कर्मचारियों की सराहनीय नौकरी की सराहना करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉक्टरों और कर्मचारियों ने बिना सुविधाओं के या बिना मरीजों की बहादुरी से सेवा की और कई लोगों की जान बचाई, जिनमें निजी अस्पतालों में इलाज कराने से इनकार कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि यहां के डॉक्टरों ने गांधी द्वारा दिए गए साहस के साथ कोविड महामारी के खिलाफ लड़ाई लड़ी। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी के सिद्धांतों का पालन करते हुए भारत के अन्य राज्यों की तुलना में तेलंगाना सभी मोर्चों पर प्रगति कर रहा है, मुख्यमंत्री ने बुद्धिजीवियों और विद्वानों से महात्मा गांधी के सिद्धांतों और दर्शन की आलोचना करने के किसी भी प्रयास की निंदा करने का आग्रह किया। हाल के दिनों में ऐसे कुछ उदाहरण हैं कि कुछ निहित स्वार्थों द्वारा गांधी सिद्धांतों की आलोचना की गई है। केसीआर ने कहा कि इस तरह की आलोचना बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए और इसकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए। बाद में, मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी की 153 वीं जयंती के अवसर पर सिकंदराबाद के एमजी रोड पर पुनर्निर्मित गांधी पार्क को राष्ट्र को समर्पित किया। पार्क को जीएचएमसी द्वारा विकसित किया गया है और इसे 1.39 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्निर्मित किया गया है। कार्यक्रम में

सिकंद्राबाद स्थित गांधी अस्पताल के पास महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण करते हुए , सीएम केसीआर व साथ में तेलंगाना सरकार के मंत्री हरिश राव और तलसानी श्रीनिवास यादव ।

न्यायमूर्ति अमर नाथ गौड़ (अंजया गौड़ के पुत्र, जिन्होंने सबसे पहले एमजी रोड पर गांधीजी की प्रतिमा स्थापित की), मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव, हरीश राव, श्रीनिवास गौड़, सांसद जोगिनपल्ली संतोष कुमार, विधायक दाना नागेंद्र, जीवन रेड्डी, मगंती गोपीनाथ, कालेरू वेंकटेश, मुथा गोपाल, बेटी सुभाष रेड्डी, एल्विस स्टीफन सोन, योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष बी विनोद कुमार, एमएलसी प्रभाकर राव, वाणी देवी, रविंदर राव, एगे मल्लेशम, कौशिक रेड्डी, विशेष सीएस अरविंद कुमार, चिकित्सा शिक्षा निदेशक रमेश रेड्डी, सीएम ओएसडी देशपति श्रीनिवास, मेयर गडवाला विजयलक्ष्मी, डिप्टी मेयर मोथे श्रीलता रेड्डी, अध्यक्ष एरोला श्रीनिवास, उप्पला श्रीनिवास गुप्ता, श्रीधर रेड्डी, अलीपुरम वेंकटेश्वर रेड्डी, गजजेला नागेश, बीसी आयोग के सदस्य किशोर गौड़, रामगोपाल पेटा पार्षद सुचित्रा आदि ने भाग लिया।

सेना में शामिल होंगे 15 कॉम्बेट चॉपर

1 मिनट में 750 गोलियां दाग सकता है, टेस्टिंग पूरी, राजनाथ आज जोधपुर में सेना को सौपेंगे

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में ही विकसित लाइट कॉम्बेट हेलीकॉप्टर (एलसीएच) सैन्य बलों में शामिल होने जा रहा है। यह पहला मौका होगा जब वायु सेना और थल सेना दोनों ही एलसीएच को ऑपरेट करेंगी। 3 अक्टूबर को भारतीय वायु सेना 90वें वायु सेना दिवस से पहले जोधपुर में औपचारिक रूप से 10 एचसीएल को शामिल करने जा रही है। बाकी 5 थलसेना को दिए जाएंगे।

आर्मी एविएशन के डीजी लेफ्टिनेंट जनरल एके सूरी ने बेंगलुरू में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से पहला एलसीएच प्राप्त किया। यह

हेलीकॉप्टर कम गति के वायुयानों से लेकर ड्रोन से जैसे ऑब्जेक्ट को भी मार गिराएगा।

करीब 3885 करोड़ रुपये की लागत से बने 15 एलसीएच फौज में आज (3 अक्टूबर को) शामिल हो रहे हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जोधपुर के एयरबेस पर ये हेलीकॉप्टर शामिल करेंगे। एलसीएच सेना को मिलने के बाद दो दशक पुरानी यह मांग पूरी हो जाएगी।

हाल ही में चीन से एलएसी पर तनातनी की स्थिति के दौरान इस हेलीकॉप्टर की बड़े पैमाने पर टेस्टिंग की गई थी। यह हेलीकॉप्टर हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स ने विकसित किया है। यह अत्याधुनिक राडार वार्निंग सेंसरों, एमएडब्ल्यू 300 मिसाइलों और एलडब्ल्यूएस 310 लेजर वार्निंग सेंसर से लैस है।

एलसीएच में 8 हेलीकॉप्टर लॉन्च हेलिना एंटी टैंक मिसाइलें, चार फ्रांस निर्मित एमबीडीए एयर टू एयर मिसाइलें, 4 रॉकेट पॉड्स लगाए जा सकते हैं। इसकी कैनन से हर मिनट 750 गोलियां दागी जा सकती हैं।

1996 में कारगिल युद्ध के समय दुश्मन के ऊंचाई पर होने के कारण इस हेलिकॉप्टर की जरूरत महसूस हुई थी। इसके बारे में सबसे पहले 2006 में जानकारी सामने आई।

2015 में इसका ट्रायल किया गया। इस दौरान इसने 20 हजार से लेकर 25 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ान भरी। पिछले साल चीन के साथ हुए टकराव के बीच इसकी 2 यूनिट लद्दाख में तैनात की गई थीं।

पुलवामा में आतंकी हमला, एक जवान शहीद

पुलवामा, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। कश्मीर संभाग के जिला पुलवामा में पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त नाका पार्टी पर आतंकियों ने हमला कर दिया। इस आतंकी हमले में एक पुलिसकर्मी शहीद हो गया है, जबकि एक सीआरपीएफ का जवान घायल हुआ। घायल जवान को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस और सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर ली है। तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, जिला पुलवामा के पिंगलाना में आतंकियों ने पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त नाका पार्टी पर फायरिंग की और फिर मौके से फरार हो गए।

सपा संरक्षक की तबीयत बिगड़ी

मेदांता के डॉक्टरों ने आईसीयू में किया शिफ्ट अखिलेश लखनऊ से दिल्ली पहुंचे

गुरुग्राम, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) के संरक्षक मुलायम सिंह यादव की रविवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। वह खराब सेहत के चलते गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में कई दिनों से भर्ती हैं। जहां डॉक्टर लगातार मुलायम सिंह यादव की सेहत पर नजर रख रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, सपा संरक्षक को डॉक्टरों ने कमरे से आईसीयू में शिफ्ट किया है। पिता की खराब सेहत की खबर मिलते ही अखिलेश यादव लखनऊ से दिल्ली के रवाना हो गए हैं। दूसरे बेटे प्रतीक यादव और छोटे भाई शिवपाल सिंह यादव पहले से ही दिल्ली में मौजूद हैं।

वहीं बहू अपर्णा भी दिल्ली के लिए रवाना हो गईं हैं। डॉ. सुशीला कटारिया की देखरेख में सपा संरक्षक का उपचार हो रहा है। वहीं मेदांता के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. नरेश त्रेहन खुद उनकी सेहत पर नजर रख रहे हैं।

राहुल का भाजपा पर तंज

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक के बदनवालु में खादी ग्रामोद्योग में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी व भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, सत्ता में बैठे लोगों के लिए महात्मा गांधी की विरासत को हथियाना आसान है, लेकिन उनके पदचिह्नों पर चलना मुश्किल है। राहुल ने कहा, महात्मा गांधी की हत्या करने वाली विचारधारा ने पिछले आठ वर्षों में देश में असमानता और विभाजन को जन्म दिया है। उन्होंने कहा, इन लोगों ने कड़ी मेहनत से हासिल की गई आजादी का क्षरण किया है।

हम भारत के उस महान सपूत को याद करते हैं और श्रद्धांजलि देते हैं।

सत्यपाल मलिक आज हो जाएंगे रिटायर

अरुणाचल के राज्यपाल बीडी मिश्रा को मिला मेघालय का अतिरिक्त प्रभार

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल बीडी मिश्रा को मेघालय के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। मेघालय के मौजूदा राज्यपाल सत्यपाल मलिक का कार्यकाल 3 अक्टूबर को पूरा हो रहा है। यह जानकारी राष्ट्रपति भवन ने शनिवार को एक विज्ञप्ति में दी। गौरतलब है कि मलिक अब निरस्त हो चुके कृषि कानूनों के खिलाफ सरकार विरोधी टिप्पणियों को लेकर सुर्खियों में रहे थे। सत्यपाल मलिक अगस्त 2020 में मेघालय स्थानांतरित किए जाने से पहले बिहार, जम्मू कश्मीर और गोवा के राज्यपाल रहे थे। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) (डॉ) बीडी मिश्रा अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए नियमित व्यवस्था होने तक मेघालय के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे।

अपना कार्यकाल पूरा कर रहे हैं सत्यपाल मलिक

विज्ञप्ति में कहा गया है कि सत्यपाल मलिक सोमवार को अपना कार्यकाल पूरा कर रहे हैं। मलिक, संविधान का अनुच्छेद 370 निरस्त किए जाने के दौरान, जम्मू कश्मीर के राज्यपाल थे। पूर्व राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया गया था। इस प्रकार, वह तत्कालीन जम्मू कश्मीर राज्य के अंतिम राज्यपाल थे। उन्हें 2017 में बिहार का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। जम्मू-कश्मीर के बाद, मलिक को गोवा और अंत में मेघालय के राज्यपाल का कार्यभार सौंपा गया था।

किसान आंदोलन के समय, केंद्र सरकार के खिलाफ सार्वजनिक रूप से बयान देने के बाद वह विवादों में घिर गए। मलिक ने अपने एक बयान में दावा किया था कि जम्मू कश्मीर के राज्यपाल के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान, उनके समक्ष दो फाइलें आईं थीं। उन्हें देश के एक प्रमुख व्यापारिक घराने और एक राजनीतिक दल के प्रतिनिधि द्वारा भारी रिश्वत की पेशकश की गई थी। हालांकि, इस सिलसिले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दो मामले दर्ज किए थे।

राज्यसभा सदस्य भी रहे

उत्तर प्रदेश में बागपत के रहने वाले मलिक 1980-89 तक राज्यसभा के सदस्य भी रहे। हाल ही में एक मीडिया रिपोर्ट में उनके हवाले से कहा गया था

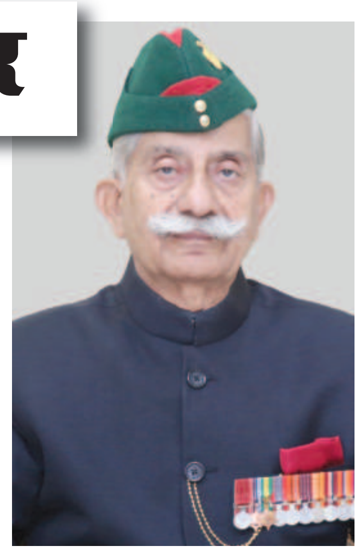

कि वह अपनी सेवानिवृत्ति के बाद किसी भी राजनीतिक दल में शामिल नहीं होंगे लेकिन किसानों के लिए काम करना जारी रखेंगे।

भाजपा युवा नेता के समर्थकों ने बर्थडे पार्टी में जश्न के दौरान की हर्ष फायरिंग, दो लोगों को लगी गोली

ग्वालियर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर थाना क्षेत्र में देर रात एक बर्थडे पार्टी में शामिल होने पहुंचे भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के नेता निशांत राय के समर्थकों ने हर्ष फायरिंग की। फायरिंग के दौरान 2 लोग गोली लगने से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं फायरिंग की सूचना मिलते ही बहोड़ापुर थाना और ग्वालियर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। घटना ग्वालियर थाना क्षेत्र के राय कॉलोनी स्थित गिरिराज जी मंदिर के पास की है। वहीं पुलिस इस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

शोपियां में मुठभेड़, मारा गया लश्कर का आतंकी

एके 47 समेत हथियार बरामद

शोपियां, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। कश्मीर संभाग के जिला शोपियां में रविवार सुबह सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस ने बताया कि जिले के बसकुचन इलाके में एनकाउंटर जारी है। पुलिस और सुरक्षाबल के जवान मौके पर तैनात हैं। सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बसकुचन इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष सूचना मिलने के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया। जब सुरक्षा बल इलाके में तलाशी ले रहे थे तो आतंकवादियों ने उन पर गोलियां चला दीं। इसके बाद सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से गोलीबारी जारी है। एडीजीपी कश्मीर ने बताया कि मारे गए आतंकवादी की पहचान नसीर अहमद भट के रूप में हुई है। वह नौपोरा बसकुचन शोपियां का रहना वाला था और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था। पुलिस को उसके पास से हथियार और गोला बारूद एके 47 राइफल सहित आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई है। वह कई आतंकी अपराधों में शामिल रहा था और हाल ही में एक मुठभेड़ से भाग निकला था।

हैवानों ने छह साल के बच्चे की दी बलि

दरिंदे बोले- भोले शंकर ने दिया था आदेश इसलिए चाकू से काट दिया गला

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोधी कॉलोनी थाना इलाके में रविवार रात को दो युवकों ने एक छह साल के बच्चे की बलि दे दी। आरोपियों ने चाकू से बच्चे का गला काट दिया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक बच्चे का नाम धर्मेंद्र है, गांव गिरधरपुर पोस्ट कठेरिया जिला बरेली यूपी का रहने वाला था। आरोपियों का कहना है कि उन्हें भोले शंकर ने बलि करने का आदेश दिया था।

उद्धव ठाकरे को लग सकता है बड़ा झटका

मिलिंद नार्वेकर शिंदे गुट में हो सकते हैं शामिल

मुंबई, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री व शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एक के बाद एक नेता उनका साथ छोड़कर शिंदे गुट में शामिल हो रहा है। यह राजनीतिक संग्राम कब थमेगा यह कहना अभी मुश्किल है, क्योंकि मौजूदा समय में दशहरा रैली को लेकर उद्धव और शिंदे गुट के बीच तनातनी देखने को मिल रही है। इस बीच खबर है कि उद्धव ठाकरे के करीबी मिलिंद नार्वेकर

भी जल्द ही शिंदे गुट में शामिल हो सकते हैं। नार्वेकर शिवसेना सचिव हैं और उद्धव ठाकरे के काफी भरोसमंद माने जाते हैं। ऐसे में अगर वे शिंदे गुट में शामिल होते हैं तो यह ठाकरे के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। शनिवार को शिंदे खेमे के मंत्री गुलाबराव पाटिल नार्वेकर को लेकर एलान भी कर चुके हैं। उन्होंने एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, चंपा सिंह के बाद अब मिलिंद नार्वेकर अपने रास्ते पर हैं। दरअसल, शिवसेना में फूट के बाद भी नार्वेकर ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से संपर्क बनाए रखा है। शिंदे गणेश उत्सव के दौरान नार्वेकर के घर भी गए थे। शिवसेना के अंदर नार्वेकर काफी शक्तिशाली माने जाते थे। टिकट बंटवारे में भी उनकी दखल थी। यहां तक कि वे उद्धव ठाकरे और फडणवीस के बीच मध्यस्थता भी करते थे। लेकिन महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एमवीए) के सत्ता में आने के बाद नार्वेकर को दरकिनार कर दिया गया। भले ही वह ठाकरे की कोर टीम में बने रहे, लेकिन उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी गई। मुंबई के वर्ली इलाके में बड़ी संख्या में शिवसेना कार्यकर्ता शिंदे गुट में शामिल हो गए। सीएम शिंदे के सरकारी आवास पर इन कार्यकर्ताओं ने शिंदे गुट की सदस्यता ली।

साथी की खुदकुशी के विरोध में वकीलों का कार्य बहिष्कार

मध्य प्रदेश में अदालती कामकाज प्रभावित

जबलपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में एक दिन पहले अपने सहयोगी वकील की कथित आत्महत्या के विरोध में वकीलों के काम से दूर रहने के चलते मध्य प्रदेश में निचली अदालतों में कामकाज शनिवार को प्रभावित रहा। अधिवक्ता अनुराग साहू की आत्महत्या पर वकीलों ने शुक्रवार को यहां जोरदार प्रदर्शन किया था। वकीलों का दावा था कि कुछ अधिकारियों और साथी वकीलों द्वारा उत्पीड़न करने के कारण साहू ने अपनी जान दे दी। मध्य प्रदेश बार काउंसिल के उपाध्यक्ष आर के सिंह सैनी ने कहा, 'मध्य प्रदेश में कार्यवाही प्रभावित हुई है क्योंकि वकील शनिवार को विरोध स्वरूप अदालती काम से दूर रहे।' उन्होंने कहा, 'संवैधानिक और अनुशासनात्मक निकाय एसबीसीएमपी ने शुक्रवार को वकीलों से शनिवार के दिन काम से दूर रहने की अपील की थी क्योंकि साहू को कुछ अधिकारियों और साथी अधिवक्ताओं द्वारा परेशान किया जा रहा था।'

सीएम शिंदे का आदेश: 'हेलो' नहीं फोन पर बोलिए

'वंदे मातरम', ओवैसी के प्रवक्ता बोले- ये क्या नया नाटक है?

मुंबई, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में सभी सरकारी अधिकारियों को फोन पर 'हेलो' के बजाय 'वंदे मातरम' बोलने का आदेश जारी किया गया है। सीएम शिंदे के निर्देश पर आज यानी दो अक्टूबर से यह आदेश सभी सरकारी कार्यालयों में लागू हो गया। इस आदेश को लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है। विपक्षी दलों ने इसको लेकर सीएम की आलोचना की है।

क्या कहता है आदेश?

सरकारी आदेश में कहा गया है कि सभी सरकारी और वित्त पोषित संस्थानों में काम करने वाले कर्मचारियों व अधिकारियों को फोन आने पर 'वंदे मातरम' बोलना होगा। इसके अलावा आम बोलचाल में भी इसको लेकर जागरूकता फैलाने के निर्देश हैं। कहा गया है कि 'हेलो' शब्द पश्चिम संस्कृति की नकल है और यह आपसी स्नेह नहीं पैदा करता है।

एआईएमआईएम प्रवक्ता ने बताया नाटक

इस सरकारी ओदश की आलोचना भी शुरू हो गई है। एआईएमआईएम प्रवक्ता वारिस पठान ने कहा है कि यह क्या नया नाटक है।। इससे लोगों को रोजगार मिलेगा क्या? उन्होंने कहा, भाजपा बेरोजगारी और महंगाई जैसे जरूरी मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के आदेश जारी करती है। वहीं कांग्रेस नेता हुसैन दलवई ने कहा है कि सिर्फ 'वंदे मातरम' बोलने से देशभक्ति की भावना नहीं जागती है।

फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़

अमेरिका के लोगों को बनाते थे ठगी का शिकार

मुंबई, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे में एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस सिलसिले में 16 लोगों को गिरफ्तार किया है। रविवार को अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि कॉल सेंटर ने कथित तौर पर अमेरिकी नागरिकों को कर्ज देकर ठगा था। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक वीबी मुर्तदक ने बताया कि फर्जी कॉल सेंटर मामले में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की थी। शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात पुलिस टीम ने ठाणे के वागले एस्टेट इलाके में कॉल सेंटर पर छापा मारा और वहां काम करने वाली तीन महिलाओं समेत अन्य लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया, कॉल सेंटर के माध्यम से आरोपी अमेरिका में लोगों से संपर्क करते थे और उन्हें कर्ज की पेशकश करते थे। बैंक खाते का विवरण प्राप्त करने के बाद, आरोपी उनके खातों से धन निकाल लेते थे। अमेरिका में समन्वय स्थापित करने वाला एक एजेंट धन एकत्र करता था और उससे अपना हिस्सा लेने के बाद हवाला के जरिए भारत को हस्तांतरित करता था।

पीएफआई पर बैन से कर्नाटक में बढ़ी भाजपा की मुश्किलें

एसडीपीआई को मिल गया मौका

बेंगलुरु, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर पांच साल के लिए बैन लगा चुकी है। सरकार द्वारा किए जाने वाले इस ऐक्शन के बाद कर्नाटक भाजपा में दरार आ गई है। जानकारी के अनुसार, कर्नाटक में भाजपा के भीतर नेताओं का एक समूह पीएफआई पर प्रतिबंध को चुनावी मुद्दा बनाकर आगामी विधानसभा चुनावों में फायदा उठाने की पार्टी की रणनीति पर सवाल उठा रहा है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता और विधायक ने कहा कि पार्टी के भीतर एक चिंता है कि पार्टी द्वारा उठाए गए मुद्दों का प्रभाव कर्नाटक में ही काफी जगहों पर अपर्याप्त है। वहीं, दूसरी ओर पीएफआई पर बैन लगना कर्नाटक में एसडीपीआई के लिए बड़ा मौका लेकर आया है। नाम न लेने की शर्त पर कर्नाटक भाजपा नेता ने कहा, "चाहे वह हिजाब हो, धर्मांतरण विरोधी विधेयक या यहां तक कि पीएफआई पर प्रतिबंध को लेकर पार्टी द्वारा लिया गया स्टैंड ... ये मुद्दे ज्यादातर तटीय कर्नाटक हिस्सा हो सकते हैं। जबकि दक्षिण कर्नाटक के जिलों में अधिक ध्यान देने की जरूरत है, जहां हमारे पास अभी भी जीत दर्ज करने के लिए बहुत कुछ करना बाकी है। इसलिए, यदि आप मुझसे प्रतिबंध से हुए राजनीतिक लाभ के बारे में पूछते हैं, तो मैं कहूंगा कि यह काफी सीमित है।" सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) पर अपने मूल संगठन पीएफआई पर प्रतिबंध लगाने के बाद सरकार के फैसले ने अटकलों को हवा दी है कि एसडीपीआई आगामी विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा के लिए मुश्किल पैदा कर सकता है।

पीएफआई पर प्रतिबंध से एसडीपीआई मजबूत होगा!

राजनीतिक विश्लेषक प्रो। मुजफ्फर असदी ने कहा कि पीएफआई पर प्रतिबंध अल्पसंख्यक समुदाय को एकजुट कर सकता है। "पीएफआई पर प्रतिबंध एसडीपीआई को मजबूत कर सकता है। मुझे लगता है कि अब वह 2023 के विधानसभा चुनाव में 100 सीटों पर चुनाव लड़ने की सोच रही होगी। अल्पसंख्यक समुदाय यह मान सकता है कि उनकी आवाज को दबाया जा रहा है और वे फिर से संगठित हो सकते हैं। बेशक, कांग्रेस की इसमें सबसे बड़ी हार होगी।" हालांकि, कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने इससे असहमति जताई। उनके अनुसार, पीएफआई पर प्रतिबंध के लिए देश में मुस्लिम पार्टियों का समर्थन इस बात का संकेत है कि समुदाय सांप्रदायिक राजनीति का समर्थन नहीं करता है। कहा, "इस प्रतिबंध के परिणामस्वरूप लोगों को यह एहसास होगा कि भाजपा और आरएसएस को सत्ता से हटाना सबसे महत्वपूर्ण है। लोगों ने महसूस किया है कि भाजपा इन संगठनों का इस्तेमाल मुस्लिम वोटों को बांटने के लिए कर रही है। जो समुदाय पहले से ही सरकार की सांप्रदायिक नीतियों से निराश है, वह आगामी चुनावों में तटीय क्षेत्रों में हमारा समर्थन करेगा। हम समाधान हैं।"

2018 में क्या हुआ था

पुराने घटनाक्रम पर गौर करें तो 2018 के विधानसभा चुनावों में, उत्तर कन्नड़ जिले की छह सीटों में से, भाजपा ने चार पर जीत हासिल की थी और एक साल बाद राजनीतिक संकट के बाद शिवराम हेब्बार कांग्रेस से पार्टी में शामिल हो गए। उडुपी जिले में, भाजपा ने सभी पांच सीटों पर जीत हासिल की और दक्षिण कन्नड़ में, आठ में से सात सीटें जीतीं। कांग्रेस को सिर्फ एक सीट से संतोष करना पड़ा था।

हिन्दुत्व की लहर में कांग्रेस की पकड़ ढीली

हालांकि, 2013 के विधानसभा चुनावों में परिणाम काफी अलग थे। कांग्रेस ने उडुपी में तीन, दक्षिण कन्नड़ में सात और उत्तर कन्नड़ में तीन सीटें जीतीं थी। 2018 में हिंदुत्व की लहर के दौरान खोई हुई कुछ सीटों को वापस लेकर कांग्रेस आगामी चुनावों में इस क्षेत्र में अपने प्रदर्शन में सुधार की उम्मीद कर रही है।

कांग्रेस के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द है एसडीपीआई

दक्षिण कर्नाटक क्षेत्र को फिर से हासिल करने की कोशिश कर रही कांग्रेस के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द एसडीपीआई रहा है, जो तटीय कर्नाटक में कांग्रेस के मुस्लिम वोट बैंक पर कब्जा कर रहा है। जबकि एसडीपीआई ने इस क्षेत्र में कोई भी विधानसभा क्षेत्र नहीं जीता, हालांकि उनके वोट शेयर में वृद्धि देखी गई। 2013 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव में, एसडीपीआई को 3।2% का वोट शेयर मिला और 2018 के चुनाव तक वोट शेयर बढ़कर 10,5% हो गया। एसडीपीआई ने दिसंबर 2021 में कर्नाटक के शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में भी छह सीटें जीती थीं।

2023 में 100 सीटों पर चुनाव लड़ेगी एसडीपीआई

इस बीच, एसडीपीआई राज्य समिति के सदस्य रियाज कदंबू ने एचटी को बताया कि वे 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कम से कम 100 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। "हम चुनावी राजनीति में हैं और यह (एसडीपीआई) दलितों, आदिवासियों, मुसलमानों, ईसाइयों और अन्य लोगों के लिए भी एक आंदोलन है। हम अपने रास्ते पर चलते रहेंगे। आने वाले चुनावों में, हम कम से कम 100 निर्वाचन क्षेत्रों (राज्य की 224 सीटों में से) पर चुनाव लड़ने के लिए काम करेंगे।"

इंडिगो फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई एयरपोर्ट को मिले ईमेल के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

मुंबई, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई एयरपोर्ट को रात धमकी भरा ईमेल मिला, जिसमें इंडिगो की फ्लाइट में बम रखे होने की बात कही गई थी। इस ईमेल के आते ही एयरपोर्ट पर सुरक्षा अधिकारियों की हलचल बढ़ गई। हालांकि, जब फ्लाइट की जांच की गई तो ऐसा कुछ भी नहीं मिला। ऐसे में यह साफ हो गया कि बम होने का दावा अफवाह भर था। ईमेल में लिखा था कि इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6E 6045 में बम रखा है। यह फ्लाइट रात में मुंबई से अहमदाबाद जाने वाली थी। बम की अफवाह के चलते इंडिगो की फ्लाइट को जांच के बाद रात को देरी से छोड़ा गया। सुरक्षा एजेंसियां अब इसकी जांच में लगी हैं कि ये ईमेल किसने भेजा और इसका क्या मकसद था।

बम की अफवाह के बाद मलेशिया की उड़ान में देरी

गौरतलब है कि दिल्ली से मलेशिया जाने वाली एक उड़ान शुक्रवार को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर बम की झूठी अफवाह के कारण देरी से रवाना हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि मलेशिया एयरलाइंस की एमएच173 उड़ान से दोपहर करीब 1 बजे बम की धमकी के बारे में सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क किया गया, जिसके बाद उन्होंने पूरे विमान की गहन जांच की। विमान ने 2 घंटे 40 मिनट की देरी के बाद कुआलालंपुर के लिए उड़ान भरी और घटना में शामिल चार यात्रियों को स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया गया। विमान के ओवरहेड केबिन में बैग रखने को लेकर 2 यात्रियों के बीच बहस छिड़ गई। एक यात्री ने दूसरे से पूछा कि उसके बैग में क्या है तो दूसरे ने जवाब में 'बम' कहा। पायलट को इसके बारे में सूचित किए जाने के बाद उड़ान को रोक दिया गया। इसके बाद पायलट ने एटीसी (हवाई यातायात नियंत्रक) को घटना की जानकारी दी।

मूसेवाला मर्डर केस में गिरफ्तार गैंगस्टर दीपक टीनू मानसा पुलिस की गिरफ्त से फरार

चंडीगढ़, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस में गिरफ्तार गैंगस्टर दीपक टीनू रविवार तड़के मानसा पुलिस की हिरासत से फरार हो गया। दीपक टीनू गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का सहयोगी है। सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में आरोपी दीपक से जांच होनी थी। वहीं आरोपी के फरार होने के बाद अलर्ट हुई पंजाब पुलिस ने राजस्थान और हरियाणा से जुड़ा बॉर्डर सील कर दिया है। वहीं एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के गुरमीत चौहान मानसा पहुंच गए हैं और पुलिस से जानकारी हासिल कर रहे हैं। मानसा के अलावा आस पास के जिलों के बॉर्डर पर पुलिस ने सख्त नाकाबंदी कर दी है। पुलिस को संदेह है कि दीपक शायद कहीं किसी नजदीकी गांव में छिपा है, लेकिन सूत्रों के अनुसार दीपक पंजाब से हरियाणा में दाखिल हो चुका है।

हरियाणा के भिवानी का रहने वाला है टीनू

गैंगस्टर दीपक कुमार उर्फ टीनू हरियाणा के भिवानी का रहने वाला है। टीनू के पिता पेंटर हैं। दीपक कुमार उर्फ टीनू पर हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, राजस्थान, दिल्ली में हत्या, हत्या प्रयास समेत 35 से अधिक केस दर्ज है। वह 2017 से जेल में है। पिछले करीब 11 साल से वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा है। उसने भिवानी में बंटी मास्टर की हत्या की, वहीं पंजाब में गैंगसर लवी डियोडा की गोली मारकर हत्या की। दीपक के बाद उसका छोटा भाई चिराग भी नशीले पदार्थों की तस्करी व गाड़ी छिनने के मामले में पकड़ा गया है।

पांच दिन से लापता युवक की तालाब में मिली क्षत-विक्षत लाश, संदेहियों से पूछताछ में जुटी पुलिस

उमरिया, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। उमरिया जिले के मानपुर थानांतर्गत ग्राम बिजौरी व डोडका के बीच तालाब में एक युवक की लाश मिली है। बताया जा रहा है कि युवक बीते पांच दिनों से घर से लापता था। शव की शिनाख्त लापता नागेंद्र सिंह पिता लाल सिंह (उम्र 36 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि मृतक मंगलवार से लापता था। परिजनों ने इसकी सूचना सम्बंधित मानपुर थाने में दी थी। परिजनों की शिकायत पर शुक्रवार को पुलिस ने केस दर्ज किया था। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। फिलहाल पुलिस शव को कब्जे में लेकर संदेहियों से पूछताछ करने में जुटी है। युवक का शव क्षत-विक्षत अवस्था में मिला है, जिसे देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि युवक की मौत कुछ दिनों पहले ही हो चुकी थी। फिलहाल पुलिस इस जांच में जुटी है कि मौत डूबने की वजह से हुई है या युवक की हत्या हुई है। पुलिस डॉग स्काड औक क्राइम सीन से साक्ष्य जुटा रही है।

स्टील कारोबारी की पत्नी ने गीजर के पाइप में लगाई फांसी

मायके वालों ने प्रताड़ित करने का आरोप लगाया

इंदौर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंदौर में एक स्टील कारोबारी की पत्नी ने फांसी लगाकर जान दे दी। बताया जा रहा है कि वह लंबे समय से अवसाद में थी और उसका इलाज चल रहा था। वहीं मृतका संगीता के परिजनों का कहना है कि बेटी को दमाद प्रताड़ित कर रहा था, जिसके चलते उसने यह कदम उठाया है। फिलहाल लसूड़िया पुलिस मामले की जांच कर रही है। संगीता ने आत्महत्या करने के लिए बाथरूम में लगे गीजर के पाइप में फंदा डाला और झूल गई। जब वह काफी देर तक बाथरूम के बाहर नहीं आई तो बेटा आवाज देने लगा। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला, तो परिजनों ने दरवाजा तोड़ दिया। अंदर संगीता फंदे पर लटकी मिली। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

20 साल पहले हुई थी शादी

संगीता और नितेश की 20 साल पहले शादी हुई थी, दोनों के बीच अनबन थी। पुलिस को एक डायरी भी मिली है, जिसमे संगीता ने तनाव से जुड़ी बातों का जिक्र किया है। मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर बेटी को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है, जबकि ससुराल पक्ष का कहना है कि प्रताड़ना का आरोप गलत है। पुलिस ने फिलहाल घटना स्थल सील कर लिया है।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: साहित्य लोगों को मिलाता है, राजनीति लोगों को लड़ाती है।

अहिंसा दिवस समारोह के साथ अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह का समापन

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गणाधिपती गुरुदेव श्री तुलसी द्वारा प्रवर्तित व अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण जी द्वारा उद्घघोषित अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह का सप्तम व अंतिम दिवस अहिंसा दिवस साध्वी श्री त्रिशला कुमारी जी आदि ठाणा-5 के सान्निध्य में तेरापंथ भवन, डीवी कालोनी सिकंदराबाद में आयोजित किया गया। अणुव्रत समिति हैदराबाद के सदस्यों ने अणुव्रत गीत का संघान कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

साध्वी श्री त्रिशला कुमारी जी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में अणुव्रत आंदोलन की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए व अहिंसा के महत्व को समझाते हुए कहा कि तीर्थंकरों द्वारा प्रतिपादित व युगदृष्टा आचार्य श्री तुलसी द्वारा उद्घघोषित इस अणुव्रत आंदोलन की आज भी इतनी ही महत्ता है जितनी विगत काल में थी। इस अवसर पर अपने उद्गार व्यक्त करते हुए साध्वी श्री कल्पयशा जी ने कहा कि अणुव्रत आंदोलन मानवता का आन्दोलन हैं। आपने प्रति वर्ष इस सप्ताह के आयोजन के संदर्भ में कहा कि जैसे बुंद बुंद से घट भरता है वैसे ही बार बार इस तरह के आयोजनों से समाज में जागरूकता बढ़ती हैं। साध्वी श्री रश्मि प्रभा जी ने प्रासंगिक गुरुदेव श्री तुलसी द्वारा रचित गीत का सुमधुर संघान किया। अणुव्रत समिति हैदराबाद के अध्यक्ष प्रकाश एच भंडारी ने अपने स्वागत वक्तव्य में पधारे हुए सभी संस्थाओं के पदाधिकारियों के साथ उपस्थित श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने तो सन् 2007 में 2 अक्टूबर को विश्व अहिंसा दिवस घोषित किया, पर अणुव्रत प्रवर्तक आचार्य श्री तुलसी ने आज से करीब 75 वर्ष पहले ही अहिंसा के महत्व को समझाते हुए अहिंसा दिवस घोषित किया। आपने आगे कहा कि इस आंदोलन के समानांतर कई और आंदोलन प्रारंभ हुए पर कोई आंदोलन आज विद्यमान नहीं हैं, पर इस नैतिकता के आंदोलन को समय समय पर अणुव्रत अनुशास्ता आचार्यों का मार्गदर्शन मिलता रहता हैं, इसीलिए इसकी आज भी विद्यमानता हैं। तेरापंथ प्रोफेसनल फोरम के अध्यक्ष मोहित बैद ने बधाई दी। सहमंत्री विजय आंचलिया ने व अणुव्रत सेवी निर्मला बैद ने भी अपने विचारों की प्रस्तुति दी।

तेलंगाना बीजेपी प्रभारी दिग्गज नेता सुनील बंसल से मुलाकात कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए लव फॉर काऊ के जसमत पटेल, रिद्धिश जागीरदार, महेंद्र रांका, घीसुलाल जैन, विजय सुराना, स्वामी कमलेश, महावीर जैन, हरीश व्यास एवं अन्य।

माकपा ने पीएफआई और उसके आठ सहयोगियों पर प्रतिबंध की निंदा की

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा (माओवादी) की केंद्रीय समिति ने आज पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) और उसके आठ संबद्ध संगठनों पर प्रतिबंध की निंदा की। पीएफआई पर पांच साल के लिए अखिल भारतीय प्रतिबंध लगाने का फासीवादी भाजपा सरकार का निर्णय कठोर और अलोकतांत्रिक है। यह हिंदुत्व के एजेंडे का एक अभिन्न अंग है।

ब्राह्मणवादी हिंदुत्व पर प्रतिबंध लगाकर भाजपा ने एक बार फिर मुस्लिम समुदाय का अपराधीकरण कर दिया। एनआईए ने 25 से 29 सितंबर तक चार दिनों के अंतराल में 11 राज्यों में तलाशी ली, जिसमें उसने 100 से अधिक को गिरफ्तार किया और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से संबंधित 250 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया।

माओवादियों को पुरानी विचारधाराओं से कुछ हासिल नहीं होगा : सुरेश कुमार

जिला एसपी ने माओवादी चौधरी अंकुबाई के परिजनों से की मुलाकात

आसिफाबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को जिला एसपी के. सुरेश कुमार ने पेंचिकलपेट मंडल अगरगुडा का दौरा किया और चौधरी अंकुबाई के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की, जो पिछले 35 वर्षों से माओवादी के रूप में अगरगुडा गांव के यूजी के रूप में कार्यरत हैं। इस समय माओवादी चौधरी अंकुबाई बीमार है। एसपी ने माओवादी चौधरी अंकुबाई के भाई चौधरी चिन्ना के साथ भी बातचीत की। एसपी ने परिवार के सदस्यों से कहा कि वे अपने स्वास्थ्य की स्थिति और परिवार की स्थिति के बारे में जानें और फल, कपड़े और आवश्यक वस्तुएं भेजें और सुनिश्चित करें कि गुमनाम नक्सली जीवन की मुख्यधारा में शामिल ना हों। इस मौके पर एसपी ने कहा कि नक्सलियों को अपनी विचारधारा से हिंसा से कुछ हासिल नहीं होता। उन्होंने ने कहा कि जंगल छोड़ो, हम आपकी मदद करेंगे। चौधरी अंकुबाई ने कहा कि जीवन की धारा में मिले तो हर प्रकार की सहायता करेंगे। उन्होंने कहा कि पुरानी थ्योरी से कुछ हासिल नहीं हो सकता, पिछले 35 साल से ताक़त में रहने वाले अंकुबाई ने कुछ हासिल नहीं किया, जंगल में रहकर कुछ नहीं करना है, लोग हथियार डाल दें और लोगों के जीवन के प्रवाह में शामिल हों, सरकार और पुलिस लोगों के कल्याण के लिए हैं और पुलिस कानून के भीतर किसी भी समस्या का समाधान करेगी। इस अवसर पर हमें पता चला है कि चिन्ना की बहन चौधरी अंकुबाई पिछले 35 वर्षों से परिवार के सदस्यों से दूर रह रही हैं और उनकी तबीयत ठीक नहीं है।

महात्मा गांधी व लालबहादुर शास्त्री की जयन्ती पर लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद द्वारा लायन अनूप कुमार व दिपाली बडेरा परिवार के सहयोग से कोठी सुल्तान बाजार में अन्नाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें 150 व्यक्तियों ने अन्न ग्रहण किया। इस अवसर पर अध्यक्ष शीलकुमार जैन, अजय नाहटा, प्रितेश जैन, सीमा शील जैन, अनूप, दिपाली बडेरा आदि उपस्थित थे।

साइबराबाद में मनाई गई महात्मा गांधीजी जयंती

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त, साइबराबाद स्टीफन रवींद्र, द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी को उनकी 153 वीं जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। महात्मा गांधी की जयंती तेलंगाना राज्य समारोह के रूप में भी मनाया जा रहा है। साइबराबाद सीपी कार्यालय में सम्मेलन हॉल में अन्य अधिकारियों के साथ साइबराबाद सीपी ने महात्मा गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण किया, पुष्पांजलि अर्पित की और राष्ट्रपिता बापूजी के सम्मान में मौन रखा। गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर संबोधित करते हुए, सीपी ने कहा, महात्मा गांधी जी की जयंती को 'तेलंगाना राज्य समारोह' के रूप में मनाना महान व्यक्तित्व को उचित श्रद्धांजलि थी। "गांधी जयंती जिसे हम 2 अक्टूबर को मनाते हैं, संयुक्त राष्ट्र की घोषणा के बाद दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस अवसर पर सीपी अविनाश मोहंती, क्राइम डीसीपी कलमेश्वर सिंगनवर, ट्रैफिक डीसीपी टी श्रीनिवास राव सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

सनडे- फनडे

रविवार को टैंकबंड पर आयोजित सनडे-फनडे कार्यक्रम में भाग लेते हुए कलाकार।

हिंदी महाविद्यालय में बतुकम्मा का आयोजन किया गया

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी महाविद्यालय परिसर में तेलंगाना के पारंपरिक बतुकम्मा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर नल्लाकुंटा डिविजन की कॉरपोरेटर श्रीमती अमृता मुख्य अतिथि के रूप में एवं काचीगुड़ा डिविजन के असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस श्रीनिवास विशेष अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में प्राध्यापकों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर श्रीमती अमृता ने हिंदी महाविद्यालय शिक्षा समिति की प्रशंसा की। इस अवसर पर अतिथियों को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल, उप प्राचार्य श्रीमती अश्विनी व डॉक्टर श्रीदेवी द्वारा सम्मानित किया गया

मंत्रियों ने किया बसवेश्वर भवन का शिलान्यास

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने रविवार को हैदराबाद के बाहरी इलाके कोकापेट गांव में बसवेश्वर भवन के निर्माण की आधारशिला रखी। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष पोचारम श्रीनिवास रेड्डी, मंत्री हरीश राव, मोहम्मद अली, श्रीनिवास गौड़ और सबिता इंद्र रेड्डी, सांसद बीबी पाटिल, अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों और लिंगायत समुदाय के नेताओं ने भाग लिया। मंत्री हरीश राव ने कहा कि राज्य सरकार ने तेलंगाना में 42 पिछड़ा वर्ग समुदायों के लिए स्वाभिमानी भवनों के निर्माण के लिए कुल 82 एकड़ भूमि निर्धारित की है, जिसमें बसवेश्वर समुदाय को पांच एकड़ भूमि प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना में लिंगायत समुदाय को बड़ी प्राथमिकता दे रही है और याद दिलाया कि वह तेलंगाना राज्य के गठन के बाद आधिकारिक तौर पर बसवेश्वर की जयंती मना रही है और टैंक बंड में बसवेश्वर की प्रतिमा की स्थापना कर रही है।

किशन रेड्डी ने खुफिया अधिकारियों को दी चेतावनी

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने पार्टी कार्यालय का दौरा करने वाले खुफिया अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त की है और पूछा है कि वे बिना किसी आधिकारिक पुष्टि के भाजपा कार्यालय में कैसे प्रवेश करेंगे। किशन रेड्डी ने आरोप लगाया है कि फोन टैपिंग पहले से ही चल रही है और चेतावनी दी है कि यह अच्छा हो अगर वे फिर से ऑफिस ना आएं। उन्होंने कहा कि क्या मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) प्रगति भवन और तेलंगाना भवन में खुफिया अधिकारियों को तैनात करने के लिए सहमत होंगे?केंद्रीय मंत्री ने नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर वह वहां राजी होते हैं तो खुफिया अधिकारियों के लिए एक विशेष केबिन स्थापित करेंगे।

माता की चौकी आज

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दू सेवा समाज गोलकोंडा दशहरा सम्मेलन के तत्वावधान में माता रानी की चौकी का आयोजन कल 3 अक्टूबर को सायं 6 बजे से किया जाएगा। यह एक ऐतिहासिक कार्यक्रम में दशहरा सम्मेलन, बतुकम्मा, माता की चौकी का आयोजन प्रति वर्ष किया जाता है। कल सायं 6 बजे से माता रानी की चौकी होगी। साथ ही डांडिया एवं बतुकम्मा के बाद भोजन, प्रसाद की व्यवस्था भी है। 5 अक्टूबर को दुर्गा माता की पूजा एवं श्रीराम दरबार व शमी पूजा के बाद सायं 6 बजे से कार्यक्रम शुभारम्भ होगा। रात 9 बजे रावण दहन होगा। विशिष्ट अतिथियों का सत्कार स्वागत एवं समाज सेवी सम्मानित होंगे।

नवज्योति एसोसिएशन, मलकपेट द्वारा मा भगवती का जागरण आयोजित किया गया। जागरण में प्रसिद्ध भजन गायक सुशील गोपाल बजाज ने सुंदर भजन प्रस्तुत कर भक्तों को झुमने के लिए मजबूर कर दिया। जागरण के अवसर पर उपस्थित हैं नरसिम्हा, नागराज गौड़, अमित तिवाड़ी, सोनू चौहान, कपिल अग्रवाल, पारस जैन, सी. संदीप जैन, दुर्गेश सारोटी, दुर्गेश तिवाड़ी, नवीन व्यास, चिंटु व अन्य। इस दौरान अमित तिवाड़ी ने भजन गायक सुशील गोपाल बजाज का सम्मान किया।

शराबी ड्राइवर की वजह से 26 मौतें

बेटे के मुंडन में शराब पीकर ट्रैक्टर चलाया, मना करने पर नहीं माना

कानपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। कानपुर में शनिवार रात हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली हादसे में 26 लोगों की मौत हो गई। इनमें 13 महिलाएं और 13 बच्चे हैं। तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर तालाब में गिर गई थी, उसमें 45 लोग सवार थे। ये लोग उन्नाव के चंद्रिका देवी मंदिर से मुंडन संस्कार के बाद कानपुर लौट रहे थे। सभी कोरथा गांव के रहने वाले थे।

ट्रैक्टर ड्राइवर ने शराब पी थी और मना करने के बावजूद वह गाड़ी चला रहा था। मुंडन भी उसी के बच्चे का था। इस हादसे में वह बच गया है और फरार है।

कोरथा में परिजनों से मिलकर योगी ने जाना हाल

रविवार सुबह सीएम योगी घाटमपुर इलाके के कोरथा गांव पहुंचे। वहां उन्होंने हादसे में मरने वालों के परिजनों से मुलाकात की। परिजनों से उन्होंने कहा- मुझे बहुत दुख है, आपके नुकसान की भरपाई नहीं हो सकती है। धैर्य रखें। उनके पहुंचने से पहले गांव से 26 अर्थियां उठ चुकी थीं। परिजनों से मुलाकात के बाद वो रवाना हो गए।

योगी ने कहा- परिजनों को 4-4 लाख का मुआवजा

सीएम योगी आदित्यनाथ कानपुर के हैलट अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों से बातचीत की। सीएमओ ने सीएम योगी को बताया कि मरीजों में कोई गंभीर नहीं है। मरीजों से मुलाकात के बाद सीएम योगी ने कहा- ब्लैक स्पॉट को खत्म करने के लिए NHAI और PWD विभाग के अफसरों को कहा गया है। मरने वालों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। आगे हादसा न हो, इसके लिए अवेयरनेस कैंप चलाए जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री इतनी लाशें देखकर रो पड़ीं

सीएम योगी ने लोगों से अपील करते हुए एक कहा- ट्रैक्टर ट्रॉली का इस्तेमाल कृषि कार्यों के लिए करें। मंत्री राकेश सचान गांव में मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति भी गांव पहुंचीं। एक साथ इतनी लाशों को देखकर वो रो पड़ीं। उन्होंने महिलाओं को ढांढस बंधाया। वहीं, गांव में मातम देखकर बुजुर्ग महिला की हालत बिगड़ गई। उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया।

थानेदार समेत 5 सस्पेंड, वजह लापरवाही

थाना प्रभारी आनंद पांडेय समेत 4 पीआरवी जवानों को लापरवाही के चलते सस्पेंड कर दिया है। हादसे की मजिस्ट्रियल जांच होगी। स्थानीय लोगों की सूचना के बाद भी ये लोग सही समय पर नहीं पहुंचे। लोगों ने प्रशासन पर भी लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि एंबुलेंस देरी से पहुंचीं। अगर समय पर पहुंचती तो कुछ लोगों की जान बच सकती थी।

बेटा पाने की मन्नत और एक ही परिवार के 12 की मौत

करीब डेढ़ साल पहले घाटमपुर कोरथा गांव की ज्ञानवती ने 2 बेटियां होने के बाद पुत्र होने की मन्नत मांगी थी। उसने उन्नाव स्थित बक्सर के चंद्रिका देवी से मनौती मांगी थी कि नवरात्रि में पुत्र का मुंडन कराने आएंगी। ज्ञानवती के 7 महीने के बेटे अभि का हैलट इमरजेंसी में इलाज चल रहा है और उसने अपनी एक बेटी दिया को हादसे में खो दिया। ज्ञानवती की सास जानकी की भी हादसे में मौत हो चुकी है। परिवार में 12 लोगों की मौत हुई है। बोलीं- ट्रॉली पलटी तो लगा कि कुछ के हाथ-पैर टूटे होंगे, ये नहीं पता था कि इतने लोगों की जान चली जाएगी। इस खबर को पूरा पढ़ने के लिए क्लिक करें...

कोरथा गांव में 26 अर्थियां बनाई गई हैं। रातभर यहां शव आते रहे। लोग लाशों के पास बदहवास से बैठे हैं। कोई लगातार रो रहा है तो किसी के आंसू सूख गए हैं.. बस आंखों में सूनापन है।

पीएफआई के कई स्थानीय संगठन कर रहे काम

एसडीपीआई से जुड़ी चौंकाने वाली जानकारियां आई सामने, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

लखनऊ, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। पहले दिन पुलिस कस्टडी रिमांड पर अहमद बेग ने खोले पीएफआई और एसडीपीआई के कॉमन सदस्यों के राज। देश भर को दहलाने की साजिश पीएफआई संगठन रच रहा था। यह खुलासा पहले दिन की रिमांड पर पूछताछ में पीएफआई के सदस्य और आल इंडिया उलमा काउंसिल के अध्यक्ष मो. अहमद बेग ने किया। उसने बताया कि एसडीपीआई के साथ ही कई स्थानीय धार्मिक संगठन गुपचुप तरीके से पीएफआई के लिये काम कर रहे हैं। इसके बाद खुफिया एजंसी सतर्क हो गई हैं।

रिमांड पर आल इंडिया उलमा काउंसिल के अध्यक्ष मो. अहमद बेग ने खोले कई राज

शनिवार को सुरक्षा एजेंसियों ने पांच दिन पर रिमांड पर आए आल इंडिया उलमा काउंसिल के अध्यक्ष मो. अहमद बेग से पूछताछ की।

उसने पूछताछ में खुद को पीएफआई के लिए फंडिंग और लोगों को जोड़ने की बात कबूल करते हुए कई चौंकाने वाले खुलासे किए। उसने बताया कि पीएफआई का स्थानीय लेवल पर भी नेटवर्क देश के हर प्रमुख इलाकों तक पहुंच चुका है।

पीएफआई के प्रदेश अध्यक्ष वसीम अहमद से मिली जानकारी के बाद मो. अहमद बेग को पकड़ा गया था। अहमद बेग आल इंडिया उलमा काउंसिल का वर्तमान अध्यक्ष है। एनआईए की एक टीम रविवार को अहमद बेग से अलग से पूछताछ करेगी।

यूपी में संगठन के नेटवर्क और साथियों के विषय में हुई पूछताछ

सूत्रों के मुताबिक अहमद बेग से सुरक्षा एजेंसियों ने पहले दिन उसके नेटवर्क और संगठन को फंडिंग करने वालों के विषय में पूछताछ की।

उसने पीएफआई के प्रदेश अध्यक्ष वसीम से अपने संपर्क को नकारा, लेकिन बाद में टूट गया। जब उसके मोबाइल और सोशल साइट के डाटा का ब्यौरा दिखाया।

एसडीपीआई की चुनावी सेल देखने वाले फैजी की तलाश

अहमद बेग ने पूछताछ में बताया कि उसके काम में सबसे बड़ा सहयोग फैजी देता था। जो एसडीपीआई का काम देख रहा था।

उसने शहर के साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश में एसडीपीआई का नेटवर्क की आड़ में पीएफआई के लिए लोगों को जोड़ा था। उसने अहमद बेग के चुनाव के प्रचार प्रसार में भी अहम भूमिका अदा की थी।

बहराइच ले जाकर भी होगी पूछताछ, एसटीएफ कर रही तैयारी

पुलिस कस्टडी रिमांड में हुई पूछताछ में अहमद बेग के बयानों से साफ है कि बहराइच में पीएफआई के नेटवर्क के बारे में उसे कई जानकारियां हैं।

पूछताछ में जानकारी मिली है कि बहराइच में पीएफआई के कई सदस्य है जो सुरक्षा एजेंसी की धरपकड़ के बाद से अंडर ग्राउंड हो गए हैं। यही वजह है कि उससे कुछ और राज जानने के लिये एसटीएफ उसे बहराइच ले जायेगी। उसको एसटीएफ की टीम ने ही मदेयगंज से गिरफ्तार किया था।

'हम गांधी के रास्ते पर चल रहे हैं'

गृह मंत्री अमित शाह की यात्रा पर बोले नीतीश– सभी को कहीं भी जाने का अधिकार

पटना, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गांधी जयंती के मौके पर गांधी मैदान में गांधी की ऊंची मूर्ति पर नमन करने पहुंचे। उनके साथ उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी आदि भी मौजूद रहे। इस अवसर पर नीतीश कुमार ने कहा कि गांधी जी की बात मानकर ही हमलोग जीवन में चल रहे हैं। हमलोग सब दिन यहां आते हैं। एक्सपर्ट से बात कर बापू की मूर्ति हमलोगों ने गांधी मैदान में बनवाई। बच्चा-बच्ची को यहां गांधी जी आशीर्वाद दे रहे हैं।

11 अक्टूबर को फिर से बिहार आ रहे अमित शाह

भाजपा के वरिष्ठ नेता और देश के गृह मंत्री अमित शाह 11 अक्टूबर को जेपी की जन्मस्थली सिताब दियारा में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने आ रहे हैं। इससे जुड़े सवाल पर नीतीश कुमार ने कहा कि सभी को कहीं भी जाने का अधिकार है। जो आना चाहता है, उसमें क्या कीजिएगा। जेपी की जो जगह है, उसके बारे में पता कर लीजिए। हम लोगों ने बढ़िया से बनवाया है। जेपी को सम्मान दे ही रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 दिनों के अंदर दूसरी बार बिहार यात्रा पर आ रहे हैं। अमित शाह 11 अक्टूबर को छपरा आएंगे। वे वहां जेपी जयंती समारोह में शिरकत करेंगे और एक बड़ी जनसभा को भी संबोधित करेंगे। अमित शाह की हो रही बिहार यात्राओं को 2014 लोक सभा की चुनावी रणनीति से जोड़ कर देखा जा रहा है।

बिहार में जदयू से गठबंधन टूटने के बाद अमित शाह का फोकस बिहार पर है। इससे पहले 23 और 24 सितंबर को दो दिवसीय दौरे पर अमित शाह सीमांचल पहुंचे थे और जनसभा को संबोधित किया था। जानकारी है कि अमित शाह छपरा, सीवान और गोपालगंज के किसानों को संबोधित करेंगे।

पीके की जन- सुराज यात्रा पर कहा - उनकी अपनी इच्छा

प्रशांत किशोर की जन- सुराज यात्रा पर नीतीश कुमार ने कहा कि उनकी अपनी इच्छा है। बता दें कि चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने अलग राह पकड़ ली है। उन्होंने गाधी जयंती के दिन से चंपारण से जनसुराज यात्रा शुरु किया है। अगले 12-15 महीनों में बिहार के गांव और शहरों में करीब 3500 किमी की यात्रा करेंगे। कुछ दिनों पहले जब पवन वर्मा के साथ प्रशांत किशोर, नीतीश कुमार से मिलने गए थे उस समय कई तरह के सवाल उठे थे।

कौशांबी में 3 करोड़ की लूट

एसयूवी में कैश रखकर दिल्ली ले जा रहे थे दो युवक, रात ढाई बजे बदमाशों ने की वारदात

कौशांबी, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। कौशांबी के कोखराज इलाके में बीती रात करीब ढाई बजे कार सवार बदमाशों ने एसयूवी रोककर गन प्वाइंट पर 3 करोड़ रुपये और कार लूट ली। बताया जाता है कि कार सवार दो युवक ये रकम लेकर दिल्ली जा रहे थे।

जानकारी के अनुसार, देर रात करीब ढाई बजे प्रयागराज नंबर की कार (यूपी 70 जीबी 8271) कोखराज थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-2 पर ककोढ़ा कस्बे के पास जंगल के किनारे बदमाशों ने गन प्वाइंट पर कार रुकवाई। उसके बाद चालक समेत गाड़ी को लेकर कड़ाधाम की ओर फरार हो गए।

पड़ताल के दौरान ड्राइवर और कार को पुलिस ने कड़ाधाम में एक सुनसान जगह से बरामद कर लिया है। वारदात की जानकारी मिलते ही एसपी हेमराज मीणा भोर में 3 बजे मौके पर पहुंचे। ड्राइवर से पूछताछ कर बदमाशों की तलाश की। सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने लूट की रकम में से 25 लाख रुपये बरामद कर लिये हैं।बताया जाता है कि लूटी गई कार में 3 करोड़ रुपये थे, जो वाराणसी से दिल्ली ले जाये जा रहे थे। हालांकि इतनी बड़ी रकम कहां से आई और किसके पास पहुंचाने का प्लान था, इसके बारे में पुलिस जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक 3 करोड़ रुपये हवाला के हो सकते हैं।

सुबह 10 बजे पहुंचे आईजी रेंज

आईजी रेंज राकेश सिंह सुबह 10 बजे कोखराज पहुंचे। पीड़ित ड्राइवर से पूछताछ कर लूट की रकम और बदमाश का हुलिया जानने की कोशिश की। वारदात की तहकीकात करने एडीजी प्रेम प्रकाश करीब 12 बजे कोखराज पहुंचे। एडीजी प्रयागराज ने ड्राइवर से बात कर गाड़ी की डिटेल जुटाई। ड्राइवर के बताये गए वारदात स्थल पर गए। स्थानीय लोगों से जानकारी ली। इसके बाद भी पुलिस इस बात की जानकारी नहीं जुटा सकी कि बदमाशों ने अपहरण कर लूटी गई रकम को कहां छिपाया है।

एडीजी प्रेम प्रकाश ने बताया, पुलिस को डायल 112 पर अपहरण की जानकारी मिली थी। जिस पर गाड़ी और ड्राइवर को बरामद किया गया है। ड्राइवर ने अपहरण और लूट की बात बताई है। गाड़ी बनारस से चली थी।

गंगाघाट नगर पालिका को मिला अवार्ड

दिल्ली तालकटोरा स्टेडियम में हुआ कार्यक्रम, स्वच्छता में अव्वल आने पर सम्मानित

उन्नाव, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली तालकटोरा स्टेडियम में स्वच्छ भारत महोत्सव कार्यक्रम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर की मौजूदगी में संपन्न हुआ। वहां स्वच्छता को लेकर नगरपालिका गंगाघाट को अवार्ड मिला। स्वच्छता में अव्वल आने पर नगर पालिका गंगाघाट की कार्यशैली दिल्ली तक गूंज उठी।

नगरपालिका गंगा घाट ने 28 वार्डों में नए तरीके अपनाकर साफ-सफाई कराने के बाद ही नए तरीकों का प्रयोग करके क्षेत्र की हर गली मोहल्ले को स्वच्छ रखने का काम किया।

इसके साथ ही पालिका में डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन और सूखा कूड़ा अलग और गीला कूड़ा अलग रखने के लिए घर-घर डस्टबिन भी बांटे। वहीं पालिका क्षेत्र में हरियाली लाने के लिए ग्रीन बेल्ट के साथ ही जगह-जगह पौधरोपण किया गया।

स्वच्छता की हकीकत जानने पहुंची थी टीम

इसकी हकीकत देखने के लिए दिल्ली से केंद्रीय टीम भी कई बार स्वच्छता की हकीकत देखने के लिए गंगा घाट पहुंची है और साफ सफाई का निरीक्षण किया, जिसकी रिपोर्ट तैयार की। उसी रिपोर्ट के आधार पर दिल्ली तालकटोरा स्टेडियम में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर की मौजूदगी में पालिका अध्यक्ष रंजना गुप्ता और अधिशासी अधिकारी नरेंद्र मोहन मिश्रा को स्वच्छता में अव्वल आने पर अवार्ड दिया गया।

सफाई और पालिका कर्मियों का रहा योगदान इससे पालिका की स्वच्छता अभियान की हकीकत दिल्ली तक गूंज उठी। पालिका को अवार्ड मिलने पर पालिका के एसवीएम प्रभारी अनूप शुक्ला के अलावा सभी सफाई कर्मियों और पालिका कर्मियों का अहम योगदान रहा।

वहीं, इससे पहले भी वर्ष 2020 में तत्कालीन अधिशासी अधिकारी सुनील कुमार मिश्रा को भी स्वच्छता को लेकर अवार्ड मिल चुका है। कार्यक्रम में कानपुर महापौर प्रमिला पांडे और लखनऊ महापौर संयुक्ता भाटिया ने भी पालिका को अवार्ड मिलने पर स्वच्छता की सराहना की है।

पीके की नई पदयात्रा: नीतीश ने साथ काम करने का ऑफर दिया पर मैंने मना कर दिया, लेकिन वे सीएम हैं मिलते रहेंगे

पटना, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। पॉलिटिकल स्ट्रैटिजिस्ट के तौर पर अपना लोहा मनवा चुके प्रशांत किशोर अब बिहार में पूरी ताकत के साथ सक्रिय होने जा रहे हैं। गांधी और शास्त्री जयंती के दिन यानी 2 अक्टूबर को वे "पदयात्रा' आरंभ कर रहे हैं। निरंतर चलने वाली इस यात्रा का उद्देश्य वे जनजागरण बताते हैं और दावा करते हैं कि इससे राज्य में व्यवस्था परिवर्तन की जमीन तैयार होगी।

मैंने बिहार में सिर्फ लड़ने का नहीं, जीतने का खाका तैयार किया है। इसमें दो-तीन साल लग सकते हैं। बिहार में 75 साल में पहली बार कोई व्यक्ति लगातार यात्रा कर राज्य के कोने-कोने में लोगों तक पहुंचेगा। उनके मुद्दों को समझेगा।

मेरी उनसे मार्च में दिल्ली में मुलाकात हुई। उनकी ओर से ऑफर था..साथ में काम करने का। मई से कई बार मिलने और बैठने की बात हुई। लेकिन नहीं हो सका। हमारे कॉमन जानकार हैं पवन वर्मा।

नीतीश जी ने उनसे मुलाकात में कहा प्रशांत बिहार में हैं और मिलने नहीं आए। पवन ने यह मुझे बताया और इस तरह मीटिंग की राह तैयार हुई। 14 सितंबर को उनसे एक से डेढ़ घंटे बात हुई। इस बार भी मैं अपने मार्च के स्टैंड पर कायम रहा। विकास, रोजगार, शिक्षा, शराबबंदी को लेकर उनका खाका मुझे कन्विंस नहीं कर पाया। मैने फिर उनके ऑफर को मना कर दिया। पर वे सीएम हैं, मुझसे जब भी मिलना चाहेंगे..मैं मिलूंगा। कौन क्या बोलता है। उससे मतलब नहीं है। कहा जाता है कि अपनी स्थिति से ऊपर की बात नहीं करनी चाहिए। मार्च में मैं जब सीएम से मिला तो क्या वे थे वहां? जब यहां भेंट हुई तो भी वे नहीं थे। क्या बात हुई उन्हें क्या पता। महागठबंधन ने कभी इस फॉर्मेशन में लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ा।

चाहे लोकसभा हो चाहे विधानसभा...कामकाज का असर दिखता है। जिस दल की केंद्र में सरकार हो तो कुछ फायदा जरूर मिलता है। लेकिन, सबके ऊपर है काम। एक साल तक काम न हो..नैरेटिव न हो तो महागठबंधन छोड़ें, सुपर गठबंधन भी किसी काम का नहीं। प्रशांत किशोर पटना से गाड़ियों के काफिले के साथ चंपारण के लिए निकलेंगे। सूत्रों की मानें तो प्रशांत किशोर पटना से ही अपना शक्ति प्रदर्शन करना शुरू कर देंगे। बताया जा रहा है कि इन गाड़ियों के काफिले में लगभग 500 गाड़ियां होंगी। इसके साथ ही चंपारण के रास्ते में लगभग दर्जनभर जगहों पर प्रशांत किशोर छोटी-छोटी सभा करते हुए आगे बढ़ेंगे। हालांकि प्रशांत किशोर ने इस यात्रा में शामिल होने के लिए जो निमंत्रण दिया है, वह 12:00 बजे दिन का है लेकिन जिस तरह की तैयारी दिख रही है, शाम भी हो सकता है।

दियारा में खूनी संघर्ष के बाद भोजपुर पुलिस अलर्ट

55 बालू माफियाओं के ठिकानों पर छापेमारी, 19 .43 लाख कैश और 25 कारतूस बरामद

आरा, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। पटना के बिहटा थाना अंतर्गत अमनाबाद दियारा में अवैध बालू खनन को लेकर दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी में मौत के बाद भोजपुर पुलिस अलर्ट में आ गई है। अवैध बालू के खनन से जुड़े माफियाओं के ठिकानों पर भोजपुर पुलिस एक–एक कर छापेमारी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान जेल में बंद सत्येंद्र गैंग के ठिकानों पर भी छापेमारी की गयी । भोजपुर पुलिस की विशेष टीम ने कोईलवर थाना क्षेत्र के पचरुखिया कला गांव स्थित एक बालू माफिया के घर से करीब साढ़े 19 रुपए कैश,25 जिंदा कारतूस के साथ सोने का आभूषण भी बरामद किया है।

छापेमारी के दौरान पुलिस को देख धंधेबाज फरार हो गए। इसे लेकर पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। प्राथमिकी में अंकित पांडे को आरोपित किया गया है। अंकित पांडे पहले से कम आलोचक दोहरे हत्याकांड में वांटेड रहा है और उसके पिता सत्येंद्र पांडेय अभी जेल में बंद है । भोजपुर पुलिस अधीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि अवैध बालू खनन से जुड़े करीब 55 बालू माफियाओं के ठिकानों पर प्रभावी कार्रवाई और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की गई।

कई माफिया पहले से फरार थे, कुछ पुलिस को देख फरार हो गए। विशेष टीम का नेतृत्व एएसपी हिमांश व पीरो डीएसपी राहुल सिंह कर रहे थे ।

छापेमारी के दौरान अवैध खनन मामले में बड़हरा थाना के फुहां गांव से शत्रुधन,श्रीराम सिंह व चांदी थाना क्षेत्र के जोकटा से मनीष को गिरफ्तार किया गया है । एसपी संजय कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कोईलवर थाना के पचरुखिया कला गांव निवासी बालू माफिया सत्येंद्र पांडेय के गिरोह के सदस्यों के घर पर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए अवैध हथियार छिपाकर रखा गया है। हमारी टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सत्येंद्र पांडेय के पुत्र अंकित पांडेय के घर की तलाशी ली गई ।

इस दौरान बैग में रखा 19 लाख 43 हजार 60 रुपए नगद,315 बोर का 25 जिंदा कारतूस,सोने की दो अंगूठी व सोने की दो सिकड़ी बरामद की गई है। बताया जाता है कि सभी रकम बालू की काली कमाई से अर्जित की गई है । टीम में एसपी हिमांशु के अलावा कोईलवर थाना प्रभारी प्रवीण कुमार,दरोगा विपुल कुमार,मनीष कुमार,महिला दरोगा जैवा खातून, एएसआई धनंज शर्मा और उपेंद्र चौधरी शामिल थे ।

कुख्यात मंटू के साथ एमएलसी दिनेश सिंह का फोटो वायरल

शादी के सालगिरह की बताई जा रही तस्वीर, बुके सौंपते दिख रहे विधान पार्षद

मुजफ्फरपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर पुलिस के हत्थे चढ़े बिहार के मोस्ट वांटेड क्रिमिनल मंटू शर्मा की एक तस्वीर उसकी गिरफ्तारी के बाद सोशल मिडिया पर खूब वायरल होने लगी है। इस फोटो में उसके साथ जदयू नेता सह एमएलसीदिनेश सिंह भी हैं। ये फोटो मंटू के शादी को सालगिरह का बताया जा रहा है। कहा जा रहा है की हाल में ही मंटू के शादी की सालगिरह थी। जिसमे दिनेश सिंह समेत नेता और जनप्रतिनिधि शामिल हुए थे। ये वायरल फोटो चर्चा का विषय बना हुआ है।

इसमें एमएलसी एक बुके मंटू को देते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस तस्वीर के वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर इसकी खूब चर्चा हो रही है। हालांकि ये कब की फोटो है। इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। लेकिन, देखकर लग रहा है जैसे हाल फिलहाल ही ये समारोह का आयोजन किया गया था। जिसमे एमएलसी शामिल होकर मंटू को बधाई देने पहुंचे थे। हमने एमएलसी से संपर्क करने की कोशिश की। लेकिन, नहीं हो सका। मंटू शर्मा एक कुख्यात अपराधी है। जिसका जिक्र SSP जयंतकांत ने प्रेस कांफ्रेंस में भी किया। उसके खिलाफ न सिर्फ मुजफ्फरपुर बल्कि पटना में भी कई केस दर्ज है। पुलिस को अबतक हत्या, लूट और रंगदारी के 13 केस पता लगे हैं। जिसके राजधानी पटना में सीपीडब्ल्यूडी के ठेकेदार की हत्या, मुजफ्फरपुर में हत्या, लूट और आर्म्स एक्ट के कान भी दर्ज हैं। एसएसपी ने कहा की अभी कांडों की फाइल खंगाली जा रही है। उसे रिमांड पर लेकर आगे पूछताछ की जाएगी।

मंटू शर्मा को रिमांड पर लेने के बाद पुलिस उससे पूर्व मेयर समीर हत्याकांड के बारे में भी पूछताछ करेगी। इस केस में वह अप्राथमिक अभियुक्त है। उससे एके-47 के बारे में पूछताछ की जाएगी। जिससे पूर्व मेयर की हत्या की गई थी। क्योंकि आजतक उस हथियार का पता नहीं लगा जिससे उनकी हत्या हुई थी। शूटर गोविंद और सुजीत समेत अन्य गिरफ्तार तो हुए। पर ये नहीं पता लगा की एके-47 कहां गया। कहा जा रहा है की गोविंद ने हत्या के एक-47 को सुरक्षित मंटू तक पहुंचाया था।

वाराणसी में गोली मारकर युवक की हत्या

वाराणसी, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। वाराणसी के मानापुर गांव में बाइक सवार 3 बदमाशों ने गोली मारकर एक युवक की हत्या कर दी। बदमाशों के जानलेवा हमले में युवक का एक दोस्त घायल हुआ है। देर रात एसपी ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे। घायल युवक के अनुसार, गोली मारने वाले बदमाशों में से एक को वो पहचानता है। पुलिस वारदात के पीछे आपसी रंजिश और आशनाई के विवाद को वजह मान कर जांच कर रही है।

बसनी दल्लूपुर निवासी सोनू कुमार पटेल ने बताया कि तेज बहादुर (21) उसका बड़ा भाई था। तेज बहादुर मजदूरी करता था। उसका कभी किसी से झगड़ा वगैरह नहीं हुआ था। उसके घर शनिवार की रात बड़ेपुर बसनी गांव का रहने वाला सौरभ पटेल उर्फ किशन उर्फ मोदी (20) आया था। तेज बहादुर और सौरभ दोस्त थे। तेज बहादुर ने कहा था कि वह दुर्गा पूजा देखने जा रहा है।

उमा भारती का फरियाद सुनने से इनकार

महिला ने रोककर कहा- मैडम बात सुन लीजिए पूर्व सीएम बोलीं- अभी बिल्कुल नहीं सुनेंगे।

भोपाल, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती आज भोपाल में शराबबंदी के लिए यात्रा निकाल रही हैं। उन्होंने कर्फ्यू वाली माता मंदिर में दर्शन कर यात्रा की शुरुआत की। काली मंदिर से नीलम पार्क तक पथ संचलन के बाद उमा भारती ने नीलम पार्क में आईं महिलाओं को संबोधित किया। इसी बीच फरियाद लेकर आई महिला ने उनसे कहा- मैडम मेरी बात सुनिए। उमा भारती ने मंच से ही कहा- नहीं, अभी नहीं सुनेंगे हम, बिल्कुल नहीं हम बाद में सुनेंगे। रीना दांगी काफी देर तक कार्यक्रम में फूट-फूटकर रोती रहीं। उनका कहना था कि उनके हस्बैंड को कैंसर है। बैंक वाले उनके मकान में ताला लगा रहे हैं। परिवार को बाहर निकालने की तैयारी में हैं। तीन बच्चे हैं, पति को कैंसर है, हम कहां जाएंगे?

उमा भारती बोलीं, हम गांधी के सच्चे भक्त।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका लक्ष्य मध्यप्रदेश में पूरी तरह शराबबंदी लागू कराना है। आज से सरकार द्वारा पूरे मध्यप्रदेश में नशा मुक्ति अभियान शुरू किया जा रहा है। जब तक मध्यप्रदेश में पूरी तरह शराब बंद नहीं होती, तब तक अभियान जारी रहेगा। उन्होंने नारा लगवाया- महात्मा गांधी की इच्छा अधूरी है, नशा शराब पर बंदिश जरूरी है। हम गांधी जी के सच्चे भक्त हैं। हम राज्य को शराबियों से भी साफ रखेंगे और गंदगी से भी साफ रखेंगे।

नीलम पार्क से मिंटो हॉल पहुंची यात्रा

उमा भारती अपने समर्थकों और महिलाओं के साथ नीलम पार्क से कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) पहुंचीं। यहां गांधी प्रतिमा के सामने दो मिनट का मौन धारण किया। इसके बाद वे मोती लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित मध्यप्रदेश सरकार के कार्यक्रम में शामिल होंगी। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय सामाजिक न्याय मंत्री डॉ। वीरेंद्र कुमार खटीक भी मौजूद रहेंगे।

शराबबंदी पर सरकार को घेरा, फिर यू-टर्न

बता दें, शराब के मुद्दे पर उमा भारती शिवराज सरकार को कई बार घेर चुकी हैं। भोपाल की शराब दुकान पर पत्थरबाजी करने के साथ समय-समय पर वे आंदोलन भी करती रही हैं। 3 महीने पहले उन्होंने बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा को 3 पेज का लेटर लिखा और इसे सार्वजनिक भी किया था। लेटर में उन्होंने इस मुद्दे पर अपनी पीड़ा जाहिर की थी। उमा ने सभी भाजपा शासित राज्यों में एक जैसी शराब नीति लागू करवाने की मांग भी की थी। उन्होंने लिखा था कि मध्यप्रदेश में शराबबंदी पर मैं लगातार सक्रिय हूं। शराब बंदी को लेकर मध्यप्रदेश सरकार के खिलाफ मुखर उमा ने 9 सितंबर को भोपाल में मीडिया से चर्चा की और यू-टर्न ले लिया। शिवराज सरकार से नाराज दिखाई देने वाली उमा ने कहा- शिवराज जी ने शराब नीति में बदलाव का भरोसा दिया है। खुद सरकार गांधी जयंती पर प्रदेश में बढ़ रही शराब एवं नशे की लत के खिलाफ जागरूकता का कार्यक्रम करेगी।

गुजरात में अरविंद केजरीवाल पर फेंकी गई पानी की बोतल

'गरबा' में शामिल होने पहुंचे थे दिल्ली के मुख्यमंत्री

राजकोट, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात के राजकोट शहर में एक गरबा कार्यक्रम के दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर पानी की एक बोतल फेंकी गई। आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं ने रविवार को यह जानकारी दी। हालांकि, प्लास्टिक की यह बोतल केजरीवाल के सिर के ऊपर से निकल गयी। शनिवार रात नवरात्रि के एक गरबा कार्यक्रम के दौरान केजरीवाल जब लोगों का अभिवादन कर रहे थे, तभी पीछे से उनकी ओर किसी ने एक बोतल फेंक दी। इस मौके पर दिल्ली के मुख्यमंत्री के साथ सुरक्षा अधिकारी और पार्टी के वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे, जब वह भीड़ के बीच से गुजर रहे थे।

बोतल कुछ दूर से फेंकी गई थी

आम आदमी पार्टी (आप) के मीडिया संयोजक सुकनराज ने कहा, बोतल कुछ दूर से फेंकी गई थी। बोतल केजरीवाल के सिर के ऊपर से गुजरी। ऐसा लगता है कि बोतल केजरीवाल पर फेंकी गई थी, लेकिन हम निश्चित रूप से यह नहीं कह सकते कि यह क्या मामला था। इस संबंध में पुलिस से संपर्क करने की कोई आवश्यकता नहीं थी।

'गरबा कार्यक्रम' में हिस्सा लेने पहुंचे थे

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल तथा पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान शनिवार से ही गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर हैं। मान ने भी राजकोट के एक अन्य गरबा कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

गांधीधाम और जूनागढ़ में की रैली

दोनों मुख्यमंत्री शनिवार को कच्छ जिले के गांधीधाम और जूनागढ़ में रैली करने के बाद रात में राजकोट में रुके थे। वे रविवार को सुरेंद्रनगर शहर और साबरकांठा के खेड़ब्रह्मा शहर में दो रैली को संयुक्त रूप से संबोधित करेंगे।

सीएम बोम्मई ने किया कांग्रेस पर जोरदार हमला, कहा- पूरी पार्टी जमानत पर है बाहर

बेंगलुरु, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने गांधी जयंती के मौके पर कांग्रेस पर जोरदार हमला करते हुए कहा कि राहुल गांधी, सोनिया गांधी और डी। के। शिवकुमार सहित पूरी कांग्रेस पार्टी जमानत पर बाहर है। बोम्मई ने आरोप लगाया कि कर्नाटक राज्य कांग्रेस पार्टी के लिए एटीएम था, जो अब उसके हाथ से निकल गया है। उन्होंने कहा कि आज गांधी जयंती है, तो मैं नकली गांधी की बात क्यों करूं? हाल ही में कांग्रेस ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए पूरे राज्य में उनके खिलाफ एक पोस्टर अभियान चलाया था। इसके बाद मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई कांग्रेस पर हमला करने के लिए शायद इसी मौके की तलाश में थे। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा इस समय कर्नाटक में चल रही है। आज कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान गांधी जयंती के अवसर पर कर्नाटक के बदनवालु में खादी ग्रामोद्योग में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। भारत जोड़ो यात्रा पर इससे पहले मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में कहा था कि देश के लोग जानते हैं कि कौन देश को एकजुट करने की कोशिश कर रहा है और कौन इसे बांटने का प्रयास कर रहा है।

गौरतलब है कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो यात्रा कर्नाटक राज्य में प्रवेश कर चुकी है। उधर केपीसीसी अध्यक्ष डी। के। शिवकुमार के भारत जोड़ो यात्रा के पोस्टर को फाड़ने का आरोप लगाते हुए कहा था कि वह बीजेपी का एक भी पोस्टर नहीं लगने देंगे। इसके जवाब में मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा था कि शिवकुमार को कुछ भी कहने दें। लेकिन पोस्टर लगाने के लिए अनुमति लेनी होगी। भाजपा को किसी भी राजनीतिक दल के पोस्टर को फाड़ने की जरूरत नहीं है।

मुख्यमंत्री की तुलना भगवान जगन्नाथ से

ओडिशा के मंत्री के बयान से उपजा विवाद

भुवनेश्वर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। ओडिशा के एक मंत्री ने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की तुलना भगवान जगन्नाथ से करके विवाद खड़ा कर दिया है। राज्य के उद्योग मंत्री पीके देब के इस बयान के कारण पूरे प्रदेश में हंगामा मच गया है और विपक्षी दलों ने मंत्री से बिना शर्त माफी की मांग की है। पीके देब ने बीजू जनता दल की एक बैठक के दौरान शुक्रवार को कहा था कि ओडिशा अब नवीन पटनायक के नाम से जाना जाता है, पहले यह भगवान जगन्नाथ के लिए जाना जाता था।

मंत्री पीके देब ने कहा, ''एक समय था जब लोग भगवान जगन्नाथ के कारण ओडिशा को जानते थे। लेकिन अब यदि आप कहते हैं कि आप ओडिशा से आते हैं, तो पूरे भारत में लोग तुरंत राज्य को मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के स्थान के रूप में पहचान लेंगे।'' पीके देब की इस टिप्पणी की विभिन्न विपक्षी दलों और धार्मिक संगठनों ने कड़ी निंदा की है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, ''यह पूरी तरह से 'अहंकार' का मामला है, जब ओडिशा के मंत्री प्रताप केशरी देब कहते हैं कि पहले लोग ओडिशा को भगवान जगन्नाथ के नाम पर पहचानते थे। अब मुख्यमंत्री भगवान जगन्नाथ से अधिक प्रसिद्ध हो गए हैं। ओडिशा अब जगन्नाथ जी के नाम से नहीं बल्कि नवीन पटनायक के नाम से जाना जाता है।''

संबित पात्रा ने ट्वीट किया, ''यह 4.5 करोड़ ओड़िया और दुनिया भर के सभी हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंचाने जैसा है। हम सभी जानना चाहेंगे कि क्या मुख्यमंत्री भी देब के इस बयान से सहमत हैं? यदि नहीं तो क्या मुख्यमंत्री उक्त मंत्री को फटकार लगाएंगे?''

बीजेपी के राज्य महासचिव पृथ्वीराज हरिचंदन ने भी मंत्री के इस बयान की निंदा करते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी ''अज्ञान की पराकाष्ठा'' को दर्शाती है। उन्होंने कहा, ''बीजद ने अभिमान और अहंकार की सारी हदें पार कर दी हैं। उसने पार्टी नेताओं को भगवान श्री जगन्नाथ के विकल्प के रूप में देखना शुरू कर दिया है।''

ओडिशा प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष शरत पटनायक ने मंत्री की इस टिप्पणी को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है।

इस बीच, श्री जगन्नाथ सेना ने देब के इस बयान की आलोचना करते हुए पुरी में विरोध प्रदर्शन किया। पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर के एक वरिष्ठ सेवक बिनायक दशमोहपात्रा ने कहा कि मंत्री ने इसलिए ऐसी टिप्पणी की है क्योंकि बीजद सत्ता में ''अधिक समय से'' है। उन्होंने कहा, ''कोई भी किसी इंसान के साथ भगवान की तुलना करने की हिम्मत कैसे कर सकता है, भले ही वह मुख्यमंत्री क्यों न हो।''

केदारनाथ में हिमस्खलन के बाद भूकंप के झटकों से दहला उत्तराखंड

देहरादून, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। केदारनाथ में शनिवार को हिमस्खलन के बाद उत्तरकाशी में आज रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटकों से लोगों में दहशत का माहौल देखने को मिला। भूकंप के झटकों के बाद लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकलकर सुरक्षित जगह पर चले गए। हालांकि, राहत की बात है कि भूकंप की वजह से कोई नुकसान नहीं हुआ है। केदारनाथ के चौराबाड़ी क्षेत्र में हिमस्खलन (एवलांच) होने का क्रम जारी है। शनिवार को फिर हिमस्खलन हुआ। पिछले नौ दिनों के भीतर यह तीसरी घटना है। हालांकि हिमालयी क्षेत्र में इस तरह की घटनाओं को सामान्य बताया जा रहा है। केदारनाथ धाम में मंदिर परिसर से करीब पांच से सात किमी की दूरी पर चौराबाड़ी ग्लेशियर के टूटने की घटनाएं हो रही हैं। बीती 22 सितंबर को पहली घटना हुई। इस दृश्य को लोगों ने कैमरे में कैद किया। इसके बाद 26 सितंबर को केदारनाथ के इसी क्षेत्र में हिमस्खलन हुआ।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य- कन्या	में	कन्या..05-05	बजे
चंद्र- धनु	में	तुला- 07-09	बजे
मंगल वृष	में	वृश्चिक 09-20	बजे
बुध- कन्या	में	धनु--- 11-33	बजे
गुरु- मीन	में	मकर- 13-39	बजे
शुक्र- कन्या	में	कुंभ- 15-29	बजे
शनि- मकर	में	मीन... 17-08	बजे
राहु- मेष	में	मेष-- 18-44	बजे
केतु- तुला	में	वृष-- 20-28	बजे
		मिथुन..22-29	बजे
		कर्क... 00-41	बजे
		सिंह... 02-53	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतुशरद,दिशाशूल- पूर्व -कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी - **16-37** तक उपरान्त, नवमी
मास - आश्विन शुक्ल पक्ष ,सोमवार, **03 Oct**
नक्षत्र - पूर्वाषाढा- **00 -24** - रात तक,उपरान्त उत्तराषाढा
योग - शोभन - **14 - 20** - तक उप- अतिगण्ड
करण- बव - **16 -37** - तक,उप- बालव
विशेष:- सरस्वती पूजन
व्रत -त्योहार - दुर्गाष्टमी

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:37 से 09:06 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र बेगम बाजार हैद्रा.

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत.	06:10 - 07:37	शुभ	चंचल	18:02 - 19:33	शुभ
काल.	07:37 - 09:06	अशुभ	रोग	19:33 - 21:04	अशुभ
शुभ.	09:06 - 10:36	शुभ	काल	21:04 - 22:34	अशुभ
रोग.	10:36 - 12:05	अशुभ	लाभ	22:34 - 00:05	शुभ
उत्पात	12:05 - 13:34	अशुभ	उत्पात	00:05 - 01:36	अशुभ
चंचल	13:34 - 15:04	शुभ	शुभ	01:36 - 03:06	शुभ
लाभ	15:04 - 16:33	शुभ	अमृत.	03:06 - 04:37	शुभ
अमृत	16:33 - 18:00	शुभ	चंचल.	04:37 - 06:10	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): अगर आप बेरोजगार हैं, तो एक अवसर आज आपके दरवाजे पर अपनी दस्तक दे सकता है। दोनों हाथों से इसे ले। आपके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है। कृपया करके मुफ्त सलाह प्रदान करने वालो से दूर रहे ।आप नौकरी पाने के पश्चात अपनी ईमानदारी और समर्पण दिखाए।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज्ञाकारी होना अच्छा है, लेकिन दूसरों के मुताबिक कार्य करना सही नहीं है। आप और आपके विचार सब से अलग है ।आपको जो सही लगे वह करे और लोगो की बातो में आने से बचे ।आप अपने व्यय योजना में अपने खर्चो को कम करने की कोशिश कर रहे है ताकि सकारात्मक वित्तीय बदलाव आये।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): दिन विशेष रूप से उन लोगों के लिए अच्छा और सफलता से भरपूर है जो किसी भी तरह से शिक्षा या लेखन से जुड़े हैं। छात्रों,शोधकर्ताओं,पत्रकारों, लेखकों और शिक्षा से जुड़े अन्य पेशेवरों के लिए एक बहुत आनंदमयी एवं अच्छा दिन होने के संकेत है। आज का दिन लंबी अवधि की योजनाओं में निवेश करने के लिए उपयुक्त है।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आज के दिन आपको अपनी आर्थिक समस्याओ से निजात पाने के लिए एक व्यवहार्य समाधान मिल सकता है और उसे लागू करने के लिए उचित दिशा में आप पहला कदम उठायेंगे। पिछले कुछ समय से धन की समस्याओं ने आप की नाक में दम किया हुए था परन्तु अब आप काफी हद तक इस पर काबू पा पाएंगे

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यह समय अपने कार्य क्षेत्र को दिशा या बदलाव देने का उचित समय है ।कुछ समय से आप अस्थिरता को महसूस कर रहे है ।नए और जोश भर देने वाले अवसर आज आपके सामने आ सकते है और आपको आशावादी रहकर उन्हें पकड़ना है। यह आपके कार्य क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में मदद करेगा।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आपको आज आपके कार्य क्षेत्र में एक मूल्यवान सुझाव किसी निकट व्यक्ति जो आपके हृदय के पास हो से मिल सकता है। अगर आप उसकी बात को ध्यानपूर्वक सुनेंगे तो आगे जाकर आपके भविष्य में अनुकूल प्रभाव पड़ सकता है। आपको उड़ती हुई धुंध को हटाना है और गंभीरता से भले और बुरे के बारे में सोचना है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कार्यालय के लंबित काम आज आपको तनाव दे सकते हैं। आज आपको देर तक कार्यालय में काम करना पड़ सकता है। ये मुश्किल समय भी थोड़े समय के लिए है। पिछले सप्ताह की आपकी बोरियत और आलस्य आप पर आज नकारात्मक प्रभाव डालेगा ।आप आज दूसरों के साथ सौम्य और विनम्र रहे।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): आज काफी सारी बाते आपके ध्यान देने योग्य होगी जिससे आप का सब पर ध्यान लगाना मुश्किल होगा। ज्यादा तनाव न पाले ।बैठ कर शांति से निर्णय के बारे में सोचे और उसके अनुसार कार्य करे ।आज आप एक पुराने दोस्त से मिल सकते है। कोई जानकर आपके सामने एक दिलचस्प प्रस्ताव रख सकता है।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आज आपको नौकरी की संभावनाओं के बारे में कुछ अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है।आपको अपनी पसंद की कंपनियों में एक साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है। आज उभरते हुए लेखकों के लिए यह एक महान दिन हो सकता है क्यों की आपके लेख या आपकी पुस्तक प्रसिद्ध प्रकाशक के द्वारा प्रकाशित हो सकती है।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): आज आपको कुछ छुपे हुए शत्रु से सावधान रहने की जरुरत है ।यह व्यक्ति आपके साथ मित्रतापूर्ण भाव से आपके साथ काम कर रहा है पर जैसे की इतिहास अपने आप को दोहराता है यह व्यक्ति प्रतिकार कर सकता है या इसके विचार आपसे भिन्न हो सकते है ।आज आपके लिए ये अछा होगा की आप अपने सारे कार्यो का निष्पादन सही समय पर कर ले।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आज अपने कार्य से संबंधित कारणों से अपने निवास स्थान में परिवर्तन की सम्भावना है ।आपको पदोन्नत किया जा सकता है और एक अलग क्षेत्र के लिए स्थानांतरित किया जा सकता है या आप कोई दूसरी नौकरी को ग्रहण कर सकते है ।आप एक पेशेवर सलाहकार या अपने किसी करीबी से आज कैरियर से संबंधित सलाह ले सकते हैं।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आप आज ऊर्जा से भरे हैं,आपके आकर्षण और कुशलता से आज घरऑफिस में सब प्रभावित होंगे ।अपने दोस्तों या किसी ख़ास के साथ बाहर घुमने जाकर मजे करें ।दिन शांत और तनावरहित रहेगा। आज अच्छा वित्तीय लाभ होने की सम्भावना तो बनी हुई है,लेकिन अपने खरीदारी के खर्चो पर भी नजर रखें।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

तीन युवकों ने छेड़छाड़ के बाद नाबालिग को मार डाला

बड़ी बहन ने पुलिस में कराई एफआईआर

गुरुग्राम, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुरुग्राम के सेक्टर-22ए के एक मकान में काम कर रही नाबालिग युवती की छेड़छाड़ के बाद हत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक युवती ने अपनी बहन को आरोपियों द्वारा घर में काम करने के दौरान उसपर गलत नजर रखने की शिकायत भी की थी। पुलिस ने मृतका की बड़ी बहन की शिकायत पर शुक्रवार को पालम विहार थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतका की बहन मोहिनी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह सेक्टर-22ए के मकान नंबर 578 में काम करने के लिए जाती थी। वहां तीन युवक रहते हैं। गर्भवती होने पर वह अपनी जगह बहन अभिलाषा को काम करने के लिए भेजती थी और बीते 15 दिनों से वह काम करने के लिए जा रही थी। उसने बताया कि उनकी बहन ने बताया था कि मकान में रहने वाले तीन युवक उसको गलत नजरों से देखते हैं और उसको काम करने में डर लगता है।

ऐसे में वह उन तीनों से बात करने के लिए गई थी, तब तीनों ने माफी मांगी थी और उसके बाद सब सही था। 29 सितंबर को उनको पता चला कि मकान में उनकी बहन की मौत हो गई है और उनको बाद में आरोपी युवकों ने बताया कि करंट लगने से मौत हुई है। उसने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उसकी बहन के साथ छेड़छाड़ कर गलत हरकत की होगी और अपनी गलती छिपाने के लिए बहन की हत्या कर दी है। जांच अधिकारी ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी है। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। परिजनों को शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया है। परिजनों का कहना है कि पुलिस मामले में निष्पक्ष जांच करे।

लॉकडाउन में मदद करने वाले का कर्ज चुकाने बन गए चोर

भोपाल-इंदौर से एक साल में 37 वाहन चुराए

भोपाल, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल में अशोक गार्डन पुलिस ने दो वाहन चोर को गिरफ्तार कर उनके पास से 37 चोरी के वाहन बरामद किए है। इनकी कीमत करीब 30 लाख रुपए है। इसके साथ ही तीन खरीदारों को भी आरोपी बनाया है। पकड़े गए आरोपी में एक ने लॉकडाउन में मदद करने वाले का कर्ज चुकाने के लिए अपने एक साथी के साथ चोरी शुरू की थी। आरोपियों की पहचान हरदा निवासी अमित राठौर और चांदबड़ निवासी धर्मेंद्र सिंह के रूप में हुई है। डीसीपी साईं कृष्णा के अनुसार वाहन चैकिंग के दौरान अशोका गार्डन पुलिस को दो संदिग्ध पकड़ में आए। व्हीकल डिटेक्शन पोर्टल से पता चला कि उनके पास चोरी की बाइक है। इसके बाद पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इसमें पता चला कि उन्होंने अशोका गार्ड थाना क्षेत्र से ही 10 वाहन चुराए है। उन्होंने पिछले एक साल में 37 वाहन भोपाल और इंदौर से चुराने की बात कबूल की। आरोपी ने चोरी के वाहन अपने परिचित दीपक रघुवंशी, किशन सेन, और दिनेश चौरिया को बेचने की बात कबूल की। पुलिस ने तीनों आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार एक आरोपी धर्मेंद्र इंदौर में ढाबा चलाता था। उसके ढाबे पर पर अमित और किशन दोनों कर्मचारी थे। लॉकडान के दौरा जब ढाबा बंद था तो धर्मेंद ने दोनों की आर्थिक रूप से मदद की थी, जिससे वह कर्ज में डूब गया और ढाबा भी बंद हो गया। उसकी मदद करने के लिए अमित और किशन ने वाहन चोरियां शुरू कर दी। वह वाहन चोरी के बाद उसे बेच कर कुछ हिस्सा अपने पास रखकर बाकी धर्मेंद्र को भेज देते थे।

कस्टम विभाग की बड़ी कार्रवाई, एयरपोर्ट से पकड़ी 34 करोड़ रुपये की हेरोइन

मुंबई, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई एयरपोर्ट के कस्टम विभाग ने 5 किलो हेरोइन के साथ एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई हेरोइन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 34 करोड़ रुपये बताई जा रही है। मुंबई पुलिस गिरफ्त में आए शख्स से पूछताछ कर रही है। मुंबई के छत्रपति

शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अगस्त माह में पुलिस ने एक विदेशी महिला को गिरफ्तार किया था। उसके पास से कस्टम अधिकारियों ने 5 करोड़ रुपए के मूल्य की ड्रग्स बरामद की थी। 50 साल की महिला से 500 ग्राम कोकीन जब्त की गई। उसी दौरान डीआरआई की मुंबई की टीम ने सोना स्मगलिंग के मामले में पांच आरोपियों को पकड़ा था।

नवी मुंबई में हुआ बड़ा हादसा

बहुमंजिला इमारत ढही; एक की मौत

मुंबई, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नवी मुंबई के कोपर खैराने इलाके के बोनकोडे गांव में बीती रात करीब साढ़े दस बजे एक बहुमंजिला इमारत ढह गई। वहां ठहरे करीब 32 लोग ढहने से पहले बाहर आ गए थे। बाकी 8 लोग इमारत से बाहर आ रहे थे तभी इमारत ढह गई। एक आवासीय इमारत का एक हिस्सा गिरने से 31 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने रविवार को इसकी जानकारी दी।

करीब 25 साल पुरानी थी बिल्डिंग

नवी मुंबई नगर निगम के संभागीय अग्निशमन अधिकारी पुरुषोत्तम जाधव के मुताबिक, यह घटना शनिवार को मध्यरात्रि के आसपास कोपरखैरने क्षेत्र के बोनकोडे इलाके में हुई। बहुमंजिला इस इमारत में कुल 20 फ्लैट हैं। पुरुषोत्तम जाधव ने बताया कि करीब 25 साल पुरानी 'वैष्णवी अपार्टमेंट' नामक इमारत का एक हिस्सा ढह गया। रविवार को सुबह मलबा हटाने के दौरान प्रियवर्त सर्वेश्वर दत्त नाम के एक व्यक्ति का शव मिला।

मलबा हटाने का काम अभी भी जारी

उन्होंने कहा कि यह पता नहीं चल पाया है कि बिल्डिंग में कितने लोग रह रहे थे और क्या कोई अन्य व्यक्ति अभी भी मलबे में फंसा है। इस संबंध में सूचना मिलने के बाद स्थानीय दमकलकर्मी और आपदा प्रबंधन दल के सदस्य मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। अधिकारी ने बताया कि मलबा हटाने का काम अभी भी जारी है।

आए दिन आती रहती है ऐसी खबरें

मुंबई महानगर में इमारतों के गिरने की घटनाएं लगातार सामने आती रहती हैं। इसकी कई वजहें बताई जाती हैं। बृहन्मुंबई महानगर निगम (बीएमसी) नियमों के तहत लगातार जर्जर हो चुकी इमारतों को खाली करने और गिराने के लिए नोटिस जारी करता रहता है। लेकिन इसके बावजूद कुछ लोग नियमों की अनदेखी कर जान जोखिम में डालते रहते हैं। हालांकि बीएमसी इनके खिलाफ एक्शन भी लेती रहती है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 3 अक्टूबर, 2022

रेपो रेट में बढ़ोतरी

भारतीय रिजर्व बैंक ने एक बार फिर रेपो दर में पचास आधार अंक की बढ़ोतरी की है। चालू वित्त वर्ष में यह बढ़ोतरी चौथी बार की गई है। मई से चालू हुई यह बढ़ोतरी अब तक 1.90 फीसद की हो चुकी है। इस बढ़ोतरी के साथ अब रेपो रेट 5.90 फीसद हो गई है। लघु बचत करने वालों के लिए तो यह कुछ राहत का फैसला साबित हो सकता है, लेकिन जो लोग कारोबार के लिए कर्ज दार बने हैं और जो मकान, वाहन या कोई टिकाऊ सामान खरीदते हैं, उनके ऊपर किस्तों का बोझ जरूर और बढ़ जाएगा। बढ़ रही महंगाई को देखते हुए रेपो रेट में बढ़ोतरी के अनुमान पहले से ही लगाए जा रहे थे। बता दें कि रेपो रेट ब्याज की वह दर होती है, जिस पर रिजर्व बैंक दूसरे बैंकों को कर्ज देता है। जाहिर है कर्ज लेने वाले बैंक अपने ग्राहकों को इससे अधिक दर पर कर्ज देंगे। बता दें कि पिछले कुछ महीनों से महंगाई को जैसे पंख लग गए हों। डालर के मुकाबले रुपए की कीमत औंधे मुंह गिरा है। इसके अलावा लगातार व्यापार घाटा भी बढ़ रहा है। नतीजतन चालू खाता घाटे पर काबू पाना काफी मुश्किल हो हुआ है। इससे पार पाने का सबसे आसान तरीका रेपो रेट में बढ़ोतरी ही माना जाता है। पिछले दिनों रेपो दरों में बढ़ोतरी से महंगाई के रुख में मामूली उतार का रुख नजर आया था। लेकिन रिजर्व बैंक खुद इस उपाय को कारगर नहीं मानता। एक दिन पहले ही चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में चालू खाते में चिंताजनक बढ़ोतरी के आंकड़े सामने आए। पिछले वित्त वर्ष की तुलना में यह घाटा कुल जीडीपी के 1.5 फीसद की तुलना में 2.8 फीसद दर्ज हुआ है। व्यापार घाटे हो ही इसकी वजह बताया जा रहा है। यानी निर्यात में कमी और डालर के मुकाबले रुपए की गिरती कीमत इसकी बड़ी वजह मानी गई है। महंगाई पर नियंत्रण के लिए सरकार ने अपने खर्चों में कुछ कटौती शुरू की है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की घटती कीमतों के बावजूद घरेलू बाजार में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया जा रहा है। सवाल है कि इसके बाद भी घाटा काबू में क्यों नहीं आ रहा है? जाहिर है कि आर्थिक विकास दर की हालत बेहद चिंताजनक बन चुकी है। एक तो अपेक्षा के अनुरूप निवेश की कमी साफ दिखाई दे रही है तो दूसरी ओर उद्योग जगत का जीडीपी में योगदान काफी नीचे चला गया है। ऐसे में रोजगार के नए अवसर सृजित करना और बाजार में पूंजी का प्रवाह बढ़ाना सरकार के लिए मुश्किल हो चुका है। ऊपर से विदेशी मुद्रा भंडार भी लगातार छीज रहा है। इसलिए रेपो रेट बढ़ाना मजबूरी हो गया था। अब इसका कितना और क्या लाभ मिलेगा यह दावा करना मुश्किल है। इसके बाद भी सरकारी दावा है कि निर्यात में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। अगर इस दावे में दम है, तो व्यापार घाटा इतना क्यों बढ़ रहा है। इसके अलावा निवेश आकर्षित करने में मुश्किलें क्यों आ रही हैं? कुछ दिनों पहले ही वित्तमंत्री को घोषणा करनी पड़ी कि घरेलू निवेश में उत्साह दिखाई नहीं दे रहा, उद्योग जगत अपनी परेशानियां बताए, तो सरकार उन्हें दूर करने का प्रयास करेगी। इसके बाद भी मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं हैं। व्यापार घाटा बढ़ने, तेल की कीमतों को संतुलित करने में सफलता न मिल पाने, उद्योग जगत का प्रदर्शन उत्साहजनक न होने और उत्पादन लागत बढ़ने से न तो महंगाई पर अंकुश लगाने में मदद मिल पा रही है और न रोजगार के नए अवसर पैदा करने में। हालात यहां तक पहुंच गए हैं कि सूचना तकनीक से जुड़ी कंपनियां भी अब किसी न किसी बहाने छंटनी का रास्ता अख्तियार करती देखी जा रही हैं। साफ है कि बाहर के बाजार में उन्हें भी काम नहीं मिल पा रहा। ऐसे में वैकल्पिक उपायों से अर्थव्यवस्था को संभालने के बजाय समग्र रूप से रणनीति बनाने पर जोर दिया जाए तो बात बने।

पीएफआई के नेटवर्क को ध्वस्त करना होगा

मुनीष त्रिपाठी

जैसे की अपेक्षित था टेरर फंडिंग मामले की जांच का सामना कर रहे पीएफआई यानी पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया पर बैन लगा दिया गया है। दिल्ली-यूपी से लेकर देश के अलग-अलग ठिकानों पर ताबड़तोड़ एक्शन के बाद केंद्र सरकार ने इस संगठन को गैरकानूनी घोषित कर दिया है। सरकार द्वारा जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक पीएफआई पर पांच साल का बैन लगाया गया है। इतना ही नहीं पीएफआई के अलावा उससे जुड़े अन्य आठ संगठनों पर भी बैन लगाया गया है। टेरर लिंक के आरोप में देश के कई राज्यों में पीएफआई पर लगातार छापेमारी के बाद केंद्र सरकार ने यह एक्शन लिया है।

भले ही पीएफआई पर प्रतिबंध लगा दिया गया हो परन्तु इसका नेटवर्क ग्लोबल हो चुका है। यह संगठन पैन इस्लामिक मूवमेंट के तहत भारत में इस्लामिक राष्ट्र बनाने को लेकर काम कर रहा था। बिहार से उसके पकड़े एक मॉड्यूल के पास से जो दस्तावेज प्राप्त हुए थे उसमें 2047 तक भारत मे शरीयत शासन का टारगेट रखा गया था। पीएफआई ने कुछ ही सालों के भीतर भारत ही बल्कि दुनिया के कई कट्टर इस्लामिक संगठनों से बेहतर तालमेल और समन्वय बना लिया है। खुफिया एजेंसियों के अनुसार तुर्की में तो इसका न केवल मजबूत नेटवर्क है बल्कि व्यवस्थित कार्यालय भी है। वहां की सरकार भी भारत विरोधी है और कट्टर इस्लाम के विस्तार के लिये ग्लोबल कार्य कर रही है। मिस्र के मुस्लिम ब्रदरहुड, आईएसआईएस जैसे कट्टरपंथी संगठनों से सीधा तालमेल पीएफआई का है। इसके अलावा बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान के कट्टरपंथी संगठनों से तो पीएफआई का खुलकर नाता है। जांच एजेंसियों की ओर से टेरर लिंक के पुख्ता सबूत मिलने के बाद ही गृह मंत्रालय ने यह कार्रवाई की है। गृह मंत्रालय के मुताबिक, पीएफआई और उससे जुड़े सभी सहयोगी संगठनों पर पांच साल के लिए त्वरित प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है। बताया जा रहा है कि प्रतिबंधित संगठन सिमी और बांग्लादेश के जेएमबी से पीएफआई के स्पष्ट लिंक मिले थे जिसके बाद ही यह कार्रवाई हुई है। भारत सरकार को पीएफआई पर कार्यवाई करने के लिए काफी मशक्कत और धैर्य धारण करना पड़ा। क्योकि पीएफआई से जुड़े लोग उच्च शिक्षित और शातिर है जो कानून की पेचदिगियों का दुरुपयोग कर भारत के खिलाफ दुष्चक्र रच रहे है।

केंद्र सरकार द्वारा जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, पीएफआई के अन्य फ्रंटल संगठनों राजनीतिक शाखा एसडीपीआई के अलावा अन्य 8 सहयोगी संगठनों पर भी कार्रवाई की गई है। पीएफआई के अलावा रिहैब इंडिया फाउंडेशन, कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया, ऑल इंडिया इमाम काउंसिल, नेशनल कॉन्फेडरेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइजेशन, नेशनल वीमेन फ्रंट, जूनियर फ्रंट, एम्पावर इंडिया फाउंडेशन और रिहैब फाउंडेशन जैसे सहयोगी संगठनों पर भी बैन लगाया गया है। केंद्र सरकार ने ऐसे वक्त में यह फैसला लिया है जब कुछ दिन पहले ही एनआईए-ईडी ने मिलकर देश के अलग-अलग राज्यों में पीएफआई के ठिकानों पर छापेमारी की थी और उसके 200 से अधिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया था। एनआआई ने पहला छापा 22 सितंबर को मारा था, जहां 11 राज्यों में करीब 96 जगह छापेमारी के दौरान 100 से अधिक वर्कर्स अरेस्ट किए गए थे।

सैनिटरी पैड की मांग पर क्यों भडक गई आईएएस

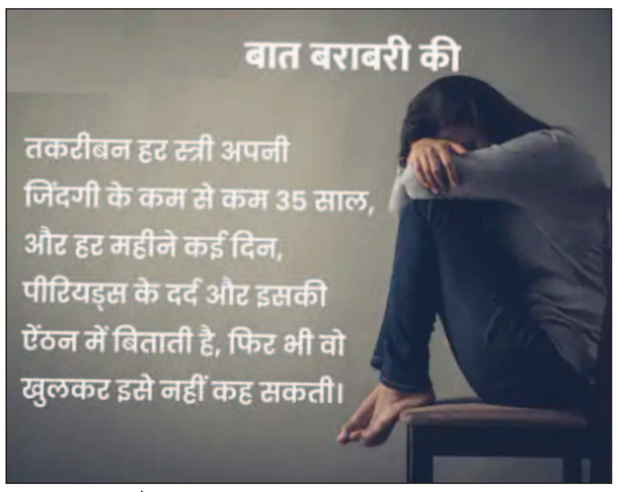

बात बहुत पुरानी यानी 1958 की है, अमेरिकी शहर बाल्टिमोर तब मेडिसिन की दुनिया में लगातार शोध कर रहा था। इसी कड़ी में एक बड़ी रिसर्च आई, जिसे नाम मिला बाल्टिमोर लॉन्गिट्यूडिनल स्टडी ऑफ एजिंग। वैज्ञानिक देखना चाहते थे कि उम्र बढ़ने पर इंसानी शरीर में क्या बदलाव, या कैसी बीमारियां होती हैं। रिसर्च बड़ी थी, लिहाजा दुनिया के बहुत से देशों से 22 हजार से भी ज्यादा लोग इसमें शामिल हुए। लोग यानी पुरुष! महिलाएं इससे गायब थीं। ऐसा लगातार 20 साल तक चला। पुरुष वैज्ञानिकों के जहन में एक बार भी ये बात नहीं आई कि स्त्रियां भी इंसान हैं, जो बूढ़ी भी होती हैं। स्त्रियों, तिसपर झड़ते दांत और सफेद बाल-वालियों की सेहत में किसी की दिलचस्पी ही नहीं थी।

अस्सी के दशक में नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ और रॉकफेलर यूनिवर्सिटी ने मिलकर एक पायलट प्रोजेक्ट किया ताकि समझ सकें कि मोटापा किस तरह ब्रेस्ट और यूट्रस कैंसर का खतरा बढ़ाता है। स्टडी में 8,341 पुरुष शामिल हुए। केवल पुरुष। वे जिनके शरीर में यूट्रस नहीं होता- और, जिन्हें ब्रेस्ट कैंसर का खतरा भी औरतों की बनिस्बत बहुत कम होता है। लगभग 3 सौ पन्नों की किताब 'डूइंग हार्म' में लेखिका माया डसेन्बरी मेडिकल साइंस की बराबरी वाली दुनिया का चमकीला कवर उधेड़कर दिखाती हैं कि भीतर कितनी गंदगी और गैर-बराबरी है। हाल तक महिलाओं को किसी भी क्लिनिकल ट्रायल से अलग रखा गया, ये कहते हुए कि इससे बच्चे पैदा करने की उनकी क्षमता पर असर होगा। वे चाहते थे कि बीमारियों या दर्द से औरतें भले खत्म हो जाएं, लेकिन बच्चे, और वो भी नर संतान एकदम सेहतमंद रहनी चाहिए। इसके लिए दुनिया-जहान के बहाने बनाए गए।

औरतों को ये कहते हुए दवाओं और दूसरी रिसर्च से दूर कर दिया गया कि उनका नाजुक शरीर और कमजोर दिमाग इसे सह नहीं पाएगा। आखिरकार साल 1993 में एफडीए ने पक्का किया कि क्लिनिकल ट्रायल में महिलाओं को भी शामिल किया जाए, तब तक अमेरिका और यूरोप में करोड़ों महिलाएं पुरुषों वाली दवाएं खाकर नई बीमारियों की गिरफ्त में थीं।

मेडिकल साइंस का ये भेदभाव रिसर्च या दवाओं तक सीमित नहीं, पूरी की पूरी सेहत पर इसका असर दिखता है। मिसाल के तौर पर पीरियड्स को ही लें। तकरीबन हर स्त्री अपनी जिंदगी के कम से कम 35 साल, और हर महीने कई दिन, इसके दर्द, इसकी ऐंठन में बिताती है, लेकिन मजाल है, जो खुलकर कह सके। पुराने अखबार और काली पॉलिथिन में लपेटकर उनकी जिंदगी के इस कुदरती दर्द को शर्मनाक बना दिया गया। अब भी इसपर लगातार नई-नई परतें चढ़ रही हैं।

हाल में पटना में स्कूली बच्चियों ने जब सैनिटरी पैड को कम कीमत पर देने की मांग की, तो एक महिला आईएएस ने जवाब दिया- 'आज पैड मांग रही हो। कल जींस मांगोगी, फिर सुंदर जूते। और फिर फैमिली प्लानिंग के साधन!' वीडियो वायरल होने के बाद अधिकारी ने हालांकि माफी मांग ली, लेकिन सवाल तब भी बना हुआ है। क्या सस्ता सैनिटरी पैड मांगना महंगे कपड़े या डिजाइनर जूते मांगने जैसा ही है!

या फिर ये कुछ ऐसा है कि हुक्का पीने के शौकीन तंबाखू की कीमत घटाने के लिए सड़क पर लोट जाएं कि साहेब, दाम नहीं गिराए तो जान निकल जाएगी! अमेरिकी फेमिनिस्ट ग्लोरिया स्टेनम ने अस्सी की शुरुआत में कल्पना की थी कि अगर पुरुषों को पीरियड्स होते तो क्या होता। तब पैड मुफ्त मिला करते। दर्द से कराहते पुरुष को गर्म सिंकाई और नर्म बिस्तर वैसे ही मिलता, जैसे अस्पताल के किसी मरीज को। दफ्तरों में एक फोन पर 2 दिन की छुट्टी मिला करती। और भी कई बातें होतीं, लड़कियां जिनके सिर्फ सपने ही देख सकती हैं। लेकिन, पुरुष चूंकि पीरियड्स से नहीं गुजरते, लिहाजा औरतों का दर्द और जरूरत नखरा बनकर रह गए। इसके साथ ही शुरू हुई पीरियड पावर्टी।

इसमें पैड्स की तुलना लिपस्टिक-पाउडर से होने लगी- मॉर्डन लड़कियों का गैरजरूरी खर्च। तो जैसे ही घर का बजट गड़बड़ाए, फटाफट पैड्स पर लगाम कस दो। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के साल 2016 के डेटा के मुताबिक पीरियड्स से गुजर रही केवल 36 प्रतिशत महिलाओं के पास ही सैनिटरी पैड की 'लग्जरी' है।

बाकी, पुरानी सूती साड़ियों, या फटी चादरों से काम चलाती हैं। बता दें कि कुछ सालों पहले तक पैड्स पर जीएसटी लगती थी, जबकि कंडोम टैक्स-फ्री की श्रेणी में आता था। जुलाई 2018 में इसपर से टैक्स तो हटा, लेकिन सोच पर पड़ा काला परदा नहीं हट सका। पुरुषवादी सोच! वो सोच, जो पुरुषों ही नहीं, महिलाओं में भी मिल जाएगी।

और मिले भी क्यों नहीं! हवा में ऑक्सीजन भले कम पड़ जाए, लेकिन जेहनियत में गैर-बराबरी भरपूर मिलेगी।

कितनी हिम्मत लगी होगी, चौदह-पंद्रह साल की बच्ची को, संकोच छोड़कर पैड कह सकने में। जिस शब्द को राशन की लिस्ट में सबसे छोटे अक्षरों में छिपाकर लिखा जाता है, उसे कैमरे के सामने बोल सकने में। होना तो ये चाहिए था, कि उसकी हिम्मत पर पहले तालियां बजतीं। फिर देखा जाता कि बिहार सरकार की किशोरी स्वास्थ्य योजना, जिसमें सैनिटरी पैड मुफ्त देने का वादा है, वो कहां छूटी हुई है। लेकिन हुआ उलट। पैड की तुलना महंगे कपड़ों-जूतों और कंडोम से कर दी गई।

दो रोज बाद देश का बड़ा हिस्सा नन्ही बच्चियों के आलता-लगे पांव पूज रहा होगा। क्या ही सुंदर हो, अगर पूजने-पुजाने की बजाए उन्हें हाड़-मज्जा का इंसान माना जाए। पुरुष-जितना ही इंसान। न दाएं कम, न बाएं ज्यादा। बस, बराबरी का।

ये क्षण महात्मा गांधी के साहस की पुनर्स्थापना के हैं!

श्रवण गर्ग

महात्मा गांधी का विचार और उनकी ज़रूरत वर्तमान की विभाजनकारी राजनीति के लिए चरखे के बजाय मशीनी खादी से बुनी गई ऐसी नक़ाब हो गई है जिसके पीछे उनकी सहिष्णुता, अहिंसा और लोकतंत्र का मज़ाक़ उड़ाने वाले क्रूर और हिंसक चेहरे छुपे हुए हैं। ये चेहरे गांधी विचार की ज़रा-सी आहट को भी किसी महामारी की दस्तक की तरह देखते हैं और अपने अनुयायियों को उसके प्रतिरोध के लिए तैयार करने में जुट जाते हैं। यही कारण है कि ग्वालियर में हत्यारे नाथूराम गोडसे की प्रतिमा की बिना किसी विरोध के प्राण-प्रतिष्ठा हो जाती है और अलीगढ़ में राष्ट्रपिता के पुतले पर सार्वजनिक रूप से गोलियाँ चलाकर तीस जनवरी 1948 की घटना का गर्व के साथ मंचन कर दिया जाता है। दक्षिण अफ्रीका की 7 जून 1893 की घटना की तरह अगर आज की तारीख़ में कोई सवर्ण किसी मोहनदास करमचंद गांधी को ट्रेन से उतारकर प्लेटफ़ार्म पर पटक दे तो कितने लोग उनकी मदद के लिए आगे आने की हिम्मत करेंगे दावे के साथ नहीं कहा जा सकता। विदेशों में बसने वाले भारतीय या एशियाई मूल के नागरिक आए-दिन अपने ऊपर होने वाले नस्लीय हमले चुपचाप सहते रहते हैं जिनमें लूट और हत्याएँ भी शामिल होती हैं। इन हमलों के ख़िलाफ़ कहीं कोई छटपटाहट नहीं नज़र आती। अलग-अलग दलों और धड़ों में बँटा देश का राजनीतिक नेतृत्व गांधी और उनके विचारों को काफ़ी पीछे छोड़ चुका है। उसके लिए ज़रूरत सिर्फ़ गांधी के आश्रमों (सेवाग्राम और साबरमती) के आधुनिकीकरण या उन्हें भी 'सेंट्रल विस्टा' जैसा ही कुछ बनाने की बची है। गांधी के अहिंसक 'डांडी मार्च' को हिंसक 'डंडा मार्च' में बदल दिया गया है। अमेरिका और योरप स्थित तमाम अंतर्राष्ट्रीय संस्थान मानवाधिकारों, धार्मिक सहिष्णुता, नागरिक-स्वतंत्रता, मीडिया की आज़ादी और लोकतंत्र आदि विषयों को लेकर दुनिया भर के देशों की जो प्रावीण्य सूची(ग्लोबल इंडेक्स) हर साल जारी करते हैं उसमें कई क्षेत्रों में भारत का स्थान लगातार नीचे जा रहा है पर नेतृत्वकर्ताओं को महात्मा गांधी के विचार से ज़्यादा भरोसा अपने प्रतिबद्ध मतदाताओं की ताक़त पर है। एक राष्ट्र के रूप में नागरिकों को जिस तरह के संवेदनाशून्य रोबोटों में ढाला और प्रशिक्षित किया रहा है, उनके कदमों में जिस तरह की तेज़ी और स्वरों में जैसी तीक्ष्णता लाई जा रही है, भविष्य की सम्भावनाओं को लेकर ख़ौफ़ उत्पन्न करती है। अपने एक आलेख में मैंने एक डरे हुए राष्ट्र के नागरिकों जैसी मानसिकता का ज़िक्र करते हुए उल्लेख किया था कि हम अपनी इस शर्म को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने में संकोच कर रहे हैं कि एक विचार के रूप में गांधी की ज़रूरत हमें नहीं बची है। हमारे शिखर पुरुषों ने नागरिकों को स्वतंत्रता संग्राम के नए नायक और स्व-रचित इतिहास के पन्ने सौंप दिए हैं। जासूसी के आयातित उपकरणों के मार्फ़त नागरिकों पर नज़र भी रखी जा रही है कि वे क्या पढ़, सुन और बोल रहे हैं। किसी समय अपनी कमाई से घर चलाने वाले पिता को जैसे उनके सेवा-निवृत होते ही पहले ड्रॉइंग रूम से हटा कर पीछे के किसी कमरे और फिर वृद्धाश्रम में स्थानांतरित कर दिया जाता है वैसे ही राष्ट्र के विकास की अंतर्राष्ट्रीय उड़ान के लिए गांधी को भी एक ग़ैर-ज़रूरी सामान या 'एक्सेस बैगेज' साबित किया जा रहा है। इस काम की शुरुआत आज़ादी के सूर्योदय के पहले ही तब हो गई थी जब नवम्बर 1946 में गांधी को साम्प्रदायिक दंगों की आग में झुलस रहे अविभाजित बंगाल के एक हिस्से नोआख़ली की यात्रा पर जाना पड़ा था। गांधी को कोई चार महीने वहाँ रहना पड़ा था और इसी बीच दिल्ली में राष्ट्र के विभाजन की कार्रवाई पूरी कर ली गई। धर्म को पहले राष्ट्र के विभाजन का हथियार बनाया गया था और अब उसका इस्तेमाल नागरिक-समाज को बाँटने के लिए किया जा रहा है।

गांधी के होने की ज़रूरत अब इसलिए बढ़ती जाएगी कि हिंसा के इस्तेमाल को सत्ता की प्राप्ति और सत्ता में बने रहने का आज़माया हुआ हथियार स्थापित कर दिया गया है। पिछले साल अमेरिका में इसका प्रयोग हुआ था। अब ब्राज़ील में होने जा रहा है। दक्षिण अमेरिका, यूरोप और एशिया के कई देश क़तार में हैं। वीरों का नया आभूषण अहिंसा के स्थान पर हिंसा बन गया है। अहिंसा के प्रति सैद्धांतिक रूप से प्रतिबद्ध निहत्थे नागरिक राज्य की संगठित हिंसा का मुक़ाबला सिर्फ़ गांधी के हथियार से कर पाने में ही सक्षम हो सकेंगे। सत्ताओं की राजनीतिक ज़रूरत के लिए विभाजन की नई विभीषिकाओं को जन्म दिए जाने की आशंकाओं के बीच हो रही साहसिक 'भारत जोड़ो यात्रा' को इन उम्मीदों के साथ नहीं देखा जा रहा है कि राहुल गांधी आज के समय के महात्मा गांधी हैं और उनके द्वारा धारण किए जाने वाले महँगे टी-शर्ट में भी लोगों को हाथ से कते सूत से बुनी बापू की धोती के दर्शन हो रहे हैं बल्कि इसलिए कि युवा नेता के स्वागत के लिए सड़कों पर उमड़ती भीड़ विभाजनकारी ताक़तों के ख़िलाफ़ अहिंसा को हथियार बनाकर खड़े होने के महात्मा गांधी के साहस की पुनर्स्थापना कर रही है।

http://shravan-garg1717.blogspot.com

कांग्रेस: फिर चक्का जाम

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

मल्लिकार्जुन खड़गे अब कांग्रेस के अध्यक्ष बनेंगे, यह तो तय ही है। यदि अशोक गहलोत बन जाते तो कुछ कहा नहीं जा सकता था कि कांग्रेस का क्या होता? गहलोत को राजस्थान के कांग्रेस विधायकों के प्रचंड समर्थन ने महानायक का रूप दे दिया था लेकिन गहलोत भी गजब के चतुर नेता हैं, जिन्होंने दिल्ली आकर सोनिया गांधी का गुस्सा ठंडा कर दिया। उन्हें अध्यक्ष की खाई में कूदने से तो मुक्ति मिली ही, उनका मुख्यमंत्री पद अभी तक तो बरकरार ही लग रहा है। अध्यक्ष बनने के बाद खड़गे की भी हिम्मत नहीं पड़ेगी कि वे गहलोत पर हाथ डालें। गहलोत और कांग्रेस के कई असंतुष्ट नेता भी उम्मीदवारी का फार्म भरनेवाले खड़गे के साथ-साथ पहुंच गए। यानी समस्त संतुष्ट और असंतुष्ट नेताओं ने अपनी स्वामिभक्ति प्रदर्शित करने में कोई संकोच नहीं किया। यह ठीक है कि शशि थरूर और त्रिपाठी ने भी अध्यक्ष के चुनाव का फार्म भरा है लेकिन सबको पता है कि इनकी हालत वही होगी जो, 2000 में जितेंद्र प्रसाद की हुई थी। उन्होंने सोनिया गांधी के विरुद्ध कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव लड़ा था। चुनाव के दिन दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में वे मेरे साथ लंच कर रहे थे। उन्होंने मुझसे कहा कि मेरा हारना तो तय है तो कुछ समय आपके साथ ही आनंदपूर्वक क्यों नहीं बिताया जाए?यही हाल शशि थरूर का भी होनेवाला है। हालांकि उन्होंने पहले दिग्विजय सिंह, अशोक गहलोत और अब खड़गे के बारे में बहुत ही गरिमामय ढंग से बात की है। 22 साल बाद होनेवाले इस चुनाव से क्या कांग्रेस के हालात कुछ बदलेंगे? क्या यह डूबता हुआ सूरज फिर ऊपर उठ पाएगा? यह जाम हुआ चक्का क्या फिर चल पाएगा? कुछ भी कहना कठिन है, क्योंकि कांग्रेस पर मां-बेटा राज तो अब भी पहले की तरह जोर से चलता रहेगा।

हालांकि खड़गे अनुभवी और सुसंयत नेता हैं और उन्हें कर्नाटक की विधानसभा, लोकसभा और राज्यसभा में रहने के अनेक अवसर मिले हैं लेकिन कर्नाटक के बाहर उन्हें कौन जानता है? आम जनता की बात तो अलग है, कांग्रेस कार्यकर्ता भी उन्हें ठीक से नहीं जानते। यह ठीक है कि जगजीवन राम के बाद वे ही पहले दलित हैं, जो कांग्रेस अध्यक्ष बनेंगे। लेकिन नरेन्द्र मोदी ने पहले रामनाथ कोविंद और अब द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाकर पहले ही नहले पर दहला मार रखा है। कांग्रेस का भाग्योदय अगर होता है तो वह नौकर-चाकरों के भरोसे नहीं हो सकता। उसके मालिकों को गर्व होना चाहिए कि उन्हें ऐसी बगावत नहीं देखनी पड़ रही है, जैसी इंदिरा गांधी ने देखी थी। मालिकों के इस दावे पर कौन भरोसा कर रहा है कि वे अध्यक्ष के इस चुनाव में निष्पक्ष हैं? मां-बेटे को खुशी होनी चाहिए कि जिन वरिष्ठ नेताओं ने बगावत की बांग लगाई थी, वे भी उनके आगे अब दुम हिला रहे हैं। इस अध्यक्षीय चुनाव से कांग्रेस के पुनरोदय की जो आशा बनी थी, वह धूमिल हो चुकी है। जब तक कांग्रेस के पास नरेन्द्र मोदी का वैकल्पिक नेता और नीति नहीं होगी, वह इसी तरह लड़खड़ाती रहेगी और भारतीय लोकतंत्र और कांग्रेस का यह दुर्भाग्य होगा कि वह लड़खड़ाते-लड़खड़ाते कहीं धराशायी ही न हो जाए।

रासायनिक उर्वरकों को कम करें, धरती के घाव भरें

डॉ सत्यवान सौरभ

कीटों और रोगों ने मौजूदा कीटनाशक अनुप्रयोगों के लिए प्रतिरोध विकसित कर लिया है, जिसके लिए हर गुजरते साल मजबूत, अधिक विषाक्त प्रतिक्रियाओं की आवश्यकता होती है। मानव शरीर पर आनुवंशिक परिवर्तनकारी प्रभाव और जैव विविधता के नुकसान को ध्यान में रखते हुए, कीटनाशकों के उपयोग में कमी राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए। 1970 के दशक में हरित क्रांति ने तेजी से कृषि उत्पादन, विशेष रूप से खाद्यान्न के युग की शुरुआत की। क्रांति के उत्प्रेरक एजेंटों में से एक रासायनिक उर्वरक थे। भारत में खाद्यान्न की भारी कमी थी, और यह कृषि बदलाव काम आया। रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों और पानी के बड़े पैमाने पर इनपुट के साथ, उच्च फसल पैदावार हासिल की गई। 'हरित' क्रांति ने भले ही दिन बचा लिया हो, लेकिन यह भविष्य की रक्षा करने से बहुत दूर थी। देश में रासायनिक उर्वरकों की खपत कृषि उत्पादन के स्तर के साथ-साथ बढ़ रही है। वर्तमान में देश के 525 जिलों में से 292 (56%) उर्वरकों के उपयोग का 85% हिस्सा हैं। कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल से इंसानों और जानवरों दोनों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। विकासशील देशों में कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए एग्रोकेमिकल्स को एक शक्तिशाली हथियार या जादू की गोलियों के रूप में माना जाता है। हालांकि, यह देखा गया है कि कृषि रसायन गंभीर खतरे पैदा कर रहे हैं और कुछ कीटनाशक मानव अंतःस्रावी और प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रभावित कर सकते हैं और कैंसर के विकास को बढ़ावा दे सकते हैं। किसान कीटनाशकों के छिड़काव के दौरान सुरक्षा मास्क, दस्ताने और अन्य सुरक्षात्मक गियर का उपयोग नहीं करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप इनहेलेशन और त्वचीय जोखिम के माध्यम से रक्त प्रवाह में कीटनाशकों की पहुंच होती है जो उनकी आंखों, त्वचा और श्वसन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। चूंकि कीटनाशकों को सब्जी पर लगाया जाता है जो सीधे मानव या पशुओं के शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग भूमिगत जल को नाइट्रेट से प्रदूषित कर सकता है और यह मनुष्यों या पशुओं के लिए बहुत खतरनाक है। नाइट्रेट केंद्रित पानी रक्त में कुछ हीमोग्लोबिन को स्थिर कर सकता है। ऑर्गेनोफॉस्फेट कीटनाशकों के अनुप्रयोग में वृद्धि हुई है, क्योंकि वे ऑर्गेनोक्लोरीन कीटनाशकों की तुलना में पर्यावरण के लिए कम स्थायी और हानिकारक दोनों हैं। लेकिन, वे पेट दर्द, चक्कर आना, सिरदर्द, मतली, उल्टी, साथ ही त्वचा और आंखों की समस्याओं जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़े हैं। सब्जियों में इस्तेमाल होने वाले ऑर्गेनोफॉस्फेट कीटनाशी धीरे-धीरे मानव शरीर में जमा हो जाते हैं और कैंसर से इसका संबंध होता है। जहरीले कृषि रसायनों (जैसे भारी धातुओं, कीटनाशकों और जड़ी-बूटियों आदि से दूषित फॉस्फेट उर्वरक) के साथ मिट्टी और पानी का प्रदूषण एक विशेष चिंता का विषय है। पानी में ये प्रदूषक आम तौर पर कम मात्रा में होते हैं, और इस प्रकार, इसे देखा या चखा नहीं जा सकता है। इसलिए, उनके हानिकारक प्रभाव मनुष्यों में कई वर्षों तक प्रकट नहीं होते हैं, लेकिन क्रोनिक किडनी रोग जैसी घातक बीमारी को बढ़ा देते हैं।

मानव स्वास्थ्य के संदर्भ में, डीडीटी कई प्रकार के कैंसर, तंत्रिका तंत्र की तीव्र और लगातार चोट, फेफड़ों की क्षति, प्रजनन अंगों को चोट, प्रतिरक्षा और अंतःस्रावी तंत्र की शिथिलता, जन्म दोष का कारण है। मिट्टी की उर्वरता और सामान्य स्वास्थ्य पर रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के प्रभाव को मापने के लिए एक व्यापक अध्ययन किया जाना चाहिए। मौजूदा उर्वरक सब्सिडी नीति को संशोधित किया जाना चाहिए, और एक नई नीति तैयार की जानी चाहिए जो भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल हो। जैविक खाद को बढ़ावा देने के लिए जैव उर्वरकों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए एक नीति बनाई जानी चाहिए। किसानों को बड़े पैमाने पर जैविक खेती को अपनाने में सक्षम बनाने के लिए उन्हें वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान की जानी चाहिए। कृषि के लिए डीडीटी जैसे प्रतिबंधित कीटनाशकों के उपयोग के लिए कानूनी कार्रवाई। प्रमाणन, गुणवत्ता जांच, नवाचारों और उर्वरकों की कीमतों को तय करने की प्रक्रिया को कारगर बनाने के लिए एक उर्वरक विकास और नियामक प्राधिकरण की स्थापना की जानी चाहिए।

आज अष्टमी और मंगलवार को है नवमी

पूजा से पहले पवित्रता के लिए घर में करना चाहिए गौमूत्र का छिड़काव

नवरात्रि की अष्टमी और नवमी तिथि सोमवार-मंगलवार को रहेगी। देवी पूजन करते समय अगर कुछ बातों का ध्यान नहीं रखा जाए तो पूजा सफल नहीं हो पाती है। नवरात्रि में घर के अंदर और बाहर अच्छी तरह साफ-सफाई करनी चाहिए। गौमूत्र का छिड़काव करें। इससे घर की नकारात्मकता खत्म होती है और पवित्रता बढ़ती है।

देवी पूजा में सुहाग का सामान जरूर रखना चाहिए। जैसे लाल चुनरी, लाल फूल, कुमकुम, सिंदूर, लाल चूड़ियां, बिन्दी, आभूषण जरूर रखें। पूजा के बाद ये चीजें किसी महिला को दान कर देना चाहिए।

देवी दुर्गा के साथ ही गणेश जी, शिव जी, कार्तिकेय स्वामी की भी पूजा जरूर करें। गणेश जी की पूजा के साथ देवी पूजन शुरू करना चाहिए। शिवलिंग पर तांबे के लोटे से जल चढ़ाएं। गणेश जी दूर्वा अर्पित करें। कार्तिकेय स्वामी का भी अभिषेक करें।

दुर्गा पूजा करते समय देवी के मंत्रों का जप करना चाहिए। देवी **मंत्र - दुं दुर्गायै नमः।** आप चाहें तो देवी भगवती के नाम का जप भी कर सकते हैं।

नवरात्रि में देवी पूजा के साथ छोटी कन्याओं की भी पूजा जरूर करें। छोटी कन्याएं देवी मां की स्वरूप मानी जाती हैं। पूजा के साथ ही जरूरमंद बच्चियों की शिक्षा के लिए धन और अन्य सामग्री जरूर अर्पित करें।

ऐसे कर सकते हैं देवी की पूजा

पूजा से पहले घर में गौमूत्र और गंगाजल का छिड़काव करें। इसके बाद घर के मंदिर में देवी-देवताओं पर जल अर्पित करें। फूलों से श्रृंगार करें। वस्त्र अर्पित करें। चंदन, कुमकुम का तिलक लगाएं। धूप-दीपक जलाएं।

सबसे पहले भगवान गणेश की पूजा करनी चाहिए। गणेश पूजा के बाद देवी दुर्गा की, शिव जी और कार्तिकेय स्वामी की पूजा करें। कलश पूजन करें। मिठाई का भोग लगाएं। आरती करें। पूजा के बाद प्रसाद बाटें और खुद भी लें।

तेलंगाना फूल लोकपर्व 'बतुकम्मा'

बतुकम्मा को तेलंगाना का सबसे प्राचीन लोकपर्व माना जाता है।शायद इसी वजह से तेलंगाना बनने के तुरंत बाद केसीआर सरकार ने शारदीय नवरात्र के समय मनाए जाने वाले इस पर्व को राजकीय त्योहार का दर्जा दे दिया।बतुकम्मा पर्व पितृपक्ष यानि भादो की अमावस्या (जिसे महालया की अमावस्या भी कहा जाता है) से आरंभ होकर नवरात्र की अष्टमी के दिन पूर्ण होता है।शालिवाहन संवत के अनुसार यह पर्व अमावस्या तिथि से शुरू होकर दुर्गाष्टमी तक चलता है।तेलुगू परंपरा में कहें तो 9 दिनों का यह त्योहार रविवार यानि येंगली बतुकम्मा से आरंभ होकर सद्दुला बतुकम्मा को समाप्त होगा।अंग्रेजी कैलेंडर के मुताबिक इस वर्ष 25 सितम्बर से 3 अक्टूबर 2022 तक बतुकम्मा समारोह आयोजित हो रहा है।

बतुकम्मा पर्व तेलंगाना की खास सांस्कृतिक पहचान, समृद्ध परंपरा और अनुपम प्राकृतिक विरासत का प्रतीक है।यह पूरे तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कुछ इलाके में धूमधाम से मनाया जाता है।त्योहार में रंग-बिरंगे फूलों की केन्द्रीय भूमिका रहती है और यह पर्व देवी माता को समर्पित है।इसीलिए इसको फूलों का त्योहार भी कहा जाता है।कुछ लोग इसे जल-मिट्टी और मानव के समन्वय का पर्व बताते हैं।इसको वर्षा ऋतु के समापन और शीत ऋतु के आरंभ का द्योतक पर्व भी माना जाता है।तेलंगाना की महिलाएं रंग-बिरंगे फूलों से मंदिर के गौपुरम (सिंहद्वार) जैसी आकृति तैयार करती हैं।आमतौर पर इसमें सात स्तर होते हैं।इसको धूप-बत्ती के साथ सजाकर सबसे ऊपर हल्दी का गौराम्मा चढाती हैं, फिर हाथ या माथे पर इसे लेकर मंदिर या दूसरे सार्वजनिक जगहों पर ले जाती हैं।महिलाएं रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधान धारण करती हैं और लोकगीत गाते हुए चलती हैं।जहां सामूहिक उत्सव होता है, उस स्थान पर महिलाएं बतुकम्मा की परिक्रमा करते हुए गीत संग नृत्य करती हैं।देखने में यह डांडिया और गरबा नृत्य की झलक देता है।

9 दिवसीय त्योहार

नौ दिवसीय इस पूजा के पहले दिन तेलंगाना की महिलाएं अपने घर-आंगन में गाय के गोबर से छोटे-छोटे गोपुरम तैयार करती हैं, फिर उसे फूलों से सजाया जाता है।रोज अलग अलग पकवान से भोग भी लगता है।इस तरह अंतिम दिन तक यह बड़े गोपुरम के रूप में तैयार हो जाता है।दुर्गाअष्टमी यानि नौवें दिन विभिन्न प्रकार के पकवान बनाये जाते हैं और लोग बड़ी श्रद्धा और उत्साह पूर्वक इस लोकपर्व का आनंद लेते हैं।अंतिम दिन फूलों से तैयार बतुकम्मा को जल में विसर्जित कर दिया जाता है।ऐसा कहा जाता है कि फूलों के विसर्जित करने से जल शुद्ध होता है।

हर दुख दूर करेंगी माता रानी बस महानवमी पर करें ये 3 काम

इन दिनों पूरे देश में नवरात्रि की धूम है। हर कोई माता रानी की भक्ति में लीन है। वैसे तो नवरात्रि के सभी नौ दिन काफी महत्व रखते हैं, लेकिन अष्टमी और नवमी को सबसे अधिक खास माना जाता है। इसे हम महाअष्टमी और महानवमी नाम से भी जानते हैं। कहते हैं इस दिन जिस शख्स ने माँ दुर्गा को खुश कर दिया उसकी लाइफ बन जाती है। उसके सभी दुख, दर्द और डर दूर हो जाते हैं।

अष्टमी-नवमी का महत्व

मां दुर्गा आपकी धन से जुड़ी समस्या भी दूर करती है। अपके घर में सुख, शांति, खुशहाली और समृद्धि आती है। अष्टमी और नवमी का इतना अधिक महत्व है कि यदि आप सिर्फ इन दो दिनों तक माता रानी को प्रसन्न कर दें तो आपको पूरे नौ दिनों की भक्ति जितना फल मिलता है। यानि यदि आप पूरे नौ दिन व्रत-उपवास ना भी करें, लेकिन इन दो दिन (अष्टमी-नवमी) मां दुर्गा की जमकर आराधना कर लें तो आपकी सभी समस्याएं खत्म हो सकती है।

अष्टमी-नवमी तिथि और मुहूर्त

इस वर्ष शारदीय नवरात्रि की अष्टमी 3 अक्टूबर को और नवमी 4 अक्टूबर को है। नवमी 3 अक्टूबर की शाम 4 बजकर 37 मिनट से शुरू होगी और 4 अक्टूबर 2022 की दोपहर 2 बजकर 20 मिनट तक चलेगी। उदयातिथि के मुताबिक नवरात्रि की महानवमी 4 अक्टूबर 2022 को मना सकते हैं। यदि आप इस दिन हवन पूजा करना चाहते हैं तो इसका मुहूर्त सुबह 06:21 से दोपहर 02:20 तक करीब 8 घंटे तक है। जो जातक नवरात्रि व्रत के पारण करना चाहते हैं वह 4 अक्टूबर 2022 को दोपहर 02:20 बजे के बाद कर कसते हैं।

ऐसे करें अष्टमी-नवमी पर मां दुर्गा को प्रसन्न

1. हवनः यदि आप अष्टमी और नवमी के दिन मां दुर्गा को प्रसन्न कर उनका आशीर्वाद चाहते हैं तो कुछ खास काम करने होंगे। इन दो दिनों तक आप घर में पूर्ण विधि-विधान से हवन पूजन करें। नवरात्रि की नवमी पर जो हवन करेंगे उसमें देवी के सहस्त्रनामों का जाप करें। यह उपार आपको कई गुना अधिक फल देगा।

2. कन्या पूजन और भोजः नवरात्रि की नवमी को 9 कन्याओं को भोजन जरूर करवाएं। इसके बिना नवरात्रि की पूजा अधूरी मानी जाती है। कन्या पूजन करने और उन्हें तोहफे में कुछ देने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं। ये कन्याएं एक तरह से मां दुर्गा का ही बाल रूप होती हैं। इसलिए यदि आप ने इन्हें खुश कर दिया तो समझो मां दुर्गा को खुश कर दिया।

3. दानः अष्टमी और नवमी के दिन किया गया दान सबसे बड़ा दान माना जाता है। इस दिन आप किसी गरीब या जरूरतमंद महिला को साड़ी भेंट कर दें। ये साड़ी लाल, पीली या हरे रंग की हो तो ज्यादा शुभ होगा।

ये तीनों काम करने से मां दुर्गा प्रसन्न हो जाएगी। फिर आपके जीवन में सुख और शांति के शिवाय कुछ नहीं होगा। आप आर्थिक रूप से भी मजबूत बन जाएंगे। अगली नवरात्रि तक आपके ऊपर माता रानी की कृपा रहेगी।

महागौरी

देवी का आठवां स्वरूप

देवी मां ने अपने काले स्वरूप से मुक्ति पाने के लिए लगातार तप किया था और तप के प्रभाव से देवी को महागौरी स्वरूप मिला। इस स्वरूप की पूजा आठवें दिन की जाती है।

***भोग** - देवी महागौरी को नारियल का भोग खासतौर पर लगाया जाता है।*

***संदेश** - देवी मां ने इस स्वरूप में संदेश दिया है कि हमें अपनी कमियों को दूर करना चाहिए।*

51 शक्तिपीठों में एक हैं प्रयागराज की मां कल्याणी देवी

यहां गिरी थीं मां सती की तीन अंगुलियां, इन्हीं 3 विग्रहों से बने मां के तीन स्वरूप

उत्तर प्रदेश में हरदोई जिले का काफी प्राचीन श्रवण देवी मंदिर अपने पौराणिक महत्व के लिए जाना जाता है।हिंदू धर्म की मान्यता के मुताबिक, यहां पर माता सती की नश्वर देह का कर्ण भाग गिरा था।इसीलिए इस मंदिर का नाम श्रवण देवी मंदिर पड़ा है।वहीं, प्राचीन मंदिर के पुजारी सुरेश तिवारी ने बताया कि इस मंदिर का निर्माण बाबा उमानाथ ने प्राचीन काल में कराया था।साथ ही इस मंदिर का जीर्णोद्धार सांमलिया प्रसाद सेठ ने 1864 ईसवी में कराया था।

दरअसल, मंदिर से जुड़ी पौराणिक कथा यह है कि राजा दक्ष प्रजापति ने यज्ञ का आयोजन किया गया था, जिसमें माता सती के पति शिव को निमंत्रण नहीं दिया था।वहीं, दक्ष की कन्या मां सती इस यज्ञ के आयोजन में बिना अनुमति के ही चली गई थी।यज्ञ में शिव का अपमान देखकर माता सती ने यज्ञ कुंड में कूद कर अपनी आहुति दे दी थी।माता की इस दशा को देखकर भगवान शिव ने उनके अंधजर्ले शव को कंधे पर रखकर अत्यंत क्रोध अवस्था में तीनों लोकों में विचरण करने लगे थे।इस दौरान भगवान विष्णु ने शंकर के इस क्रोध को शांत करने के लिए अपने चक्र से मां सती के शरीर को टुकड़ों में विभाजित कर दिया था।

जानिए क्या है मंदिर की धार्मिक मान्यता?

वहीं, माता के अंग जहां-जहां गिरे हैं पृथ्वी के उस स्थान पर शक्ति पीठ की स्थापना हो गई है।जहां देवी भागवत के अनुसार, हरदोई के स्थान पर माता का श्रवण यानी कान गिरा था, तभी से इस स्थान को माता श्रवण देवी के नाम से जाना जाने लगा है।माता की आरती पाषाण प्रतिमा विशेष तरीके की कंकर से बनी हुई है, जिसमें माता 5 सिर रूप में विराजमान है।देवी भागवत पुराण के अनुसार, माता के इस पंचमुखी रूप के दर्शन करने से इंसान को पांचो सुखों की प्राप्ति होती है।इंसानी शरीर के सभी रोग विकार दूर होते हैं।क्योंकि इंसानी शरीर भी पांच महा भूतों से मिलकर बना है।

प्राचीन कलाओं को प्रदर्शित करती हैं मूर्तियां

माता के पंचमुखी दर्शन से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।जहां मंदिर में पुरातन काल से ही एक विशाल यज्ञशाला बनी हुई है।जिसमें अनोखे तरीके से अग्नि को प्रज्वलित करने के बाद में साल में नवरात्रि के दिनों में विशाल यज्ञ का अनुष्ठान किया जाता है।यह अग्नि घर्षण विधि से उत्पन्न की जाती है।कई बार तो इस अग्नि को उत्पन्न करने में चौबीस घंटे तक लग जाते हैं। जहां हरदोई के अलावा आसपास के जिलों के लोग इस मंदिर में आकर दर्शन करना नहीं भूलते हैं।वैसे अब दर्शनार्थी विदेशों से भी आने लगे हैं।यहां मौजूद मूर्तियां अति प्राचीन होने के साथ-साथ वैश्विक धरोहर भी हैं।इन मूर्तियों की कलात्मक प्रतिमाएं वास्तुकला के रूप में अपनी अलग पहचान रखती हैं।बता दें कि, इस मंदिर की दूरी राजधानी लखनऊ से 110 किलोमीटर है और यह मंदिर हरदोई के सांडी रोड पर स्थित है।

श्री दुर्गा जी की आरती - 2

अम्बे तू है काली,
जय दुर्गे खप्पर वाली
तेरे गुण गायें भारती, ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती

तेरे जगत के भक्त जनन
पर भीर पड़ी भारी
दानव दल पर टूट पड़ो
माँ करके सिन्हा सवारी

सौ सौ सिंहो सी तू बलशाली,
है अष्ट भुजाओ वाली
दुष्टों को तू ही संहारती || ओ मैया ||

दो दिन में ही 150 करोड़ पार हुई 'पोन्नियिन सेल्वन' की कमाई

मणिरत्नम की ऐश्वर्या राय बच्चन, चियान विक्रम और कार्ति जैसे स्टार्स से सजी फिल्म ने वर्ल्डवाइड दो दिनों में 150 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। वहीं देशभर में भी सभी भाषाओं से अच्छी कमाई की है। हालांकि तमिल वर्जन से कमाई गिरी है।

'पोन्नियन सेल्वन-पार्ट 1' को लेकर जैसी उम्मीद लगाई जा रही थी, वैसा ही हुआ। मणिरत्नम की यह फिल्म 30 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई थी। 'पीएस-1' ने ओपनिंग डे पर वर्ल्डवाइड 78 करोड़ रुपये की कमाई की। दूसरे दिन भी इस फिल्म ने बंपर कमाई की है। 'पोन्नियन सेल्वन-पार्ट 1' ने पहले दिन सभी भाषाओं में 36.5 करोड़ रुपये की कमाई की थी। वहीं दूसरे दिन इसमें थोड़ी गिरावट देखी गई। 'पीएस-1' ने रिलीज के दूसरे दिन सभी भाषाओं में 34.6 करोड़ रुपये का बिजनस किया।

ओपनिंग डे के मुकाबले, भले ही दूसरे दिन की कमाई गिरी, पर यह आंकड़ा इतना भी बुरा नहीं है। लेकिन एक चीज हैरान करने वाली है और वह है तमिल भाषा से कमाई। 'पोन्नियन सेल्वन-1' मूल रूप से तमिल भाषा में बनी है। पहले दिन इसे तमिल वर्जन से 29.55 करोड़ कमाए थे, लेकिन दूसरे दिन तमिल वर्जन से इसकी कमाई गिर गई। दूसरे दिन PS-1 ने तमिल वर्जन से 27.6 करोड़ रुपये कमाए। इसी तरह फिल्म की तेलुगू वर्जन से हुई कमाई में भी गिरावट आई।

सभी भाषाओं से 'पोन्नियन सेल्वन-पार्ट 1' की दो दिन की कमाई का आंकड़ा 71.1 करोड़ पर जा पहुंचा है। इस हिसाब से यह फिल्म रिलीज के चार दिन में ही 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर सकती है। वहीं हिंदी वर्जन से 'पीएस-1' ने पहले दिन 2 करोड़ रुपये कमाए। लेकिन दूसरे दिन हिंदी वर्जन से फिल्म की कमाई में थोड़ा इजाफा देखने को मिला। लेकिन अभी भी आकंड़ा बेहद कम है। ऐसा लग रहा है कि'पोन्नियन सेल्वन 1' में हिंदी बेल्ट के दर्शक खास दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं।

'पोन्नियिन सेल्वन-पार्ट 1' जहां रिलीज के दो दिनों के अंदर देशभर में 71.10 करोड़ रुपये कमा चुकी है, वहीं दो दिनों में इसने वर्ल्डवाइड 153.40करोड़ कमाए हैं। यानी वर्ल्डवाइड यह फिल्म 150 करोड़ की कमाई का आंकड़ा पार कर चुकी है।

रश्मिका आज भी अपने एक्स से करती हैं मुलाकात

रश्मिका मंदाना साउथ इंडस्ट्री की सबसे ज्यादा फेमस एक्ट्रेसेस में से एक हैं। उनकी फिल्मों से ज्यादा लोग उनकी अदाओं पर मर-मिटने को तैयार रहते हैं। फिलहाल रश्मिका अपनी नई फिल्म को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। उन्होंने हाल ही में शेयर किया कि वह अपने एक्स बॉयफ्रेंड्स के साथ अच्छी टर्म्स में हैं और यहां तक कि बिना किसी झंझट के उनसे मिलती भी हैं। एक्ट्रेस को यकीन नहीं था कि उनकी दोस्ती इतनी अच्छी है लेकिन उन्होंने कहा कि वह उनके साथ बहुत अच्छा रिलेशन शेयर करती हैं।

एक्स के साथ अब भी क्लोज

रश्मिका जल्द ही 'गुड बाय' के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरुआत कर रही हैं। रश्मिका से एक इंटरव्यू में यह पूछे जाने पर कि अगर वह किसी पार्टी में अपने एक्स बॉयफ्रेंड से मिलती हैं, तो उनका रिएक्शन क्या होगा, तो उन्होंने 'नमस्ते' के साथ जवाब दिया। उन्होंने मिर्ची प्लस को आगे बताया, 'अपने एक्सेस के साथ मैं अभी भी दोस्त हूं। मैं उनके परिवारों, और उनसे अभी भी मिलना पसंद करती हूं।' रश्मिका ने यह स्वीकार करते हुए कहा कि 'यह बहुत अच्छी बात नहीं है लेकिन मेरे उनके साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। तो यह अच्छा है।'

एक्स बॉयफ्रेंड से ऐसे टूटा रिश्ता

रश्मिका ने पहले रक्षित शेट्टी से सगाई की थी। जब उन्होंने अपनी पहली फिल्म 'किरिक पार्टी (2016)' में उनके साथ काम किया, तो उन्होंने एक्टर को डेट करना शुरू कर दिया और जुलाई 2017 में दोनों ने सगाई कर ली। हालांकि, दोनों ने सितंबर 2018 में अपनी सगाई तोड़ दी। रश्मिका को तब से बार-बार विजय देवरकोंडा के साथ जोड़ा गया है। दोनों 'गीता गोविंदम (2018)' और 'डियर कॉमरेड (2019)' के को स्टार्स थे। हालांकि, दोनों ने हमेशा इन खबरों को गलत बताया है।

विजय के साथ नाम जुड़ना अच्छा लगता है...

मैशेबल इंडिया के साथ हाल ही में बातचीत में रश्मिका ने अपने और विजय के बारे में अफवाहों के बारे में कहा, 'यह सब बहुत प्यारा है। मैं अयू बाबू की तरह हूं। यह बहुत प्यारा है। देखें विजय और मैंने एक साथ इतना काम किया है। जब हम नहीं जानते कि इंडस्ट्री कैसी है और अचानक आप एक जैसे लोगों के साथ काम करते हैं, तो आप दोस्त बनना पसंद करते हैं और आपके बहुत सारे आम दोस्त हैं। ऐसा ही है। यह बहुत प्यारा है जब पूरा दुनिया ऐसी है 'रश्मिका और विजय, वह प्यारा है।'

विक्रम के कैरेक्टर खूबी है कि ये एक ड्राई ऑनेस्ट कॉप है : सैफ अली खान

पैंडेमिक से ठीक पहले सैफ अली खान 'तान्हाजी' में विलेन के रोल में नजर आए थे। अब सैफ की 'विक्रम वेधा' आई है, जिसमें वो एक ड्राई ऑनेस्ट कॉप के रोल में दिखाई दे रहे हैं। हिंदी फिल्मों में हाल के बरसों में ऐसे कैरेक्टर्स को जरा करप्ट या दबंग दिखाया जाता रहा है। इस बारे में सैफ अली खान ने बात की और अपने कैरेक्टर के बारे में बताया।

'विक्रम वेधा' को लेकर सैफ कहते हैं, 'मेरे साथ कई बार ऐसा होता रहा है, जब मैं सक्सेसफुल नहीं था, तब मुझे पूरे आत्मविश्वास के साथ सेट पर जाना पड़ता था। इस किरदार की खूबी है कि ये ड्राई ऑनेस्ट है। वरना फिल्म 'अब तक छप्पन' से जो कॉप आते रहे हैं, उनके एथिक्स सवालों के घेरे में रहे हैं। यहां वैसा नहीं था, मेकर्स का वो नजरिया मुझे पसंद आया था।'

सैफ अली खान ने इस फिल्म में वही रोल प्ले किया, जो आर माधवन ने ओरिजिनल फिल्म में निभाया था। इस बारे में बात करते हुए सैफ कहते हैं, 'मुझे ओरिजिनल फिल्म में माधवन का काम बहुत पसंद आया था। रहा सवाल मेरे फेज का तो मैं जब भी अलग सेलेब्स के साथ काम करता हूं, तब मुझे कुछ नया सोचने को मिलता है।

सैफ बातचीत के दौरान खुद को लेकर बने परसेप्शन को भी क्लियर करते हुए कहते हैं, 'मैंने करियर में कई 2 लीड वाली फिल्में की हैं। कइयों में मैंने 3 लीड भी किए हैं। ऐसे में इंडस्ट्री और लोगों को लगने लगा कि ये तो सेक्योर एक्टर है। उन दिनों शायद मुझे फर्क भी नहीं पड़ता था, क्योंकि तब इस इंडस्ट्री में मैंने अलग तरह से एंट्री ली थी। एक बार तो ऐसा समय भी आया, जब मुझे लगा कि मैं इस फील्ड में क्यों हूं? हालांकि इसके साथ-साथ मेरी ग्रोथ भी होती रही। मुझे दिलचस्प रोल मिलते रहे, मगर आप गहराई में जाएं तो हर एक्टर इनसेक्योर होता है।

रीमेक फिल्मों का भविष्य बेहतर रहने के सवाल को भी सैफ सही मानते हैं। इस बात पर तर्क देते हुए वो कहते हैं, 'अगर आप 'मैकबेथ' प्ले का उदाहरण लें, तो उसके भी अब तक कई वर्जन आ चुके हैं और आगे भी आते रहेंगे, क्योंकि बतौर एक्टर हमें और ऑडियंस को उसके लेटेस्ट इंटरप्रेटेशन की जरूरत होती है। साथ ही साउथ की रीमेक की पॉपुलर परंपरा तो रही ही है। 30 साल पहले जब मैंने करियर शुरू किया था, तब से ये ट्रेडिशन रहा है। सैफ आगे कहते हैं कि शाहरुख हमेशा उनसे कहते हैं कि 'लोग पुराने नहीं होते। उनके ख्याल पुराने होते जाते हैं। सोच ताजा रखोगे तो इंसान रिलेवेंट बना रहता है।

मलाइका अरोड़ा ने तलाक के बाद पहली बार तोड़ी चुप्पी:बोलीं- अब मेरी इक्वेशन अरबाज खान के साथ पहले से बेहतर है

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अरबाज खान के साथ तलाक को लेकर खुलकर बात की है। बातचीत के दौरान जब मलाइका से पूछा गया कि क्या वो और अरबाज अभी भी अच्छे दोस्त हैं? तो इसके जवाब में उन्होंने कहा कि तलाक के बाद अब उनकी इक्वेशन अरबाज खान के साथ बेहतर है।

मलाइका कहती हैं, 'अब हमारी इक्वेशन पहले से अच्छी है। हम दोनों अब काफी मैच्योर हैं। हम खुश हैं, और पहले से शांत हैं। अरबाज एक बेहतरीन इंसान हैं और मैं चाहती हूं कि उन्हें लाइफ में सारी खुशियां मिलें। कभी-कभी लोग अच्छे तो होते हैं, लेकिन किसी एक के साथ अच्छे नहीं होते हैं। तो अब जैसा है सो है, फिर भी मैं उनके अच्छे का ही सोचूंगी।'

मलाइका ने अरबाज से शादी खत्म किए जाने के फैसले पर कहा, 'मुझे लगता है कि मैंने खुद को सबसे आगे रखकर फैसला लिया। आज मैं पहले से बेहतर इंसान हूं। आज मेरे बेटे के साथ बहुत अच्छी रिलेशनशिप है और वो ये देखता है कि मैं पहले से खुश हूं। यहां तक कि अरबाज के साथ भी अब मेरे अच्छे संबंध हैं। मुझे खुशी है कि मैंने ये डिसीजन लिया और मैं अपने लिए खड़ी हुई। एक औरत के तौर पर मैं डरती नहीं हूं। हमेशा हमें अपने दिल की सुननी चाहिए। आप सभी को खुश नहीं कर सकते।' फिलहाल मलाइका, अर्जुन कपूर को डेट कर रही हैं। खबरें ये भी हैं कि दोनों जल्द ही एक दूसरे से शादी भी करने वाले हैं।

बबीता जी पर भी चढ़ा गरबा का बुखार

टीवी सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता यानी बबीता जी अपने स्टाइल को लेकर अक्सर चर्चा में बनी रहती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर एक डांस वीडियो शेयर किया है। जिसमे वो 'उड़ी उड़ी जाए' गाने पर गरबा करती हुई दिखाई दीं। वीडियो में उन्होंने ट्रेडिशनल आउटफिट पहना हुआ है इसके साथ लुक को हैवी ज्वेलरी और बालों में गहरा लगाकर कम्पलीट किया, जिसमें वो बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उनका ये वीडियो देखते ही फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहें हैं ।

अन्नू कपूर के बैंक से ठगों ने उड़ाए 4.36 लाख रुपए

दिग्गज एक्टर अन्नू कपूर ऑनलाइन ठगी का शिकार हो गए हैं।अन्नू कपूर से एक प्राइवेट बैंक का केवाईसी ठीक कराने के नाम पर डीटेल्स लेकर ठगों ने 4.36 लाख रुपए का फ्रॉड कर दिया है। हालांकि अन्नू को अपने साथ हुए इस फ्रॉड का समय रहते पता चल गया, जिसके तुरंत बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत कर दी। पुलिस की तुरंत कार्रवाई की वजह से अन्नू कपूर को 3.08 लाख रुपए वापस मिल गए।

मुंबई के ओशिवारा पुलिस थाने के एक अधिकारी से जब इस मामले के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि अन्नू कपूर को गुरुवार को एक व्यक्ति का कॉल आया, जो खुद को बैंक का कर्मचारी बता रहा था। उसने केवाईसी के नाम पर अन्नू कपूर से उनकी बैंक डिटेल्स लीं और फिर ओटीपी मांग लिया। ओटीपी शेयर करते ही अन्नू कपूर के अकाउंट से 4.36 लाख रुपए 2 अकाउंट में ट्रांसफर हो गए। हालांकि बैंक ने उन्हें तुरंत कॉल कर बता दिया कि उनकी अकाउंट के साथ कॉम्प्रोमाइज हो गया है।

पुलिस ऑफीसर्स ने आगे बताया कि कुछ देर बाद में दोनों अकाउंट को इन बैंकों ने फ्रीज कर दिया है, जिसके बाद अन्नू को 3.08 लाख रुपए वापस मिल गए। पुलिस ने इस मामले में इंडियन पीनल कोड के इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट के प्रोविजन के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि वो जल्द ही इन ऑनलाइन फ्रॉड्स को पकड़ लेगी।

'गांधी टॉक्स' में निशब्द दिखेंगे विजय सेतुपति, अदिति राव हैदरी

यह एक साइलेंट फिल्म हैं, जिसमें सिर्फ इशारों में और हाव-भाव से एक्टिंग होगी

दो अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के मौके पर एक ऐसी फिल्म की अनाउंसमेंट की गई है, जिसका बापू के साथ गहरा कनेक्शन है। इस फिल्म का नाम है 'गांधी टॉक्स', जिसकी मेकर्स ने धमाकेदार टीजर के साथ अनाउंसमेंट की है। इस फिल्म को किशोर पी बेलेकर डायरेक्ट करेंगे।

'गांधी टॉक्स' में विजय सेतुपति, अरविंद स्वामी और अदिति राव जैसे स्टार्स हैं। इसमें कॉमेडियन और एक्टर सिद्धार्थ जाधव भी नजर आएंगे। फिल्म का टीजर काफी प्रॉमिसिंग है। टीजर में बताया गया है कि 'गांधी टॉक्स' एक डार्क कॉमेडी होगी। फिल्म का नाम तो 'गांधी टॉक्स' है, लेकिन यह एक साइलेंट फिल्म होगी। यानी इसमें कोई भी कलाकार कुछ भी बोलता नजर नहीं आएगा। सिर्फ इशारों में और हाव-भाव से एक्टिंग होगी।

टीजर में नजर आ रहा है कि 'गांधी टॉक्स' के चारों किरदार यानी विजय सेतुपति, सिद्धार्थ जाधव, अरविंद स्वामी और अदिति के पास खूब सारे पैसे हैं। लेकिन उनके साथ अलग-अलग बंदर भी हैं। सिद्धार्थ जाधव के साथ 'बुरा मत सुनो' वाला बंदर है। अदिति राव के पास 'बुरा मत बोलो' वाला बंदर है। इसी तरह अरविंद स्वामी के पास 'बुरा मत देखो' वाला बंदर है।

लेकिन सबसे मजेदार और कहानी में ट्विस्ट लाने वाला बंदर विजय सेतुपति के किरदार के पास है। उनके पास जो बंदर है, वो खिलौने वाला है और बाजा बजाता है। विजय सेतुपति के पास ही सबसे ज्यादा पैसे नजर आ रहे हैं।

टीजर देखकर साफ है कि विजय सेतुपति 'गांधी टॉक्स' में बाकी तीन किरदारों के साथ कोई बड़ा खेल खेलेंगे। 'गांधी टॉक्स एक पैन इंडिया फिल्म होगी। यानी इसे तमिल, तेलुगू, कन्नड़, हिंदी और मलयालम के अलावा मराठी भाषा में भी रिलीज किया जाएगा। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट अभी अनाउंस नहीं की गई है।

मॉडल, एक्ट्रेस और फिर बनीं राजनेता, मिस बिकिनी अर्चना गौतम

कुछ दिनों पहले एक खबर आई थी। खबर क्या वीडियो ही था जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था। उसमें जो महिला थी वह एक्ट्रेस थी। उनका नाम अर्चना गौतम था। हां वही जो बिग बॉस 16 में आई हैं। उन्होंने तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के कर्मचारियों पर बदसलूकी करने और मंदिर में प्रवेश न करने देने का आरोप लगाया था। उस समय ये खबर तो बनीं लेकिन इसका इल्म जरा भी नहीं हुआ कि ये सलमान खान के रियलिटी शो में भी नजर आएंगी। खैर, इनसे जुड़े और भी किस्से हैं, जिन वजहों से ये सुर्खियों में छाई रही हैं। आइए बताते हैं।

अर्चना गौतम की जब बिग बॉस 16 में एंट्री हुई तो उन्होंने दर्शकों को अपनी अतरंगी बातों से खूब एंटरटेन किया। लेकिन जैसे ही घर के अंदर गईं, उनकी बेड को लेकर निमृत कौर से लड़ाई हो गई। वह पूरे फॉर्म में आ गईं कि अब तो वह सबकी ऐसी की तैसी कर देंगी। थोड़ी-थोड़ी उनमें सीजन 14 की निक्की तम्बोली की झलक जरूर दिखाई दी। हालांकि एक ही एपिसोड से जज करना सही बात नहीं इसलिए आगे बढ़ते हैं।

अर्चना गौतम का जन्म 1 सितंबर 1995 में हुआ। इनकी उम्र 27 वर्ष है। पेशे से एक एक्ट्रेस मॉडल और ब्यूटी पेजेंट टाइटल होल्डर हैं। इन्होंने साल 2018 में 'मिस बिकिनी इंडिया' में हिस्सा लिया था और इसका खिताब अपने नाम किया था। इसके अलावा इन्होंने 'मिस कॉसमॉस वर्ल्ड' 2018 में भी इंडिया को रिप्रेजेंट किया था और 'मोस्ट टैलेंटेड 2018' का सब टाइटल जीता था।

साउथ इंडस्ट्री में अर्चना गौतम ने आजमाया हाथ

अर्चना गौतम ने साउथ इंडस्ट्री में भी काम किया है। उन्होंने तेलुगू मूवी 'आईपीएल इट्स प्योर लव' में अमृता और तमिल मूवी 'गुंडास' में मालार के कैरेक्टर में दिखाई दी थीं। अर्चना गौतम ने कई म्यूजिक वीडियोज में भी अपना जलवा बिखेरा है। एक्ट्रेस ने 'मिस उत्तर प्रदेश', 'मिस बिकिनी यूनिवर्स इंडिया' समेत अन्य टाइटल भी जीता है।

अर्चना गौतम को मिल चुका है प्यार में धोखा

अर्चना गौतम सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं। उनके फेसबुक पर 8 मिलियन से ज्यादा और इंस्टाग्राम पर 750K फॉलोवर्स हैं। वह वहां अपने कातिलाना अंदाज से भरी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करती रहती हैं। उन्होंने शो में सलमान को बताया था कि उनका एक अफेयर था लेकिन वह लड़का उनसे नहीं बल्कि पैसों से प्यार करता था इसलिए अब उनका इन सब चीजों से मन दुखी हो गया है। वह अब कोई अफेयर नहीं बल्कि सीधे शादी करेंगी। शायद घर में वह अपने लिए कोई जीवनसाथी तलाश लें।

स्लट शेमिंग का शिकार हुई थीं अर्चना गौतम

अर्चना गौतम ने राजनीति में भी अपना हाथ आजमाया था। साल 2021 में उन्होंने इंडियन नेशनल कांग्रेस जॉइन की थी। उन्हें फिर यूपी की हस्तिनापुर सीट से टिकट मिला था। उन्होंने 2022 में MLA का चुनाव लड़ा लेकिन दुर्भाग्यवश वो हार गई थीं। हालांकि उनका यूं राजनीति में आना लोगों को पसंद नहीं आया था। उन्हें काफी भद्दे-भद्दे कमेंट्स सुनने पड़े थे। उनकी बिकिनी में तस्वीरें तक सोशल मीडिया पर शेयर कर काफी कुछ कहा था। एक्ट्रेस को स्लट शेम का शइकार होना पड़ा था। हालांकि बाद में उन्होंने सबसे रिक्वेस्ट भी की थी उनके प्रोफेशन को मीडिया इंडस्ट्री में पॉलिटिकल करियर के साथ मर्ज न करें।

फुल टाइम जॉब के साथ सरकारी नौकरी की तैयारी कैसे करें?

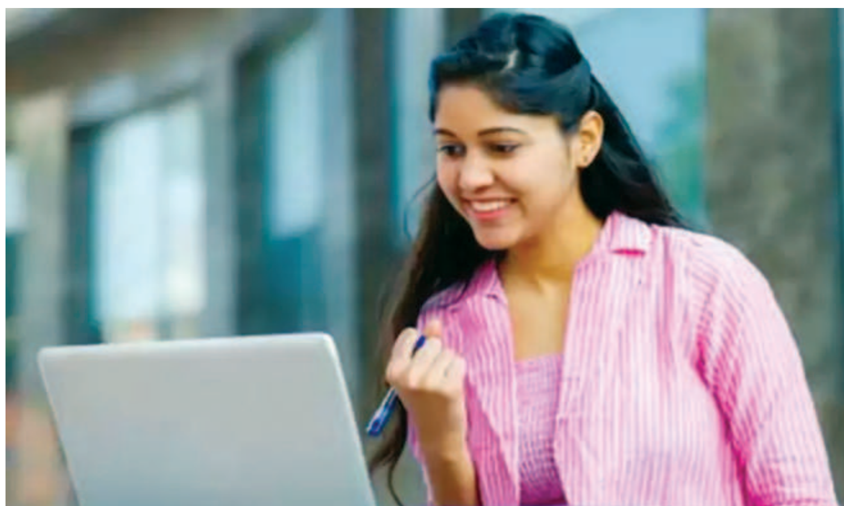

भारत में हर साल लाखों युवा सरकारी नौकरी की तैयारी करते हैं. हालांकि उनमें से सभी सरकारी नौकरी की परीक्षा में सफल नहीं हो पाते हैं या किन्हीं कठिन परिस्थितियों की वजह से एग्जाम की तैयारी के लिए अपना समय नहीं दे पाते हैं. वहीं, कुछ लोग फुल टाइम जॉब के साथ भी सरकारी नौकरी की तैयारी कर लेते हैं.

कई लोग सरकारी नौकरी की तैयारी के दौरान फुल टाइम जॉब शुरू कर देते हैं. इससे उनके करियर के महत्वपूर्ण साल बर्बाद होने से बच जाते हैं. हालांकि फुल टाइम जॉब के स्ट्रेस के साथ सरकारी नौकरी की तैयारी कर पाना थोड़ा मुश्किल होता है. जानिए कुछ टिप्स, जिनकी मदद से आप जॉब के साथ सरकारी नौकरी की तैयारी कर सकते हैं .

1. समय का इस्तेमाल प्रभावी ढंग से करें- नौकरी के बीच पढ़ने के लिए कम समय बचता है. लेकिन, ऐसा नहीं है कि आपके पास प्रभावी रूप से पढ़ने के लिए समय होगा ही नहीं. हर दिन करीब 3 से 4 घंटे पढ़ाई का शेड्यूल बनाएं. वीकेंड पर पढ़ाई को ज्यादा समय दें. इधर-उधर घूमने जाने से बचें.

2. सिलेबस और एग्जाम पैटर्न को समझें- जिस भी सरकारी परीक्षा की तैयारी करनी है, उसका सिलेबस, एग्जाम पैटर्न, विषयों आदि की जानकारी सही तरीके से जुटा लें. इससे नोट्स बनाने और रिवीजन करने में मदद मिलेगी.

3. टेस्ट प्रैक्टिस में समय इन्वेस्ट करें- मॉक टेस्ट प्रैक्टिस करने से आपका अनुभव बढ़ेगा. साथ ही आपको यह भी जानकारी मिलेगी कि आप किस स्टेज पर हैं. इससे अपनी तैयारी बेहतर तरीके से कर सकेंगे और कमजोर विषयों को समझ सकेंगे.

4. हर मोड़ पर सकारात्मक रहें- परीक्षा की तैयारी के दौरान पॉजिटिव रहना जरूरी है. इससे आप एनर्जेटिक महसूस करेंगे और पढ़ाई भी ज्यादा प्रभावी तरीके से कर सकेंगे. अगर परीक्षा को लेकर नेगेटिव थॉट्स रखेंगे तो सफल होना मुश्किल हो जाएगा.

5. ऑनलाइन कोचिंग से लें मदद- परीक्षा की तैयारी के लिए ऑनलाइन कोचिंग का सहारा लेना एक अच्छा विकल्प है. ऐसा करने से सिलेबस जल्दी खत्म होगा. साथ ही टीचर का एक्सपीरियंस और बताए गए टिप्स एग्जाम में काम आएंगे.

जान्हवी कपूर का साड़ी कलेक्शन, इस त्योहार के सीजन में देगा आपको स्टाइलिश लुक

साड़ी एक ऐसा भारतीय पारंपरिक परिधान है, जो हर उम्र की महिला पर आकर्षक लगती है। साड़ी को किसी भी मौके पर आसानी से कैरी किया जा सकता है। किसी पारिवारिक कार्यक्रम से लेकर दफ्तर में आम दिनों तक, शादी पार्टी से लेकर किसी खास समारोह तक में आप साड़ी को बेझिझक पहन सकती हैं और मेहफिल के बीच अलग और आकर्षक लुक को अपना सकती हैं। हालांकि अगर आप साड़ी पहनना पसंद करती हैं तो आपको यह चुनाव करना आना चाहिए कि किस मौके पर किस तरह की साड़ी या आपके बॉडी शेप के मुताबिक, किस फैब्रिक या प्रिंट की साड़ी ज्यादा प्रभावशाली दिखेगी। बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर अपने स्टाइलिश और बोल्ड लुक के लिए प्रसिद्ध हैं लेकिन अक्सर उन्हें साड़ी में स्पॉट किया जाता है। किसी खास मौके पर या इवेंट के लिए जान्हवी अक्सर साड़ी में ही नजर आती हैं। ऐसे में अगर आप भी साड़ी स्टाइलिश लुक चाहती हैं तो जान्हवी कपूर के साड़ी कलेक्शन को अपना सकती हैं, जो हर मौके पर आपको आकर्षक लुक देगी। ये रहीं जान्हवी कपूर के साड़ी कलेक्शन।

हरी एम्बॉयडरी वाली साड़ी

जान्हवी कपूर की यह हरे रंग की फ्लोरल प्रिंट साड़ी किसी भी मौके के लिए सुंदर लगेगी। इस साड़ी में फ्लोरल प्रिंट के साथ ही मैगपाई प्रिंट भी है। साड़ी में हल्का सा शिमर लुक दिख रहा है। जाह्नवी की साड़ी को अधिक प्रभावशाली बना रही है, उसमें की गई अलग एम्ब्रायडरी। जान्हवी ने वोगिश स्लीवलेस ब्लाउज के साथ साड़ी को टीमअप किया है। अपने लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने हरी साड़ी पर गुलाबी मोतियों के इयररिंग्स कैरी किए हैं।

पीली साड़ी

जान्हवी कपूर के पीले रंग की साड़ी पहनी है। इस पीली साड़ी में पतला सफेद चिकनकारी का बॉर्डर दिया गया है। साड़ी एकदम साधारण है लेकिन उसमें एंब्रॉयडरी वाला ब्लाउज पेयर किया गया है। इस तरह की साड़ी आप किसी भी त्योहार पर कैरी कर सकते हैं।

सफेद साड़ी

पार्टी या त्योहार के मौके पर आप इस तरह की सफेद सीक्वन साड़ी को पहन सकती हैं। इस तरह की साड़ी आपको बहुत आकर्षक और क्लासी लुक देगी। साड़ी के साथ आप हल्के एम्ब्रॉयडरी वाला ब्लाउज पहन सकती हैं।

फ्लोरल साड़ी

फ्लोरल प्रिंट साड़ी बहुत ही स्टाइलिश लुक दे सकती है। जान्हवी ने शानदार प्रिंट की फ्लोरल साड़ी पहनी है। इस कलरफुल साड़ी में वह बेहद खूबसूरत दिख रही हैं।

रश्मिका मंदाना के इन क्यूट ड्रेसिंग सेंस को करें त्योहारों में फॉलो

रश्मिका मंदाना अपनी क्यूट सी स्माइल से फैंस का दिल चुरा लेती हैं। वहीं उनका फैशन सेंस इन दिनों लड़कियों का भी पसंदीदा बना है। वनपीस से लेकर पैंट्स और अब रश्मिका का एथिनिक लुक बेहद इंप्रेसिव दिख रहा है। दरअसल. रश्मिका इन दिनों अपनी फिल्म गुडबॉय के प्रमोशन में व्यस्त हैं। एक के बाद एक इवेंट में शामिल होने के लिए रश्मिका कुछ ऐसे कपड़ों को चुन रही हैं। जो ना केवल ट्रेडिशनल हैं बल्कि इनमे कंफर्ट का भी पूरा ध्यान रहता है। वहीं रश्मिका मंदाना इन आउटफिट में स्टाइलिश भी दिख रही हैं।

रश्मिका मंदाना की लेटेस्ट तस्वीर सामने आई है। जिसे रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर फैंस के लिए साझा किया है। जिसमे वो नीले रंग के पलाजो पैंट्स के साथ रेडी हैं। वहीं साथ में एंब्रायडरी वाले क्रॉप टॉप को मैच किया गया है। जिसमे मिस मंदाना अपने टोंड एब्स को फ्लांट करते दिख रही हैं। वहीं इस पलाजो और क्रॉप टॉप को प्रिंटेड मैचिंग के श्रग के साथ पेयर किया गया है। जो इसे एथिनिक लुक देने के लिए काफी दिख रहा है।

वहीं रश्मिका के इस आउटफिट के साथ ही मेकअप भी बेहद खास है। मैट फिनिश लुक वाले मेकअप के साथ बेरी ब्राउन कलर की लिपस्टिक खूबसूरत लग रही है।

त्योहारों के सीजन में कुर्ती और स्कर्ट का लुक काफी खूबसूरत लगता है। रश्मिका ने आसमानी रंग के इस कुर्ती और स्कर्ट में अपनी तस्वीरें साझा की थी। जिसमे उनका लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा था। इस आउटफिट के साथ रश्मिका ने बालों में मेसी हेयरस्टाइल में बनीं पोनीटेल अट्रैक्टिव लग रही है।

प्रिंटेड लहंगे के साथ दुपट्टे का मैचिंग तो बिल्कुल कॉमन है। अगर आप हटके लुक चाहती हैं तो रश्मिका मंदाना की तरह स्कर्ट और ब्रालेट टॉप के साथ मैच जैकेट को कॉपी कर सकती हैं। जिसमे वो हमेशा की तरह खूबसूरत दिख रही हैं।

सरकारी नौकरी

सशस्त्र सीमा बल के तहत कॉन्स्टेबल के 399 पदों पर निकली भर्ती

सशस्त्र सीमा बल ने कॉन्स्टेबल (सामान्य ड्यूटी) के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे हैं। योग्य उम्मीदवार जो इन पदों के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे SSB की ऑफिशियल वेबसाइट ssbrectt.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। इन पदों के लिए आवेदन करने की आखिरी तारीख 15 अक्टूबर है।

योग्यता : उम्मीदवारों के पास किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा 10वीं की परीक्षा पास होनी चाहिए।

आयु सीमा : उम्मीदवारों की उम्र 18 से 23 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

सैलरी : उम्मीदवारों को 7 वें सीपीसी के अनुसार, सैलरी लेवल 3 के तहत रु. 21700 से रु. 69100 और अन्य भत्ते दिए जाएंगे।

बैंक ऑफ बड़ौदा में रिलेशनशिप मैनेजर सहित 346 पदों पर निकली भर्ती

बैंक ऑफ बड़ौदा ने 346 पदों पर भर्ती निकाली है। कैंडिडेट्स ऑफिशियल वेबसाइट bankofbaroda.in पर 20 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं। यह भर्तियां सीनियर रिलेशनशिप मैनेजर, ई-वेल्थ रिलेशनशिप मैनेजर, ग्रुप सेल्स हेड (वर्चुअल आरएम सेल्स हेड) और ऑपरेशंस हेड-वेल्थ के विभिन्न पदों को भरने के लिए निकाली गई है।

योग्यताः सीनियर रिलेशनशिप मैनेजरः सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन।

ई-वेल्थ रिलेशनशिप मैनेजरः ग्रेजुएशन।

ग्रुप सेल्स हेड (वर्चुअल आरएम सेल्स हेड): ग्रेजुएशन।

ऑपरेशंस हेड-वेल्थः ग्रेजुएशन की डिग्री। प्रतिष्ठित कॉलेजों से एमबीए या समकक्ष डिग्री रखने वाले उम्मीदवारों को वरीयता दी जाएगी।

आयु सीमा : सीनियर रिलेशनशिप मैनेजरः 24 से 40 साल।

ई-वेल्थ रिलेशनशिप मैनेजरः 23 से 35 साल।

ग्रुप सेल्स हेड (वर्चुअल आरएम सेल्स हेड): 31 से 45 साल।

ऑपरेशंस हेड-वेल्थः 35 से 50 साल।

मध्य प्रदेश राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में ग्रुप 2 भर्ती परीक्षा के लिए नोटिफिकेशन जारी

मध्य प्रदेश राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में समूह 2 उपसमूह 2 के अंतर्गत सहायक लेखा अधिकारी, लेखपाल, आदि पदों पर भर्ती के लिए योग्य उम्मीदवारों का सिलेक्शन होना है। इसके लिए आयोजित की जाने वाली संयुक्त भर्ती परीक्षा 2022 का नोटिफिकेशन और नियम-पुस्तिका जारी कर दी है। इन पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा 18 और 19 नवंबर 2022 को होगी। इसका आयोजन भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और सतना शहरों में बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर होगा। हालांकि, एमपीपीईबी ने भर्ती परीक्षा नोटिफिकेशन में खाली पदों की संख्या की घोषित नहीं की है।

उम्मीदवारों को 500 रुपये के शुल्क का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से करना होगा। हालांकि, राज्य के आरक्षित वर्गों के उम्मीदवारों के लिए यह शुल्क 250 रुपये है। इसके अतिरिक्त उम्मीदवारों को पोर्टल शुल्क अलग से देना होगा। उम्मीदवार आवेदन में करेक्शन 27 अक्टूबर 2022 तक कर सकेंगे।

मध्य प्रदेश ग्रुप 2 पदों के लिए आयोजित की जाने वाली संयुक्त भर्ती परीक्षा 2022 के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट, peb.mp.gov.in पर उपलब्ध कराए जाने वाले ऑनलाइन अप्लीकेशन फॉर्म के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे।

खूब पढ़ें, बढ़िया नींद लें, काम करने के साथ-साथ छुट्टी भी जरूरी

बहुत समय से मेरा डेली शेड्यूल बनाने की चाह हो रही थी, यहां मैं आपको कुछ पावर टिप्स शेयर कर रहा हूँ। स्टूडेंट्स, कॉम्पिटिटिव एग्जाम एस्पिरेंट्स और प्रोफेशनल्स के लिए ये वैल्युएबल प्रोडक्टिविटी टिप्स हैं। यदि आप नहीं चाहते कि 'सुबह होती है शाम होती है जिंदगी यूं ही तमाम होती है' की तर्ज पर जीवन एक दिन समाप्त हो जाए, तो इन पावर टिप्स को आज, अभी, इसी वक्त से अप्लाई करना शुरू करें ।

* चलते रहिए

मैं आपको फिजिकली चलने को कह रहा हूं! रोज आधा घंटा या एक घंटा पैदल चलें। अकेले चलें, दोस्तों के साथ नहीं । पैदल चलते समय मोबाइल में ध्यान न दें, खुद के साथ रहें। आपको मेंटली बहुत स्पष्टता आती जाएगी, छोटी छोटी बातों में। मुद्दे सुलझते दिखेंगे। दिमाग नए पैटर्न बनाएगा। खुद को समय दें, चलते-चलते। मैं ये लगभग रोज करता हूं, और बेनिफिट जोरदार हैं!

* पढ़ते रहिए

रोज 30 मिनट से 1 घंटा सीरियस रीडिंग करें और अपने दिमाग को खुराक दें, ये उसकी जरूरत है। बिना रीडिंग के दिमाग ठहर जाएगा और नए आइडिया आने के दरवाजे बंद हो जाएंगे। स्टूडेंट्स को डिप्रेशन होने लगेगा (मोनोटोनस रूटीन से) और प्रोफेशनल्स को बोरडम। अच्छी बुक्स और लिटरेचर पढ़ने से आप एक्टिव हो जाएंगे। मेरे प्रोफेशन में तो मुझे रोज 4 से 5 घंटे पढ़ना ही पड़ता है! आनंद-परमानन्द!

* काम की लिस्ट बनाइए

आज क्या-क्या करना है, लिखते चलिए, और हर मिनट का प्रॉपर यूज करिए। नहीं तो आप बहुत समय वेस्ट करते जाएंगे। टाइम से ज्यादा कीमती कुछ नहीं। मैं बरसों से डेली लिस्ट बनाते आया हूं, और जबरदस्त टाइम सेविंग हुई है।

* छोटे कदम लेते रहिए

लम्बी-लम्बी छलांग रोज नहीं लगती, लेकिन छोटे-छोटे कदम रोज लेते सकते हैं। कोई आपको रोजाना थोड़ा आगे बढ़ने से नहीं रोक सकता। तो एक कदम लें, कुछ नया सीख लें। कुछ नया करें। खुद को रोज आगे बढ़ाएं। एक साल में बहुत कुछ बदल जाएगा। मैं छुट्टियों के अलावा हर दिन ऐसा करने की कोशिश करता हूं।

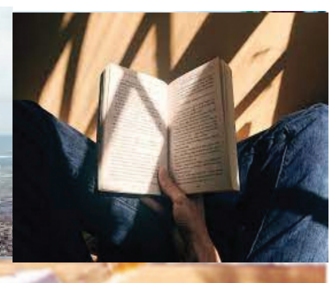

* हॉबी फॉलो करते रहिए

सारी जिंदगी कुछ हॉबी फॉलो करते रहें, कुछ भी। आपको लाइफ में रस मिलेगा, खुशी मिलेगी। स्टूडेंट्स के लिए कॉम्पिटिटिव एग्जाम प्रिपरेशन में ये बहुत पावरफुल होता है। मेरी हॉबीज हैं गिटार बजाना, रीडिंग करना, पढ़ाना, लिखना, ड्राइविंग करना। वेटलिफ्टिंग भी थी, लेकिन वो अब छोड़ दी!

* प्रायोरिटी तय करें

हर काम महत्वपूर्ण नहीं होता, इसलिए काम की प्रायोरिटी की सूची बनाइए। सबसे जरूरी काम हो जाएं फोकस ये होना चाहिए। अधिक इनकम और अधिक मार्क्स स्कोर करने के लिए लो प्रायोरिटी आइटम्स को कम अटेंशन दें। मैंने कई बार गलतियां कर के ये सबक सीखा है।

* बढ़िया नींद लें

आप हो सके तो सात घंटे की नींद अच्छे से लें। आपकी प्रोडक्टिविटी टॉप लेवल पर चलेगी। कम नींद से हेल्थ बिगड़ जाएगी और मेन्टल बैलेंस भी। मैं छह घंटे की नींद तो लेता ही लेता हूं।

*अपने भीतर के बच्चे को मरने न दें

उम्र बढ़ते जाने का मतलब अपने अंदर के छोटे बच्चे को मार देना नहीं होता। वो मासूमियत और सरलता हमेशा जिंदा रखें, वही तो इंसान होने का सबूत है! मैं आज भी कॉमिक्स पढ़ता हूं, जैसे की टिनटिन, एसट्रिक्स और बहुत कुछ!

* खुद से बात करें

ये पागलपन नहीं बल्कि मच्योरिटी की निशानी है। आप खुद से हर बात बिना डरे, बिना झिझके कर सकते हैं। तो करें। अपने मन का गुबार निकाल दें। मुझे ड्राइविंग करते समय खुद से बात करना पसंद है!

* दान दीजिए

बिना किसी पब्लिसिटी की इच्छा के, बिना किसी लालच के, किसी अनजान परेशान इंसान को दान देते रहिए। इससे आपको अंदर से मानवीयता महसूस होगी। मैं कोशिश करता हूं रोज छोटी-मोटी मदद करता रहूं।

* छुट्टी लेते रहिए

हर महीने, कुछ छुट्टियां जरूर लें। हफ्ते के सातों दिन काम करने से नुकसान ही होगा, फायदा नहीं। आपके सिस्टम को रिसेट होने का टाइम दें। मैं कोशिश करके संडे फुल रिलैक्स करता हूं, और साल में दो बार हॉलिडे पर जाता हूं।

*दिल ढूंढता है फिर वही फुर्सत के रात-दिन...

अपने डेली शेड्यूल के बारे में सोचते वक्त सबसे पहले मेरे दिमाग में अपना बचपन और गुलजार की यहीं लाइनें याद आती हैं। फिर समझता हूं कि मैं तो फुल एन्जॉय कर ही रहा हूं, काम को भी, लाइफ को भी!

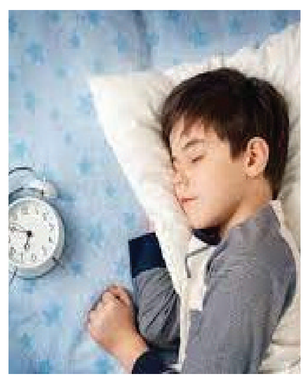

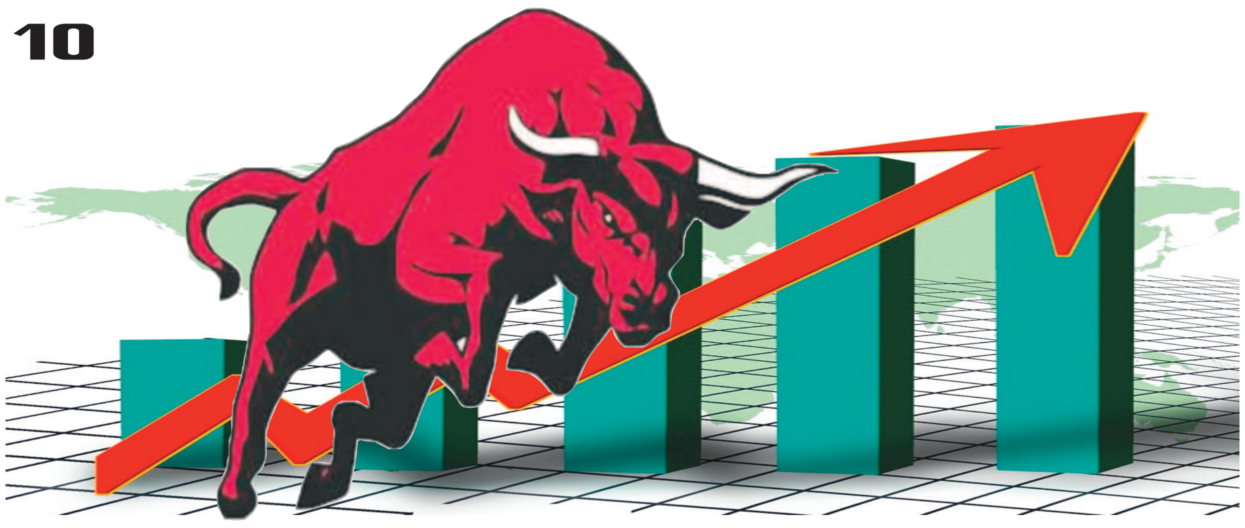

आधार कार्ड से जुड़ी बड़ी जानकारी सामने आई

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के नागरिकों के लिए आधार कार्ड काफी जरूरी दस्तावेजों में से एक है। आधार कार्ड को एक पहचान पत्र के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही कई जरूरी कामों के लिए यह दस्तावेज काफी जरूरी है। आधार कार्ड भारत सरकार की ओर से भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के जरिए जारी एक 12 अंकों की व्यक्तिगत पहचान संख्या है। यह संख्या भारत में कहीं भी पहचान और पते के प्रमाण के रूप में कार्य करती है। भारतीय डाक के माध्यम से प्राप्त आधार कार्ड और यूआईडीएआई की वेबसाइट से डाउनलोड किए गए ई-आधार समान रूप से मान्य हैं। कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसी भी उम्र और लिंग का हो, जो भारत का निवासी है और यूआईडीएआई द्वारा निर्धारित सत्यापन प्रक्रिया को पूरा करता है, आधार के लिए नामांकन कर सकता है। व्यक्तियों को केवल एक बार नामांकन करने की आवश्यकता होती है। हालांकि कई बार ऐसा भी देखने को मिला है कि आधार कार्ड में कुछ अपडेट भी करवाना पड़ता है। आधार कार्ड में कुछ अपडेट भी आसानी से किया जा सकता है। इसमें लोग एड्रेस भी अपडेट करवा सकते हैं। हालांकि लोग चाहते हैं वो अपना एड्रेस स्थानीय भाषा में अपडेट करे। वहीं कुछ लोगों को इस बात की जानकारी नहीं है कि वो अपना एड्रेस अपनी स्थानीय भाषा में भी अपडेट करवा सकते हैं। ऐसा मुमकिन है। अंग्रेजी के अलावा लोग असमिया, बंगाली, अंग्रेजी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु और उर्दू भाषा में अपने एड्रेस में सुधार या अपडेट कर सकते हैं।

महंगाई के मोर्चे पर आरबीआई की रिपोर्ट राहत देने वाली

अगले वित्त वर्ष में घटकर इतने पर आ जाएगी मुद्रास्फीति

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। महंगाई का लगातार उच्च स्तर पर बने रहना भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लिए नीतिगत चिंता का एक महत्वपूर्ण विषय बना हुआ है लेकिन सामान्य बरसात और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान दूर होने से अगले वित्त वर्ष में दबाव कम होने की संभावना है। आरबीआई की एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। आरबीआई की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल 2023 से शुरू होने वाले अगले वित्त वर्ष में खुदरा मुद्रास्फीति नियंत्रण में आ जाएगी और इसका स्तर 5.2 फीसदी तक रहने की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष में इसके 6.7 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया है।

मानूसन बेहतर होने से बढ़ी उम्मीद

आरबीआई ने 'मौद्रिक नीति रिपोर्ट सितंबर 2022' में कहा, ''सामान्य मानसून, आपूर्ति श्रृंखलाओं में बने व्यवधानों के लगातार दूर होने और कोई अन्य बाहरी या नीतिगत झटका नहीं लगने की स्थिति में वित्त वर्ष 2023-24 में मुद्रास्फीति के औसतन 5.2 फीसदी रहने का अनुमान है।''

जनवरी 2022 से मुद्रास्फीति का स्तर आरबीआई की संतोषजनक ऊपरी सीमा (छह प्रतिशत) से भी अधिक बना हुआ है। अप्रैल में तो मुद्रास्फीति 7.8 फीसदी के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी हालांकि बाद में इसमें कमी आनी शुरू हुई, फिर भी यह अस्वीकार्य उच्च स्तर पर बनी हुई है। महंगाई को काबू में करने के लिए शुक्रवार को आरबीआई ने नीतिगत दर रेपो 0.5 प्रतिशत बढ़ाकर 5.9 प्रतिशत कर दी। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिये मुद्रास्फीति अनुमान को 6.7 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। दूसरी छमाही में इसके करीब छह प्रतिशत पर रहने का अनुमान है।

2022-23 के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान 6.7% पर बरकरार

आरबीआई ने रूस-यूक्रेन युद्ध से पैदा हुए चुनौतीपूर्ण वैश्विक भू-राजनीतिक हालात के बीच चालू वित्त वर्ष 2022-23 के लिए अपने मुद्रास्फीति के अनुमान को 6.7 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। दूसरी छमाही में इसके करीब छह प्रतिशत पर रहने का अनुमान है। तीसरी तिमाही के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान 6.5 प्रतिशत और मार्च तिमाही के लिए 5.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि अगस्त में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति सात प्रतिशत थी, जो आरबीआई के संतोषजनक स्तर से ऊपर है। केंद्रीय बैंक को मुद्रास्फीति को 2-6 प्रतिशत के बीच रखने की जिम्मेदारी दी गई है। अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में खुदरा महंगाई दर पांच प्रतिशत रहने का अनुमान है।

एविएशन की दुनिया में आएगी क्रांति

अगले पांच वर्षों में लगभग 80 नए हवाईअड्डों को तैयार करेगा भारत

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में अगले चार से पांच वर्षों में लगभग 80 हवाईअड्डों को जोड़े जाने की संभावना है। विमानन नियामक ने कहा है कि हवाईअड्डों पर उड़ानों के संचालन को शुरू करने के लिए कुछ जरूरतों को पूरा करने की जरूरत है। पिछले आठ वर्षों में देश में हवाईअड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 141 हो गई है और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार, अगले चार से पांच वर्षों में यह बढ़कर 220 हो जाएगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने गोवा में मोपा सहित देशभर में 21 ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों की स्थापना के लिए 'सैद्धांतिक' मंजूरी दे दी है।

इसमें महाराष्ट्र में नवी मुंबई, शिरडी और सिंधुदुर्ग, कर्नाटक में कलबुर्गी, विजयपुरा, हसन और शिवमोग्गा, मध्य प्रदेश में डबरा, उत्तर प्रदेश में कुशीनगर और नोएडा (जेवर), गुजरात में धोलेरा और हीरासर (राजकोट), पुडुचेरी में कराईकल, आंध्र प्रदेश में दगदार्थी (नेल्लोर), भोगापुरम और ओर्वाकल (कुरनूल), पश्चिम बंगाल में दुर्गापुर, सिक्किम में पाक्योंग, केरल में कन्नूर और अरुणाचल प्रदेश में होलोंगी (ईटानगर) शामिल है। अब तक आठ ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे - दुर्गापुर, शिरडी, सिंधुदुर्ग, पकयोंग, कन्नूर, कलबुर्गी, ओरवाकल और कुशीनगर का संचालन किया गया है। उड्डयन मंत्रालय के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2022-23 में केंद्र ने हिमाचल प्रदेश सरकार को मंडी के नागचला में एक नए ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के विकास के लिए साइट मंजूरी दी है।

इसके अलावा, आरसीएस-उड़ान के तहत वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान विकास के लिए 35 हवाई अड्डों, हेलीपैड और जल हवाईअड्डों को लक्षित किया गया है। एक अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा उद्देश्यों के लिए डीजीसीए सीएआर (नागरिक उड्डयन) के अनुसार, एक हवाईअड्डे को अपनी प्रबंधन प्रणालियों, परिचालन प्रक्रियाओं, भौतिक विशेषताओं, बाधाओं के मूल्यांकन और उपचार, दृश्य सहायता, बचाव और अग्निशमन सेवाओं के बारे में विनिर्देशों को पूरा करने की जरूरत है।

डीमैट खाताधारकों के लिए जरूरी खबर

सेबी ने टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन की बढ़ाई तारीख

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। बाजार नियामक सेबी ने डीमैट अकाउंट होल्डर्स को बड़ी राहत दी है. एक सर्कुलर जारी कर जानकारी दी है कि डीमैट खाते पर टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन को फिलहाल लागू नहीं किया जा रहा है. अभी सेबी इस मामले पर नए नियमों को बनाने के बाद इसे 1 अप्रैल 2023 से लागू करेगा. ध्यान देने वाली बात ये है कि 14 जून 2022 को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने करोड़ो डीमैट अकाउंट होल्डर्स के लिए एक नोटिफिकेशन जारी किया था. इस नोटिफिकेशन में कहा गया था कि सभी डीमैट खाताधारकों को 30 सितंबर 2022 तक अपने खाते का टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन इनेबल करना होगा. ऐसा न करने की स्थिति में खाताधारक अपने खाते में लॉगिन नहीं कर पाएंगे, लेकिन अब सेबी ने इसकी समय सीमा को बढ़ा दिया है.

क्या है डीमैट अकाउंट?

अगर आप स्टॉक एक्सचेंज में निवेश करना चाहते हैं तो आपके पास डीमैट खाता जरूरी होना चाहिए. इसके बिना आप शेयर खरीद नहीं सकते हैं. इसके साथ ही अगर आप म्यूचुअल फंड, बॉन्ड आदि निवेश ऑप्शन में पैसे डिजिटली रूप से लगाना चाहते हैं तो आपको डीमैट खाते की आवश्यकता पड़ेगी.

टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन क्या है?

डीमैट खाते में टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन के बारे में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने जून में एक सर्कुलर जारी कर दिया था. अब इसके मेंबर्स को अपने डीमैट अकाउंट में लॉगिन करने के लिए एक ऑथेंटिकेशन फैक्टर के तौर पर बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन का उपयोग करना है. वहीं दूसरा ऑथेंटिकेशन नॉलेज फैक्टर हो सकता है.

एसबीआई के निवेशकों को 29 गुना बंपर रिटर्न

5 लाख करोड़ रुपये हुआ मार्केट कैप

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अपने शेयर निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है. एसबीआई ने अपने शेयर होल्डर्स को 30 साल से भी कम समयावधि में 29 गुना रिटर्न दिया है. एसबीआई के मार्केट कैप की बात करें तो उसने 5 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर लिया है. एसबीआई अब एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के बाद इस आंकड़े को पार करने वाला तीसरा सबसे बड़ा बैंक बन गया है.

शेयरों में 12 फीसदी की तेजी

आम लोगों का सबसे भरोसेमंद एसबीआई बैंक के शेयरों में इस साल 12 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है. इसमें आगे और भी तेजी देखी जा सकती है. निवेश के लिए मार्केट एक्सपर्ट्स ने 680 रुपये का टारगेट प्राइस निश्चित किया है. एसबीआई के शेयरों की वर्तमान कीमत से 28 फीसदी ज्यादा है. बीएसई पर शुक्रवार को एसबीआई के शेयर 531.05 रुपये के भाव पर बंद हुए हैं.

निवेशकों को 29 गुना रिटर्न

एसबीआई के शेयर ने अपने निवेशकों को शानदार मुनाफा कमा कर दिया हैं. 14 जुलाई 1995 को इसके शेयर 18.59 रुपये के भाव पर थे, जो आज बढ़कर 531.05 रुपये के लेवल तक पहुंच गए हैं. इस तरह से इसने अपने शेयर होल्डर्स के पैसों को 30 साल से भी कम समय में करीब 29 गुना बढ़ा दिया है. कुछ दिन पहले 15 सितंबर को इसके शेयर करीब 578.65 रुपये के रिकॉर्ड भाव पर पहुंचे थे. लेकिन प्रॉफिट बुकिंग के चलते यह गिरकर 531.05 रुपये के भाव तक आ गया है.

क्या हैं एक्सपर्ट की राय

ब्रोकरेज फर्म के आर चोकसी के एनालिस्ट्स का मानना है कि एसबीआई का बैंकिंग सिस्टम भारत में सबसे दमदार स्थिति में है. अन्य पीएसयू बैंकों की तुलना में किसी भी अनिश्चितता से निपटने के लिए एसबीआई आगे के लिए भी बेहतर स्थिति में है. वित्त वर्ष 2022-24 में इसका प्रॉफिट 29 फीसदी की कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट (सीएजीआर) और एडवांसेज 13 फीसदी की सीएजीआर से बढ़ सकता है. यानि वित्त वर्ष 2024 तक सुधरकर 0.9 फीसदी और आरओई 15.1 फीसदी पर पहुंच सकता है. केआर चोकसी ने इसे बाय रेटिंग दी है और टारगेट प्राइस को 617 रुपये से बढ़ाकर 680 रुपये कर दिया है.

डीजल पर सरकार ने विंडफॉल टैक्स में की कटौती

आखिर किसे होगा फायदा

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने छठी पखवाड़ा समीक्षा में घरेलू कच्चे तेल और डीजल पर अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) में कटौती कर दी है। इसके साथ ही जेट ईंधन के निर्यात पर खत्म कर दिया गया है। आइए जानते हैं कि सरकार के इस फैसले के क्या मायने हैं और किसे इसका फायदा होगा। कितनी हुई कटौतीः घरेलू उत्पादित कच्चे तेल पर यह टैक्स 10,500 रुपये प्रति टन से घटाकर 8,000 रूपये प्रति टन किया है। डीजल के निर्यात पर इसे 10 रुपये प्रति लीटर से घटाकर पांच रुपये प्रति लीटर कर दिया गया। यह कदम अंतरराष्ट्रीय दरों में गिरावट के बाद उठाया गया है। वहीं, एटीएफ (एविएशन टर्बाइन फ्यूल) के निर्यात पर 5 रुपये प्रति लीटर की दर वाले इस कर को समाप्त कर दिया गया है। 1 जुलाई से लागूः सरकार ने एक जुलाई को घरेलू स्तर पर निकाले गए कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर लगाने का फैसला किया था।

जहां पेट्रोल, डीजल एवं विमान ईंधन के निर्यात पर शुल्क लगाए गए वहीं स्थानीय स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर विशेष अतिरिक्त सीमा शुल्क (एसएईडी) लगाया गया। आपको बता दें कि यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई थी। इस दौरान तेल कंपनियों ने निर्यात के जरिए काफी मुनाफा कमाया था। इसी मुनाफे पर सरकार ने अप्रत्याशित लाभ कर लगाया है। इससे सरकारी खजाने में मोटी रकम पहुंच रही है।

नहीं रहे सुजलॉन एनर्जी के फाउंडर तुलसी तांती, 64 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। एनर्जी सेक्टर की दिग्गज कंपनी सुजलॉन एनर्जी के फाउंडर तुलसी तांती का निधन हो गया है। 1 अक्टूबर को देर रात कंपनी ने शेयर बाजार को इसकी जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि कार्डियक अरेस्ट की वजह से तांती का निधन हुआ है। बता दें कि तुलसी तांती की उम्र 64 साल थी। उनके परिवार में बेटी निधि और बेटा प्रणव हैं। बता दें कि 1995 में सुजलॉन एनर्जी की स्थापना के साथ तांती ने भारत में विंड एनर्जी सेक्टर की अगुवाई की। उन्होंने भारतीय रिन्यूएबल एनर्जी में भी ग्लोबल चुनौतियों के बीच वर्चस्व बनाने की कोशिश की। तांती का निधन ऐसे समय में हुआ है जब कंपनी 240 करोड़ शेयरों के राइट्स इश्यू के माध्यम से लगभग 1,200 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। बीते सितंबर माह में ही सुजलॉन एनर्जी के निदेशक मंडल ने राइट्स इश्यू के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। राइट्स इश्यू होने से इन शेयरों को खरीदने का अधिकार मौजूदा शेयरधारकों को ही होगा। कंपनी दो रुपये के फेस वैल्यु वाले 240 करोड़ शेयरों की पेशकश पांच रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर करेगी। शेयर का भावः बीते शुक्रवार को सुजलॉन एनर्जी के स्टॉक में करीब 3 फीसदी की तेजी आई। स्टॉक का भाव 8.72 रुपये पर है। 6 सितंबर को शेयर का भाव 24.95 रुपये पर था, यह 52 वीक का हाई लेवल है।

छठ और दीपावली पर बिहार वासियों के लिए बड़ी खुशखबरी

त्योहार पर चलेगी स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। देशभर में त्योहारों की सीजन शुरू हो चुका है। इस महीने दिवाली और छठ जैसे बड़े त्योहार हैं। इन त्योहारों पर दूसरे राज्यों में काम करने वाले लाखों लोग अपने गृह राज्यों में जाते हैं। इस दौरान ट्रेनों में सीट मिलना मुश्किल हो जाता है। लेकिन भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए बड़ी राहत दी है। बिहार के लिए कल यानी 3 अक्टूबर से कई फेस्टिव स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। दिल्ली-बिहार रूट पर ये ट्रेनें लोगों की काफी सुविधाएं बढ़ाएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रेलवे ने त्योहारों के दौरान होने वाली यात्रियों की भीड़ को देखते हुए ट्रेनें चलाने का फैसला लिया है। ट्रेन संख्या 05315/05316 छपरा-दिल्ली-छपरा फेस्टिव स्पेशल को चलाया जाएगा। बता दें कि ट्रेन संख्या 05315 छपरा से दिल्ली तक 3 अक्टूबर से 10 नवंबर तक हर सोमवार और गुरुवार को चलेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 05316 फेस्टिव स्पेशल ट्रेन दिल्ली से छपरा तक 4 अक्टूबर से 11 नवंबर तक हर मंगलवार और शुक्रवार को चलेगी। इन ट्रेनों में

सफर करने के लिए यात्री टिकट बुक करा सकते हैं। इसमें यात्रा करने वाले यात्रियों को कोविड-19 के संबंध में समय-समय पर जारी सभी मानकों का पालन करना होगा। इसी तरह से दिल्ली-गया-नई दिल्ली रिजर्व सुपरफास्ट फेस्टिवल एक्सप्रेस 17 अक्टूबर से 11 नवंबर तक चलाई जाएगी। ये ट्रेन नई दिल्ली से हर सोमवार और शुक्रवार को रवाना होगी। इसके अलावा आनंद विहार-जयनगर-आनंद विहार स्पेशल ट्रेन 18 अक्टूबर से 11 नवंबर के बीच चलाए जाने की योजना है। ये ट्रेन आनंद विहार से हर मंगलवार और शुक्रवार को रवाना होगी।

नहीं होगी खाद्य तेलों की कीमतों में वृद्धि

सरकार ने आयात शुल्क छूट को मार्च 2023 तक बढ़ाया

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय खाद्य मंत्रालय में रविवार को कहा कि विशिष्ट खाद्य तेलों पर जारी रियायती आयात शुल्क मार्च 2023 तक जारी रहेगा। सरकार की ओर से यह फैसला ऐसे समय पर लिया गया है, जब वैश्विक अस्थिरता के चलते देश में महंगाई 7 प्रतिशत पर बनी हुई है। इससे खाद्य तेलों की कीमतें कम रखने में सरकार को मदद मिलेगी। बता दें, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) की ओर से 31 अगस्त 2022 को ये निर्णय लिया था, जिससे देश में खाद्य तेल की आपूर्ति को बढ़ाया जा सके। ताजा बयान में खाद्य मंत्रालय ने कहा है कि विशिष्ट

खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में छूट मार्च 2023 तक जारी रहेगी।

कम हो रही खाद्य तेलों की कीमतें

मंत्रालय ने कहा है कि वैश्विक स्तर पर खाद्य तेलों की कीमतों में कमी आने के कारण देश में भी कीमतें तेजी से नीचे जा रही हैं। इसके कारण भारत में रिटेल खाद्य तेलों की कीमतों में भी गिरावट आ रही है। क्रूड पाम ऑयल, आरबीडी पामोलिन, आरबीडी पाम ऑयल, क्रूड सोयाबीन ऑयल, रिफाइंड सोयाबीन ऑयल, क्रूड सनफ्लावर ऑयल और रिफाइंड सनफ्लावर ऑयल पर मौजूदा शुल्क संरचना में 31 मार्च 2023 तक कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

खाद्य तेलों पर शून्य है आयात शुल्क

मौजूदा समय में पाम ऑयल, सोयाबीन ऑयल और सनफ्लावर ऑयल पर आयात शुल्क शून्य है। वहीं, अगर पांच प्रतिशत एग्री सेस और उस पर 10 प्रतिशत सोशल वेलफेयर सूचकांक को मिला लिया जाए, तो इन तीनों खाद्य तेलों पर 5.5 प्रतिशत का कर लिया जा रहा है।

बड़ी मात्रा में खाद्य तेल आयात करता है भारत

भारत अपनी जरूरत का करीब 60 प्रतिशत खाद्य तेल विदेशों से आयात करता है। पिछले कुछ महीनों में वैश्विक बाजारों में अस्थिरता के कारण खाद्य तेलों की कीमतें ऊंचाई पर पहुंच गई थी। हालांकि अब उनकी कीमतों में कमी आनी शुरू हो गई है।

टॉप 10 में से 7 कंपनियों का मार्केट कैप घटा

रिलायंस को हुआ सबसे अधिक नुकसान

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में से सात कंपनियों का सम्मिलित बाजार मूल्यांकन पिछले हफ्ते शेयर बाजारों में काफी हद तक गिरावट का रुख रहने से 1,16,053.13 करोड़ रुपये घट गया और सर्वाधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को उठाना पड़ा। बीते सप्ताह में बीएसई के मानक सूचकांक सेंसेक्स में 672 अंक यानी 1.15 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सर्वाधिक मूल्यांकन रखने वाली शीर्ष 10 कंपनियों में से पिछले सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस और एचडीएफसी नुकसान में रहीं। वहीं टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और इंफोसिस के लिए यह हफ्ता बाजार मूल्यांकन के हिसाब से फायदेमंद साबित हुआ। सर्वाधिक मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को इस हफ्ते अपने बाजार मूल्यांकन में 41,706.05 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। सप्ताह के अंत में उसका बाजार पूंजीकरण 16,08,601.05 करोड़ रुपये पर आ गया। वहीं एसबीआई का मूल्यांकन 17,313.74 करोड़ रुपये घटकर 4,73,941.51 करोड़ रुपये रह गया। निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 13,806.39 करोड़ रुपये गिरकर 6,01,156.60 करोड़ रुपये पर आ गया। इसी तरह एचडीएफसी बैंक के मूल्यांकन में 13,423.6 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 7,92,270.97 करोड़ रुपये रह गया। इस दौरान आवासीय वित्त कंपनी एचडीएफसी लिमिटेड का मूल्यांकन 10,830.97 करोड़ रुपये गिरकर 4,16,077.03 करोड़ रुपये पर आ गया। वहीं बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 10,240.83 करोड़ रुपये घटकर 4,44,236.73 करोड़ रुपये हो गया। भारती एयरटेल के मूल्यांकन में भी बीते हफ्ते 8,731.55 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई और यह 4,44,919.45 करोड़ रुपये रहा।हालांकि इंफोसिस के मूल्यांकन में इस सप्ताह 20,144.57 करोड़ रुपये की बढ़त रही और यह कुल 5,94,608.11 करोड़ रुपये हो गया। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की एक अन्य कंपनी टीसीएस का भी मूल्यांकन 7,976.74 करोड़ रुपये की वृद्धि के साथ 10,99,398.58 करोड़ रुपये हो गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) का बाजार पूंजीकरण बीते सप्ताह 4,123.53 करोड़ रुपये बढ़कर 6,33,649.52 करोड़ रुपये हो गया। बाजार पूंजीकरण में इस उतार-चढ़ाव के बावजूद रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, एसबीआई, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस और एचडीएफसी का स्थान आता है।

क्या चीन ने ताइवान पर हमले की कर ली है तैयारी

सैटेलाइट कैमरे में कैद हुआ ड्रैगन का 'वॉर प्लान'

हांगकांग, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। क्या चीन ने ताइवान पर हमले की तैयारी कर ली है? क्या पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने टारगेट लॉक कर लिए हैं? क्या 16 अक्टूबर से पहले चीन करेगा ताइवान पर हमला? ये सवाल यूं ही नहीं उठ रहे हैं। अंतरिक्ष में मौजूद एक सैटेलाइट ने चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के मिशन ताइवान से जुड़ी एक सनसनीखेज तस्वीर कैप्चर की है। तस्वीरों में चीन की सीक्रेट मिलिट्री ड्रिल से जुड़े कई राज डीकोड हुए हैं। किस तरह चीनी सैनिकों को ताइवान के तट पर पहुंचाने की ट्रेनिंग हो रही है। इस पर भी पड़ा खुलासा हुआ है। तस्वीरों में जो चीन की हरकत दिख रही है, इसे ऑपरेशन ताइवान के लिए चीन का वॉर ब्लूप्रिंट भी माना जा रहा है। समंदर में इस वॉर रिहर्सल की सबसे बड़ी बात ये थी कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की नेवी एम्फिबियस असाल्ट शिप के साथ ताकत दिखा रही थी। पीएलए की इस सैन्य ड्रिल का एक ही मकसद था, दुश्मन को खबर भी न लगे और टारगेट पर स्ट्राइक हो जाए।

चीन ने सैनिकों को कराई प्रैक्टिस

चीन ने मेगा वॉर ड्रिल को 31 अगस्त को अंजाम दिया था। इस युद्धाभ्यास में चीन ने कार ढोने वाले जहाजों से सैनिकों को भेजने की प्रैक्टिस भी की। बो हाई हेंग टोंग नाम के 15 हजार टन मल्टीपर्पज कार्गो शिप के अलावा चीन की इस वॉर ड्रिल में सिविलियन शिप का भी इस्तेमाल हुआ है, जिससे आशंका जताई जा रही है कि हमले के लिए चीन छल का भी इस्तेमाल कर सकता है।

ताइवान और अमेरिका हुए अलर्ट

इसके अलावा चीन से जुड़ी एक और खबर ने ताइवान समेत अमेरिका को अलर्ट कर दिया है। चीन छठवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान बनाने में पूरी ताकत झोंक रहा है। चीन की तैयारियां बता रही हैं कि वो ताकत में अमेरिका से पीछे नहीं रहना चाहता लेकिन अमेरिका का कहना है कि चीन का मिशन अमेरिका की तुलना काफी पीछे है।

फुटबॉल मैच के दौरान 129 की मौत

फैंस मैदान में घुसे और फिर शुरू हुआ तांडव

जकार्ता, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंडोनेशिया में एक फुटबॉल मैच के दौरान हुई भगदड़ में 129 लोग मारे गए। 180 लोग घायल हुए हैं। घटना शनिवार की रात पूर्वी जावा के कंजुरुहान स्टेडियम में हुई। इंडोनेशियाई की बीआरआई लीग-1 में अरेमा एफसी और पर्सेबाया सुरबाया के बीच मैच चल रहा था। पर्सबाया की टीम हार गई। मैच हारने वाली टीम के समर्थक मैदान में घुस गए। इन्हें रोकने के लिए पुलिस को आंसू गैस छोड़नी पड़ी, जिससे भगदड़ मच गई।

34 लोगों की मौत स्टेडियम में ही हो गई

पुलिस ने बताया कि घटना में 127 लोगों की मौत हो गई है, इनमें से दो पुलिस अधिकारी हैं। स्टेडियम के अंदर मौके पर ही 34 लोगों की मौत हो गई और बाकी की अस्पताल में हुई है। घटना के वीडियो भी सामने आए हैं, इनमें फैंस ने सुरक्षाकर्मियों पर सामान फेंकते दिख रहे हैं। भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसूगैस के गोले छोड़े। इंडोनेशिया के फुटबॉल संघ (पीएसएसआई) ने बयान जारी कर घटना पर दुख जताया है। पीएसएसआई ने कहा कि खेल के बाद जो हुआ उसकी जांच की जाएगी और इसके लिए एक टीम मलंग के लिए रवाना हो गई है। पीटी लीगा इंडोनेशिया बारू (एलआईबी) के अध्यक्ष अखमद हदियन लुकिता ने कहा कि हम इस घटना का गहरा दुख है। उम्मीद है कि यह हम सभी के लिए एक सबक होगा।

पेरू स्टेडियम में हुई भगदड़ में 320 लोग मारे गए थे

1964 में पेरू के लीमा नेशनल स्टेडियम में भगदड़ हुई थी। इसमें 320 लोगों की मौत हो गई थी। 1,000 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

मिस्र के पोर्ट सेड स्टेडियम में हुई हिंसा के दौरान 74 लोगों की मौत हो गई थी।

1989 में यूके के हिल्सबोरो स्टेडियम में भगदड़ मचने के बाद 96 लोगों की मौत हो गई थी।

न्यायाधीश को धमकाने के आरोप में

पूर्व पीएम इमरान खान के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

इस्लामाबाद, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के एक मजिस्ट्रेट ने एक महिला न्यायाधीश को धमकाने के एक प्रकरण में शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इसके बाद से उन अटकलों को हवा मिली कि उन्हें गिरफ्तार भी किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि 20 अगस्त को एक रैली को संबोधित करते हुए खान ने अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश, ज़ेबा चौधरी के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी की थी। इसके बाद, पूर्व प्रधानमंत्री खान के खिलाफ राजधानी के मारगल्ला थाने में एक मामला दर्ज किया गया। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने उनके विरूद्ध अवमानना कार्यवाही शुरू की थी। उक्त मामले में, एक स्थानीय मजिस्ट्रेट ने पुलिस के अनुरोध पर गिरफ्तारी वारंट जारी किया। पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख पर पहले, आतंकवाद से संबंधित कानूनों के तहत मामला दर्ज किया गया था, लेकिन इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के निर्देश पर आरोप हटा दिए गए थे और मामले को आतंकवाद निरोधक अदालत से सामान्य सत्र अदालत में स्थानांतरित कर दिया गया था।

लाइमैन पर यूक्रेन का दोबारा कब्जा

रूसी सैनिकों को पीछे हटना पड़ा, रूस ने तेज की बमबारी

कीव, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूक्रेनी बलों ने शनिवार को एक जवाबी कार्रवाई में रणनीतिक पूर्वी शहर लाइमैन के कई क्षेत्रों को फिर अपने कब्जे में ले लिया है। पांच से छह हजार रूसी सैनिकों को शहर से पीछे हटना पड़ा। रूस की समाचार एजेंसियों ने रूसी रक्षा मंत्रालय के हवाले से यह जानकारी दी है। लाइमैन यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर और एक महत्वपूर्ण परिवहन केंद्र खारकीव से 160 लिोमीटर दक्षिण-पूर्व में है। इसे रूसी नियंत्रण से वापस लेना यूक्रेन के लिए एक नई जीत है। उधर रूस ने यूक्रेनी क्षेत्र में फिर बमबारी तेज कर दी है। मालूम हो कि लाइमैन शहर रूसी सैनिकों के लिए जमीनी संचार और रसद दोनों के लिए एक प्रमुख परिवहन केंद्र के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण स्थल भी रहा है। अब रूस के हाथ से इसके निकल जाने से यूक्रेनी सैनिक लुहांस्क क्षेत्र में आगे तक बढ़ने की कोशिश कर सकते हैं जो रूस द्वारा शुक्रवार को एक जनमत संग्रह के जरिए अपनी भूमि में मिलाए गए चार क्षेत्रों में से एक है।

रूस पर यूक्रेनी एटमी ऊर्जा संयंत्र प्रमुख को अगवा करने का आरोप

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के चार यूक्रेनी क्षेत्रों के रूसी संघ में विलय के ठीक दूसरे दिन रूस पर जपोरिझिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र के महानिदेशक को अगवा करने का आरोप लगा है। यह आरोप यूक्रेन के परमाणु ऊर्जा प्रदाता ने लगाया। कंपनी एनर्गोटम ने कहा कि रूसी सेना ने संयंत्र के प्रमुख इहोर मुराशोव का अपहरण कर लिया है। संयंत्र पर रूसी सैनिकों का कब्जा है। एनर्गोटम अध्यक्ष पेट्रो कोटिन ने कहा, रूसी सैनिकों ने मुराशोव की कार को रोका, उनकी आंखों पर पट्टी बांधी और फिर उन्हें एक अज्ञात स्थान पर ले गए।

पुतिन ने 'दोहरे मानक' पर की पश्चिम की निंदा

राष्ट्रपति पुतिन ने दुनिया को पश्चिम की औपनिवेशिक नीति, भारत-अफ्रीका में लूटपाट, दास व्यापार व अमेरिकी परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के बारे में याद दिलाया। उन्होंने पश्चिमी देशों की नियम आधारित विश्व व्यवस्था पर जोर को 'अव्वल दर्जे का धोखा' बताया और उनके 'दोहरे मानक' की निंदा की।

पुतिन के सहयोगी ने यूक्रेन में कम विकिरण वाले परमाणु हथियारों का उपयोग करने की दी सलाह

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सहयोगी और चेचन गणराज्य के नेता रमजान कादिरोव ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शहर लाइमैन पर यूक्रेन का फिर से कब्जा करने और रूसी सैनिकों की वापसी के मद्देनजर पुतिन को युद्ध के मैदान में कम विकिरण वाले परमाणु हथियारों का उपयोग करने की सलाह दी है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने सीएनएन के हवाले से बताया है कि यूक्रेन में रूसी सेना को हार का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए राष्ट्रपति पुतिन पर परमाणु उपयोग करने का दबाव बढ़ता जा रहा है। कादिरोव ने अपने टेलीग्राम चैनल पर कहा कि मुझे नहीं पता कि रक्षा मंत्रालय सर्वोच्च कमांडर-इन-चीफ को क्या रिपोर्ट करता है, लेकिन मेरी व्यक्तिगत राय है कि हमें सीमावर्ती क्षेत्रों में मार्शल लॉ घोषित करने और कम-प्रभाव वाले परमाणु हथियारों का उपयोग करने सहित अधिक कठोर उपाय करने की आवश्यकता है। यूक्रेन में पश्चिमी अमेरिकी समुदाय को ध्यान में रखते हुए हर निर्णय लेने की आवश्यकता नहीं है। चेचन नेता ने रणनीतिक शहर लाइमैन से रूसी सेना की वापसी के बीच रूसी जनरलों को भी फटकार लगाई और कहा कि क्रेमलिन के लिए कठोर कदम उठाने का समय आ गया है।

संयुक्त राष्ट्र की 36 सदस्यीय विमानन परिषद से रूस बाहर

संयुक्त राष्ट्र की विमानन एजेंसी की संचालन परिषद में रूस को पुनर्निर्वाचित नहीं किया गया है। रूस के परिषद से बाहर होने को पश्चिमी देशों की कामयाबी माना जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन (आईसीएओ) की 36 देशों वाली संचालन परिषद में बने रहने के लिए रूस को पर्याप्त वोट नहीं मिल पाए। मोंटेरियल में परिषद की बैठक सात अक्तूबर तक चलेगी।

3500 फुट की ऊंचाई पर था विमान, जमीन से की गई फायरिंग, विमान में बैठे यात्री को लगी गोली

म्यांमार, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। म्यांमार में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. आसमान में उड़ रहे विमान पर एक व्यक्ति फायर करता है और प्लेन में बैठे एक यात्री को गोली लग जाती है. 'द सन' की रिपोर्ट के मुताबिक म्यांमार नेशनल एयरलाइंस का एक प्लेन 63 पैसेंजर को लेकर लोइकाव (पूर्वी राज्य काया की राजधानी) एयपोर्ट पर उतरने वाला था जब यह पूरी घटना घटी. इस दौरान एक शख्स ने विमान पर फायर कर दिया. उस वक्त प्लेन करीब 3500 किलोमीटर की ऊंचाई पर उड़ रहा था. हैरानी की बात यह है कि गोली विमान में बैठे एक यात्री को लग जाती है. इस घटना से जुड़ी जो तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई हैं उनमें साफ दिख रहा है कि गोली विमान की बाहरी परत को भेद कर यात्री को जा लगी.

खालिस्तानी निज्जर फिर बना सरे गुरुद्वारा मैनेजिंग कमेटी का अध्यक्ष

भारत में है 10 लाख का इनाम

कोलंबिया,2 अक्टूबर (एजेंसियां)।खालिस्तान समर्थक नेता हरदीप सिंह निज्जर को कनाडा के क्षेत्राधिकार में स्थित ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में गुरु नानक सिख गुरुद्वारा की मैनेजिंग कमेटी का अध्यक्ष चुना गया है। यह दूसरी बाह है जब निज्जर को यहां पर निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है। निज्जर भारत में कई आतंकी गतिविधियों में लिप्त रहा है इसके चलते यह वांटेड है। निज्जर एक अलगाववादी संगठन 'सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे)' से जुड़ा हुआ है। यह संगठन भी भारत में बैन है। यह दूसरी बार गुरुद्वारा का अध्यक्ष चुना गया है जो कि सिख समुदाय के लिए बहुत ज्यादा धर्मिक महत्व रखता है। हाल ही में निज्जर ने कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में हुए खालिस्तान जनमत संग्रह में अहम भूमिका निभाई थी। कनाडा में हुए इस एंटी भारत एक्टिविटी का विरोध भारत ने कनाडियन सरकार से किया था। निज्जर के पंजाब में कथित आतंकी घटनाओं में संलिप्त होने के मामले में भारत ने कनाडा सरकार से निज्जर पर कार्रवाई करने के लिए भी कहा था। पिछली साल पंजाब के जालंधर में एक हिंदू पुजारी की हत्या की गई थी। इस मामले में इस साल सितंबर में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने चार्जशीट दायर की थी। इस चार्जशीट में 4 मुख्य आरोपियों का नाम दिया गया था। इससे पहले एनआईए ने निज्जर पर कई मामलों में संलिप्त होने की वजह से 10 लाख का इनाम घोषित किया था। इसके अलावा भी निज्जर का नाम कई आतंकी घटनाओं में शामिल हुआ है। पंजाब में आंतकी गतिविधियों में भी कई बार निज्जर का नाम सामने आया है। निज्जर ने अपने ऊपर लगे आतंकी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उसने कहा है, 'मैं कनाडा में 30 साल से हूं। मैं वेंकोवर के गुरुद्वारे में एक सेवादार हूं। मुझे बिना वजह टारगेट किया जा रहा है।'

कनाडा में अब भगवत गीता पार्क में तोड़फोड़

जांच के आदेश जारी

टोरंटो, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। कनाडा में भारतीयों के खिलाफ हिंसा जारी है। अब यहां के भगवत गीता पार्क के प्रतीक चिह्न को तोड़ा गया है। इसकी पुष्टि मेयर पैट्रिक ब्राउन ने की है। उन्होंने बताया, हाल ही में इस पार्क का अनावरण किया गया था। इस घटना से पहले कनाडा के स्वामीनारायण मंदिर में भी तोड़फोड़ की खबर सामने आई थी। इसके बाद भगवत गीता पार्क की घटना ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। वहीं मेयर पैट्रिक ब्राउन ने इस घटना की निंदा की और कहा कि हम इसके लिए जीरो टॉलरेंस रखते हैं। उन्होंने कहा कि मामले की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि ऐसी घटनाओं के खिलाफ सरकार कड़े कदम उठाएगी।

मोदी सरकार ने जारी की थी एडवाइजारी

इससे पहले कनाडा में हुई गोलीबारी में एक भारतीय छात्र को गोली लग गई थी। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। इसके बाद भारत सरकार की ओर से कनाडा में रहने वाले छात्रों व अन्य नागरिकों के अलावा वहां की यात्रा करने वाले नागरिकों के लिए एडवाइजारी जारी की गई थी। इसमें कहा गया था कि हाल की घटनाओं को देखते हुए भारतीयों को ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है।

जापान में फिर जोरदार भूकंप से कांपी धरती

रिक्टर स्केल पर आंकी गई 5.7 तीव्रता, डेंजर जोन में आता है यह देश

, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। जापान के क्यूशू द्वीप में रात करीब साढ़े 8 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5,7 मापी गई है। इस बात की जानकारी यूएस जियोलॉजिकल सर्वे ने दी है। फिलहाल भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। हालांकि भूकंप की तीव्रता कम नहीं थी। भूकंप के झटके महसूस होते ही लोग घरों से बाहर निकल आए। जापान में अभी सप्ताहभर पहले भी भूकंप आया था। यहां के आओमोरी इलाके में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4,0 मापी गई थी। लेकिन इस बार भूकंप की तीव्रता पिछले सप्ताह आए भूकंप से ज्यादा है। भूकंप के झटके महसूस करते ही लोगों में अफरातफरी मच गई थी। सभी अपने।अपने घरों से बाहर निकल आए थे। इससे पहले इसी साल मार्च माह में भी जापान में शक्तिशाली भूकंप आया था। इस भूकंप के कारण चार लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 90 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। भूकंप उत्तरी जापान के फुकुशिमा तट पर आया था। भूकंप का केंद्र समुद्र से 60 किमी नीचे था।

हाल ही में ताइवान में आया था जोरदार भूकंप, रिक्टर स्केल पर 7,2 की थी तीव्रता

ताइवान में भी पिछले दिनों शक्तिशाली भूकंप आया था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 7,2 आंकी गई। यह तीव्रता खतरनाक स्तर की मानी जाती है। ताइवान के युजिंग शहर में 7,2 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे ने बताया था कि ताइवान के युजिंग से 85 किमी पूर्व में एक जोरदार भूकंप आया। ताइवानी मीडिया के मुताबिक भूकंप के केंद्र के पास एक दो मंजिला इमारत ढह गई थीं। वहीं राजधानी ताइपे में द्वीप के उत्तरी एरिया में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। इससे एक दिन पहले भी 6.5 तीव्रता का भूकंप यहां आया था।

पापुआ न्यू गिनी में भी आया था 7,6 तीव्रता का भूकंप

इसी तरह पिछले दिनों प्रशांत महासागर में पापुआ न्यू गिनी के दूरवर्ती इलाके में 7,6 तीव्रता के भूकंप का झटका महसूस किया गया था। इससे इसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई थी। प्राधिकारियों ने बताया कि कुछ लोग घायल भी हुए हैं और इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है। भूकंप के झटके पूरे देश में महसूस किए गए थे।

यूएस के फ्लोरिडा में अब तक सबसे खतरनाक तूफान

47 लोगों की मौत; पीएम मोदी ने जताया शोक

न्यूयॉर्क, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के फ्लोरिडा तूफान 'इयान' ने भारी तबाही मचाई है। अब तक देश में 47 लोगों की इस तूफान में जान जा चुकी है। वैश्विक स्तर पर इयान तूफान से मरने वालों की संख्या अब 54 हो गई है। मौतों के आंकड़ों को फ्लोरिडा राज्य के चिकित्सकों की टीम ने इकट्ठा किया है और उनके मुताबिक कई लोगों की मौत तूफान के बाद आई बाढ़ में डूबने से हुई है। शक्तिशाली तूफान ने पश्चिमी क्यूबा, फ्लोरिडा और साउथ कैरोलिना में अत्यधिक कहर बरपाया है। अमेरिका के नेशनल गार्ड के प्रमुख जनरल डेनियल होंकसन ने बताया कि शनिवार को 1 हजार से अधिक लोगों को फ्लोरिडा के दक्षिण पश्चिमी तट से सुरक्षित निकाला गया है। नदी में आई बाढ़ से बचाव कार्य और आपूर्ति बहाल करने में बाधा उत्पन्न हुई। मियक्का नदी में आई बाढ़ की वजह से अंतर राज्य मार्ग संख्या 75 का कुछ हिस्सा बह गया, जिससे शनिवार को इस पर यातायात रोक दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कैरोलिना में तूफान से 4 लोगों की मौत हुई और इनमें से अधिकतर मौतें पेड़ गिरने और बिजली की चपेट में आने से हुई हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में 2,80,000 घरों में बिजली की आपूर्ति बाधित है। उत्तरी कैरोलिना में तूफान की वजह से हुए सड़क हादसे में 2 लोगों की मौत हुई है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने कहा है कि फलोरिडा के इतिहास में आया यह सबसे खतरनाक तूफान हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तूफान 'इयान' के कहर से अमेरिका में हुए जान व माल के नुकसान पर रविवार को शोक जताया और राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रति संवेदना व्यक्त की। मोदी ने एक ट्वीट में कहा, 'तूफान इयान से जनजीवन की हानि और तबाही के लिए मैं राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रति गहरी संवेदना और सहानुभूति प्रकट करता हूं।

महिला ने 2 लोगों पर लगाया 10 बार रेप करने का झूठा आरोप, फिर केस में आ गया ये ट्विस्ट

एसेक्स, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। झूठ के पांव नहीं टिकते, एक झूठ चाहे 100 बार बोला जाए पर वो हमेशा झूठ ही रहता है और ये भी सच है कि बुराई पर अच्छाई की हमेशा जीत होती है. ऐसा ही एक मामला सामने आया है ब्रिटेन यानी यूके में जहां लगातार झूठ का खेल खेलनी वाली एक महिला को आखिरकार उसके गलत कामों की सजा मिल गई है. दरअसल एसेक्स निवासी 35 साल की कैथी रिर्डसन नाम की एक महिला ने 2 पुरुषों पर 10 बार रेप का आरोप लगाया था. लेकिन बाद में पुलिस की जांच में पता चला कि ये सारे आरोप झूठे थे. स्थानीय पुलिस के मुताबिक महिला के आरोपों की जांच के लिए पुलिस महकमे की कई टीमें करीब 60 बार एक्टिव हुईं. इस दौरान महिला के आरोपों की जांच के लिए फॉरेंसिक द्वारा जुटाए गए सबूतों से सच का पता लगाया गया. जांच अधिकारियों ने पाया कि सीसीटीवी, फोन डेटा और स्वचालित नंबर प्लेट पहचान कैमरों की जानकारी से पता चला कि कथित आरोपी उस समय इलाके में दूर-दूर तक नहीं दिख रहे थे.

गंभीर आर्थिक संकट से कमरतोड़ महंगाई, मजबूरी में देह व्यापार करने को मजबूर हुईं लड़कियां

कोलंबो, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्रीलंका में जारी गंभीर आर्थिक संकट के कारण अब बड़ी संख्या में लड़कियां देह व्यापार करने को मजबूर हो रही हैं। खासकर गरीब घरों की लड़कियां मजबूरी में ये धंधा अपना रही हैं। इन परिवारों के लिए अकल्पनीय महंगाई का सामना करना अब लगातार ज्यादा मुश्किल होता जा रहा है। इस वर्ष श्रीलंका में महंगाई दर लगातार लगभग 70 प्रतिशत के आसपास चल रही है। लड़कियों के देह व्यापार में धकेले जाने के बारे में ताजा खुलासा पूर्व राष्ट्रपति मैत्रिपला सिरिसेना ने किया है। सिरिसेना ने श्रीलंका के अखबार अरुणा को दिए एक विशेष इंटरव्यू में यह बात कही। उन्होंने कहा कि बिगड़ते आर्थिक हालात के कारण सामाजिक समस्याएं ज्यादा गंभीर हो गई हैं। उन्होंने कहा- 'जो परिवार अब खर्च उठाने की स्थिति में नहीं हैं, उन घरों की लड़कियां वेश्यावृत्ति का सहारा ले रही हैं। पुलिस अधिकारियों ने हमें बताया है कि ऐसा बड़े पैमाने पर हो रहा है।' डॉलर की तुलना में श्रीलंकाई मुद्रा की कीमत इस समय 360 रुपये तक गिर चुकी है। इस वर्ष आर्थिक संकट शुरू होने के समय ये कीमत 182 रुपये थी। उधर, महंगाई लगातार उस सीमा पर है, जिसके बारे में पहले कभी सोचा तक नहीं गया था। इन हालात के बीच बड़ी संख्या में श्रीलंकाई परिवार अपनी जगहों से विस्थापित हुए हैं। उधर, गरीब परिवारों की लड़कियां देह व्यापार को अपनाने पर मजबूर हुई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बड़ी संख्या में लोग नौकरी की तलाश में पश्चिम एशियाई देशों की तरफ पलायन कर गए हैं। इन हालात के बीच कई अर्थशास्त्रियों और राजनीतिक दलों के नेताओं ने सरकार से मुद्रा विनिमय को नियंत्रित करने की मांग की है, ताकि रुपये की गिरती कीमत पर लगाम लग सके। साथ ही उन्होंने गरीब परिवारों को आर्थिक मदद देने की अपील की है। लेकिन सरकारी सूत्रों ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की कड़ी शर्तों के कारण सरकार के हाथ बंधे हुए हैं। आईएमएफ ने नोट छाप कर जनता की सहायता करने की नीति ना अपनाने की शर्त लगाई है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, आईएमएफ की ऐसी शर्तें श्रीलंका में लगातार अधिक अलोकप्रिय होती जा रही हैं। कई हलकों से शिकायत की गई है कि आईएमएफ ने 2.9 बिलियन डॉलर का कर्ज मंजूर करने के बावजूद अभी तक कोई रकम जारी नहीं की है। इस बीच राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की सरकार ने खुद को आईएमएफ की शर्तों से बांध लिया है। विनिमय दर को नियंत्रित करने और नोट छाप कर लोगों की मदद करने के मुद्दों पर देश में तीखी बहस छिड़ गई है। विनिमय नियंत्रित करने के समर्थक अर्थशास्त्रियों ने दलील दी है कि आर्थिक संकट के वक्त ऐसी नीति कई लैटिन अमेरिकी देशों ने अपनाई थी। आज भी जिन देशों में ऐसी नीति है, वहां की मुद्रा बेहतर स्थिति में है। इसमें हांगकांग, खाड़ी सहयोग परिषद के सदस्य देशों और वियतनाम का जिक्र किया गया है।

क्या भगत सिंह को फांसी से बचा सकते थे गांधी

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। गांधीजी चाहते तो भगत सिंह की फांसी रुक सकती थी, वे कोशिश करते तो भारत और पाकिस्तान का बंटवारा भी रोक सकते थे। ऐसे ढेरों आरोप हैं, जो अक्सर गांधीजी के ऊपर उछाले जाते रहे हैं। गांधी जयंती पर सोचा क्यों न गांधी पर लगे आरोपों की सच्चाई जांची जाए। तो चलिए शुरू करते हैं कि सच्चाई क्या है?

पटेल की जगह नेहरू को प्रधानमंत्री बनाया

29 अप्रैल 1946 को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में नया अध्यक्ष चुना जाना था। ये चुनाव इसलिए सबसे अहम था क्योंकि भारत की आने वाली अंतरिम सरकार का प्रधानमंत्री कांग्रेस अध्यक्ष को ही बनाया जाना तय किया गया था। कांग्रेस अध्यक्ष के लिए मैदान में दो नाम थे- पटेल और नेहरू। नेहरू तभी निर्विरोध अध्यक्ष चुने जा सकते थे, जब पटेल अपना नाम वापस लेते। कृपलानी ने पटेल के नाम वापसी की अर्जी लिखकर दस्तखत के लिए पटेल की तरफ बढ़ा दी। पटेल ने कागज पर दस्तखत नहीं किए और अर्जी गांधी की तरफ बढ़ा दी। गांधी ने उसे नेहरू की तरफ बढ़ाते कहा, 'जवाहर, वर्किंग कमेटी के अलावा किसी भी प्रांतीय कमेटी ने तुम्हारा नाम नहीं सुझाया है। तुम्हारा क्या कहना है?' मगर नेहरू यहां चुप रहे।

गांधी ने वह कागज पटेल की तरफ वापस बढ़ाया और इस बार पटेल ने अपनी नाम वापसी पर दस्तखत कर दिए। फौरन ही कृपलानी ने नेहरू के निर्विरोध कांग्रेस अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा कर दी। गांधी ने एक इंटरव्यू में कहा था- जवाहर नंबर दो स्थिति में आने के लिए कभी तैयार नहीं होंगे। दोनों सरकारी गाड़ी को खींचने के लिए दो बैल होंगे। इनमें अंतराष्ट्रीय मामलों के लिए नेहरू और राष्ट्र के काम के लिए पटेल होंगे। गांधी ने एक और मौके पर कहा था कि जिस समय हुकूमत अंग्रेजों के हाथों से ली जा रही हो, उस समय भी कोई दूसरा आदमी नेहरू की जगह नहीं ले सकता। वे हैरो के विद्यार्थी, कैंब्रिज के स्नातक और लंदन के बैरिस्टर होने के नाते अंग्रेजों को बेहतर ढंग से संभाल सकते हैं। पटेल के उग्र तेवर और बढ़ती उम्र भी गांधी के इस रुख की वजह हो सकती है। पटेल गांधी से केवल 6 साल छोटे थे, जबकि नेहरू पटेल से करीब 15 साल छोटे थे। 1947 में जब देश आजाद हुआ तो सरदार पटेल 71 साल के थे और नेहरू सिर्फ 56 साल के।

दोबारा कांग्रेस अध्यक्ष बनने पर सुभाष चंद्र बोस की खिलाफत

1938 में हुए कांग्रेस के हरिपुरा अधिवेशन में सुभाष चंद्र बोस को अध्यक्ष चुना गया। उन्होंने अपनी ऊर्जा से सभी को हैरान कर दिया। हालांकि तब तक गांधी के साथ उनके मतभेद सामने आने लगे थे। सुभाष चंद्र बोस ने पत्नी एमिलि शेंकल को पत्र लिखा, ये संदेहजनक है कि मैं अगले साल फिर से पार्टी का अध्यक्ष बन पाऊं। कुछ लोग गांधी जी पर दबाव डाल रहे हैं कि इस बार कोई मुसलमान अध्यक्ष बनना चाहिए, यही गांधी जी भी चाहते हैं। किंतु मेरी अभी तक उनसे कोई बात नहीं हुई है। इसी माहौल में 29 जनवरी 1939 को त्रिपुरी में कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव हुए। इस पद के लिए महात्मा गांधी की पहली पसंद अबुल कलाम आजाद माने जा रहे थे। कलाम के मना करने के बाद गांधी ने पट्टाभि सीतारमैया को उम्मीदवार बनाया। सुभाष को 1580 वोट मिले और सीतारमैया को 1377 । गांधी जी और पटेल के पूरा जोर लगाने के बाद भी वो जीत नहीं सके। गांधीजी ने सार्वजनिक तौर पर इसे अपनी हार माना। इसी समय गांधी जी कांग्रेस वर्किंग कमेटी से अलग हो गए। इसके बाद पटेल और अन्य कई सदस्यों ने भी कार्य समिति से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद सुभाष के लिए अपने पद पर बने रहना बेहद मुश्किल हो गया। अप्रैल 1939 में अखिल भारतीय कांग्रेस कार्यसमिति की कलकत्ता बैठक में सुभाष ने इस्तीफा दे दिया। उनकी जगह राजेंद्र प्रसाद ने ले ली। बोस ने कांग्रेस के अंदर ही अपनी पार्टी फॉरवर्ड ब्लॉक बनाई। हालांकि सुभाष अभी बंगाल प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष थे, लेकिन जुलाई 1939 में उस पद से भी हटाकर उन्हें तीन बरस के लिए किसी अन्य पद के लिए भी अयोग्य घोषित कर दिया गया।

महात्मा क्रांतिकारी भगत सिंह को बचा सकते थे?

8 अप्रैल, 1929 को भगत सिंह ने अपने साथी बटुकेश्वर दत्त के

साथ दिल्ली में केंद्रीय असेंबली में दो बम फेंके और मौके से ही गिफ्तारी भी दी। भगत सिंह का मकसद किसी को मारना नहीं था। पब्लिक सेफ्टी बिल और ट्रेड डिस्प्यूट एक्ट के विरोध के साथ आजादी की आवाज दुनिया तक पहुंचाना था। भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को 7 अक्टूबर 1930 को फांसी की सजा सुनाई गई और तय तारीख से एक दिन पहले 23 मार्च 1931 को लाहौर जेल में फांसी दे दी गई। फांसी से 17 दिन पहले यानी 5 मार्च 1931 को वायसराय लॉर्ड इरविन और महात्मा गांधी के बीच एक समझौता हुआ, जिसे गांधी इरविन पैक्ट के नाम से जानते हैं। समझौते की प्रमुख शर्तों में हिंसा के आरोपियों को छोड़कर बाकी सभी राजनीतिक बंदियों को रिहा किया जाना शामिल था। इसके अलावा भारतीय को समुद्र किनारे नमक बनाने का अधिकार, आंदोलन के दौरान इस्तीफा देने वालों की बहाली, आंदोलन के दौरान जब्त संपत्ति वापस किए जाने जैसी बातें शामिल थीं। इसके बदले में कांग्रेस ने सविनय अवज्ञा आंदोलन स्थगित कर दिया और दूसरे गोलमेज सम्मेलन में जाने को राजी हो गई। इतिहासकार एजी नूरानी लिखते हैं कि भगत सिंह का जीवन बचाने में गांधी ने आधे-अधूरे प्रयास किए। भगत सिंह की मौत की सजा को कम करके उम्र कैद में बदलने के लिए उन्होंने वायसराय से जोरदार अपील नहीं की थी। इतिहासकार और गांधी पर कई किताबें लिखने वाले अनिल नौरिया का कहना है कि गांधी ने भगत सिंह की फांसी को कम कराने के लिए तेज बहादुर सप्रू, एमआर जयकर और श्रीनिवास शास्त्री को वायसराय के पास भेजा था।

गांधी जी के मुताबिक, 'भगत सिंह और उनके साथियों के साथ बात करने का मौका मिला होता तो मैं उनसे कहता कि उनका चुना हुआ रास्ता गलत और असफल है। ईश्वर को साक्षी रखकर मैं ये सत्य जाहिर करना चाहता हूं कि हिंसा के मार्ग पर चलकर स्वराज नहीं मिल सकता। सिर्फ मुश्किलें मिल सकती हैं।

बंटवारा रोकने के लिए जिन्ना को भी पीएम बनाने के लिए तैयार थे बापू

तारीखः 3 जून, 1947, समयः शाम 4 बजे। गुलाम भारत के अंतिम गवर्नर जनरल और वायसराय लुइस माउंटबेटन रेडियो पर आते हैं। वो भारत की आजादी का दिन यानी 15 अगस्त 1947 के साथ देश के बंटवारे का भी ऐलान करते हैं। इसे माउंटबेटन प्लान कहा गया। इसके साथ ही शुरु हुआ दुनिया का सबसे बड़ा पलायन। अगस्त 1947 से लेकर मार्च 1948 के बीच 45 लाख हिंदू और सिखों को पाकिस्तान छोड़ना पड़ा। इसी तरह सरहद से इस पार से करीब 60 लाख मुस्लिम भारत छोड़कर उस तरफ चले गए। कुल मिलाकर एक करोड़ से ज्यादा लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े। इस दौरान हुए दंगों और भुखमरी से 10 लाख लोग मारे गए।

आज आजादी के 75 साल बाद भी यह सवाल पूछा जाता है कि यह भयावह बंटवारा हुआ क्यों? क्या महात्मा गांधी इसके लिए जिम्मेदार थे? यों तो भारत का बंटवारा 14 अगस्त 1947 को हुआ था, लेकिन इसकी शुरुआत बहुत पहले हो चुकी थी। 18 जुलाई 1947 को ब्रिटिश किंग ने भारत के बंटवारे की योजना को मंजूरी दे दी थी, जब उन्होंने इंडियन इंडिपेंस एक्ट पर हस्ताक्षर किए थे।

सच तो यह था कि इस समय तक केवल दो ही नेता थे जो भारत के बंटवारे के खिलाफ थे। पहले थे- महात्मा गांधी और दूसरे खान गफ्फार खान। जवाहर लाल नेहरू और सरदार पटेल के साथ बाकी कांग्रेसी नेताओं ने 3 जून को ही बंटवारे के माउंटबेटन के प्लान को स्वीकार कर लिया था।

महात्मा गांधी तो 1 अप्रैल 1947 को बेहद परेशान होकर माउंटबेटन से मिलने पहुंचे थे। उनका मकसद था कि किसी भी तरह भारत के बंटवारे को रोका दिया जाए। इसके लिए उन्होंने मोहम्मद अली जिन्ना को प्रधानमंत्री बनाने का ऑफर दे दिया था। इस पर माउंटबेटन ने गांधी से कहा कि वह इस मामले में जवाहरलाल नेहरू से बात करना चाहते हैं। जब नेहरू वायसराय से मिले, तो उन्होंने भी महात्मा गांधी की बात दोहराई। नेहरू बोले- उन्हें इस बात से कोई दिक्कत नहीं, लेकिन जिन्ना पहले ही यह ऑफर खारिज कर चुके हैं। इसके बाद जिन्ना फिर से भारत के प्रधानमंत्री की पोस्ट ऑफर की गई, तो उन्होंने इसे फिर खारिज कर दिया। जिन्ना बोले- आजाद भारत को लेकर मिस्टर गांधी के जो विचार हैं, वो हमसे बुनियादी तौर पर अलग हैं।

साल 1915 में अखिल भारतीय हिंदू महासभा का गठन किया गया। इसे मदनमोहन मालवीय ने बनाया था। विनायक दामोदर सावरकर और लाला लाजपत राय भी इसके संस्थापकों में शामिल थे। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक 1937 में अहमदाबाद में सावरकर ने कहा था कि हिंदू और मुसलमान दो अलग-अलग राष्ट्र हैं। दोनों का हक इस भूमि पर एक बराबर नहीं है।

पाकिस्तान को 55 करोड़ देने के पक्ष में थे गांधी

बात 20 अगस्त 1947 की है। पांच दिन पहले ही अस्तित्व में आई पाकिस्तानी सेना ने कश्मीर पर कब्जे के लिए ऑपरेशन गुलमर्ग के नाम से साजिश रचना शुरू कर दी। योजना के मुताबिक 22 अक्टूबर को हथियारबंद कबाइलियों ने मुजफ्फराबाद पर हमला कर दिया। 26 अक्टूबर तक हालात ऐसे हो गए कि राजा हरि सिंह ने जम्मू-कश्मीर का भारत में विलय के पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए। फौरन ही एयरलिफ्ट के जरिए कश्मीर पहुंची भारतीय सेना ने कबाइलियों के साथ पाकिस्तानी सेना को खदेड़ना शुरू कर दिया। इधर, बंटवारे के दौरान यह तय हुआ था कि बड़ा देश होने के नाते भारत पाकिस्तान को 75 करोड़ रुपए देगा। भारत ने पाकिस्तान को 20 करोड़ की पहली किश्त दे दी थी, इस दौरान पाकिस्तान ने कश्मीर पर हमला कर दिया। भारत में सरकार से लेकर सेना को पता था कि अगर बचे 55 करोड़ रुपए पाकिस्तान को दिए गए तो उसका इस्तेमाल भारत के खिलाफ युद्ध में होगा। नतीजतन भारत सरकार ने पाकिस्तान को दी जाने वाली दूसरी किश्त रोक दी।

तब लॉर्ड माउंटबेटन भारत के गवर्नर जनरल थे। उनका मानना था कि भारत को पाकिस्तान को उसके हिस्से का पैसा देना चाहिए, क्योंकि दोनों देशों के बीच यह समझौता हुआ है। महात्मा गांधी का भी मानना था भारत को समझौते के मुताबिक पाकिस्तान के हिस्से के पैसे देने चाहिए। यह उसकी नैतिक जिम्मेदारी है।

बापू आज भी दिखा रहे राह

महात्मा गांधी के जीवन से जुड़े वो किस्से जो सिखाते हैं आधुनिक व्यावसायिक चुनौतियों का सामना कैसे करें

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। महात्मा गांधी देश के आइकॉन हैं। बिजनेस और पॉलिटिकल लीडर्स उनकी उपलब्धियों से अचंभित रहते हैं। बेहतर लीडरशिप और मैनेजमेंट स्किल्स की कबिलियत रखने वालों में सबसे बड़ा उदाहरण भी हैं 'बापू'। उनकी काम करने की शैली से हम सेल्फ मैनेजमेंट, लीडरशिप, इमोशनल इंटेलिजेंस, नेगोसिएशन स्ट्रैटेजी, इकोनॉमिक्स, कम्युनिकेशन, रूरल एंपावरमेंट, कानून, एथिक्स और कॉर्पोरेट गवर्नेंस सीख सकते हैं। मैनेजमेंट मंत्रा में बापू से सीखिए सेल्फ मैनेजमेंट, इमोशनल इंटेलिजेंस, सोशल इन्क्लूशन और लीडरशिप के गुण।

सेल्फ मैनेजमेंट - 'व्यक्ति के विचार ही उसका चरित्र गढ़ते हैं। हम जैसा सोचते हैं, वैसे बन जाते हैं।' मैनेजमेंट की शुरुआत हमेशा खुद से होती है। महात्मा गांधी का स्वभाव था कि वो खुद को सुधारने की कोशिश करते रहते थे। विचारों में सुधार, कार्यों में सुधार। बचपन में एक दोस्त की बातों में आकर माता-पिता को बिना बताए गांधी जी ने मांस का सेवन शुरू कर दिया। उन्होंने ऐसा लगभग 6-7 बार किया लेकिन उनके दिल में एक टीस बैठ गई थी। उन्हें जल्द ही अपराध बोध का एहसास होने लगा और उन्होंने कसम खाई कि जीवन में फिर कभी मांस नहीं खाएंगे। शाकाहार को ही अपनाएंगे। बचपन से ही गांधी जी अपने आप से बात किया करते थे। वो अक्सर अपनी अंतरात्मा के साथ विचारों की लड़ाई लड़ते थे, 'सेल्फ एनालिसिस' करते थे।

सबक- गांधीजी खुद से सवाल करते थे और अपने आचरण की पूरी जिम्मेदारी लेते थे। सेल्फ मैनेजमेंट का मतलब यह नहीं होता है कि आप परफेक्ट बनें और आपसे कभी गलती न हो। सेल्फ मैनेजमेंट का मतलब है खुद को समझना और कमियों को स्वीकार कर आगे बढ़ना।

इमोशनल इंटेलिजेंस- 'मेरी मर्जी के बिना कोई मुझे दुख नहीं पहुंचा सकता।' लंदन के ब्लूम्सबरी पब्लिशिंग हाउस की एक किताब है 'वर्किंग विद इमोशनल इंटेलिजेंस'। इसमें लेखक डैनियल गोलमैन लिखते हैं कि अपनी और दूसरों की भावनाओं को समझने की काबिलियत होना और अपनी भावनाओं को सही ढंग से मैनेज करना बहुत जरूरी होता है। गांधीजी ने अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बेहद कठिन निर्णय लिए थे। जब अफ्रीका में भारतीयों को 'कुली' का नाम दे दिया गया था, भारतीयों पर अलग-अलग प्रतिबंध लगाए जा रहे थे, उन्हें व्यक्तिगत और प्रोफेशनली बेइज्जत किया जा रहा था तब गांधी जी के साथ भी यही हुआ। एक बार एक गोरे नाई ने गांधी जी के बाल काटने से केवल इसलिए इंकार कर दिया कि वो एक भारतीय थे। बस, तभी से उन्होंने तय किया कि वो आत्मनिर्भर बनेंगे और अपने बाल खुद काटेंगे। हालांकि इसका नतीजा बेहद खराब था। उनके बाल बिगड़ गए थे। लेकिन इस घटना को उन्होंने छिपाया नहीं बल्कि सबको बताया कि उनकी इस खराब हेयर स्टाइल की वजह क्या थी।

सबक- हाय इमोशनल इंटेलिजेंस में व्यक्ति अपने मूल्यों से कभी समझौता नहीं करता है। खुद को बेहतर समझना और इस समझ को दूसरों तक पहुंचाना ही असल इमोशनल इंटेलिजेंस होती है। अपने निर्णय पर टिके रहने की काबिलियत और जिम्मेदारी भी इसी में शामिल है।

सोशल इन्क्लूशन- 'खुद को पाने का सबसे अच्छा तरीका है दूसरों की सेवा में खो जाना।'

आज 'सोशल इन्क्लूशन' शब्द का इस्तेमाल दुनियाभर की सरकारें कर रही हैं। लोग अब यह समझ रहे हैं कि मेजोरिटी की कीमत पर माइनॉरिटी की ग्रोथ हानिकारक सिद्ध होती है। टॉलस्टॉय फार्म पर गांधी जी सोशल इन्क्लूशन किया करते थे। यहां हर धर्म के त्योहार मनाए जाते थे।

सभी जाति-धर्म के लोग यहां आते थे और साथ मिलकर त्योहार मनाते थे। लोग यहां अनाज भी उगाते थे, गार्डनिंग करते थे और बच्चों को पढ़ाते भी थे। कोई भी काम यहां छोटा नहीं माना जाता था। सत्याग्रह आश्रम में भी लगभग ऐसा ही माहौल था। वहां हर जाति समुदाय के लोग आते-जाते रहते थे। डूडा भाई 'अछूत' का परिवार सहित वहां आना भी समाज के रीति रिवाजों के विरुद्ध एक साहसिक कदम था।

सबक- 'सोशल इन्क्लूशन' गांधी जी के जीवन का केवल उदाहरण भर नहीं था, यह तो उनके जीवन का सिद्धांत बन गया था। नतीजा यह हुआ कि उनकी एक आवाज पर हजारों लोग जमा हो जाते थे।

लीडरशिप- ' पहले लीडरशिप का मतलब था ताकत, लेकिन अब इसका मतलब है लोगों से मेल जोल बढ़ाना।' चौरी-चौरा आंदोलन के दौरान किसी भी प्रकार की हिंसा करने पर पूरी तरह रोक थी। लोगों को ट्रेन किया गया था कि चाहे जो हो जाए, हिंसा करके जवाबी कार्यवाही नहीं करना है। लेकिन फिर भी जब एक दिन गुस्साई भीड़ ने पुलीस स्टेशन में आग लगा दी तब गांधी जी को अहसास हुआ कि अभी भारतीय लोग अहिंसा के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने तुरंत ही आंदोलन रोक दिया। गांधी जी का संदेश बेहद स्पष्ट था कि आजादी अहिंसा का रास्ता अख्तियार करके ही हासिल करनी है।

सबक- गांधी जी अपनी टीम के साथ हमेशा खड़े रहते थे। ऐसा करने से उन्हें बड़ी चुनौतियों का सामना करने में भी आसानी होती थी। लीडर को हमेशा टीम प्लेयर होना चाहिए और डेमोक्रेटिक लीडरशिप को अपनाना चाहिए।

कभी साबुन-तेल बेचती थी विप्रो आज देश की तीसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी

एक्सक्लूसिव डेस्क, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक 21 वर्षीय लड़का अपने पिता के निधन की वजह से भारत लौटा। घाटे में डूबी पिता की कंपनी की कमान संभाली। फिर उसे सफलता के आसमान में चमकते सितारों के बीच स्थापित कर दिया। कई कारोबार में हाथ आजमाएं कुछ सफल हुए कुछ असफल, लेकिन एक आधुनिक बिजनेस ने उसे भारत के टॉप रईसों में शामिल करा दिया। आज वो दुनिया में अपने कारोबार के अलावा अपने परोपकार के लिए विख्यात है। जी हां..हम बात कर रहे है देश की तीसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी विप्रो के बारे में और आईटी बिजनेस के सम्राट कहे जाने वाले अजीम प्रेमजी के बारे में। मौजूदा समय में विप्रो न तो अपने किसी प्रोडक्ट को लेकर चर्चा में है...न ही अजीम प्रेमजी के किसी दान की वजह से। विप्रो मूनलाइटिंग की वजह से अभी चर्चा में है। दरअसल, एक साथ कई कंपनियों में काम करने का ट्रेंड ही मूनलाइटिंग कहलाता है। विप्रो के चेयरमैन रिशद प्रेमजी ने मूनलाइटिंग पर आपत्ति जताते हुए इसे धोखाधड़ी करार दिया है। विप्रो ने मूनलाइटिंग के आरोप में ही करीब 300 कर्मचारियों को कंपनी से बाहर का रास्ता दिखाया है। अजीम प्रेमजी का जन्म और विप्रो की शुरुआत एक ही साल में दुनिया की प्रमुख आईटी कंपनियों में से एक विप्रो की शुरुआत उसी साल हुई थी, जिस साल अजीम प्रेमजी का जन्म हुआ था। साल था 1945, जब बर्मा से आए अजीम प्रेमजी के पिता हुसैन हाशिम प्रेमजी को अपना सालों पुराना चावल का बिजनेस बंद करना पड़ा। इसके पीछे अंग्रेजी हुकूमत के कुछ नियम थे। बर्मा में उन्हें राइस किंग कहा जाता था। हाशिम प्रेमजी नए अवसर के खोज के लिए मुंबई से करीब 350 किलोमीटर दूर अमलनेर पहुंचे। वहां वो वनस्पति तेल की एक छोटी मिल मालिक को दिए गए कर्ज के सिलसिले में मिलने गए थे। मिल मालिक कर्ज चुकाने में असमर्थ था और उसने हाशिम प्रेमजी से कहा - कर्ज के बदले वो तेल मिल को खरीद लें। यही वो अवसर था जिसकी तलाश हाशिम प्रेमजी को थी। इसके बाद वो चावल के व्यापार से वनस्पति तेल के कारोबार में उतर गए।

दो माह में कंपनी स्टॉक एक्सचेंज पहुंची

अमलनेर में बिजनेस का फॉर्मेट सरल था। इस इलाके के किसान बड़ी मात्रा में मूंगफली उगाते थे। उनकी मूंगफली मिल द्वारा खरीदी जाती थी और उसे प्रोसेस कर उपभोक्ताओं को बेचा जाता था। हाशिम प्रेम जी ने मिल को खरीद लिया और नाम रखा वेस्टर्न इंडिया वेजिटेबल प्रोडक्ट लिमिटेड। 25 दिसंबर 1945 को कंपनी रजिस्टर्ड हुई। दो महीने के भीतर फरवरी 1946 में कंपनी की बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टिंग भी हो गई। कंपनी तो चल पड़ी, लेकिन इसका प्रदर्शन स्थिर नहीं रहा। साल 1950 में कंपनी को पहला घाटा हुआ। हालांकि दो साल बाद वो मुनाफे में जरूर लौटी।

युवा अजीम प्रेमजी

साल था 1966 और तारीख थी 11 अगस्त। अमेरिका की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे एक लड़के ने अभी पिछले महीने ही अपना 21वां जन्मदिन मनाया था। अगले छह महीने में वो ग्रेजुएट होने वाला था। लेकिन एक फोन कॉल ने सबकुछ बदल कर रख दिया। फोन कॉल की दूसरी तरफ लड़के की मां थीं, जिन्होंने उसके पिता की मृत्यु की खबर सुनाई थी। उसे तुरंत वापस भारत लौटना था। भारत में उसे अपने पिता के डूबते कारोबार की जिम्मेदारी संभालनी थी। वो थे 21 साल के अजीम प्रेमजी ...जिन्होंने पिता के जाने के बाद विप्रो को संभाला और दुनिया की प्रमुख आईटी कंपनियों में शामिल किया।

गांव से शुरू हुई विप्रो को विदेश तक पहुंचाया

1965 में ही कंपनी की कीमत लगभग 7 करोड़ रुपए थी। कंपनी उस समय के हिसाब से बड़ी थी लेकिन अजीम प्रेमजी ने लगातार प्रयोग किए और इसे मल्टीनेशनल कंपनी बनाया। भारत से आईबीएम के बाहर जाने के बाद विप्रो ने 1980 में आईटी बिजनेस में कदम रखा। 1960 के दशक में जिस विप्रो ग्रुप का रेवेन्यू 20 लाख डॉलर (अब करीब 16 करोड़ रुपए) था, आज वही विप्रो 2.18 लाख करोड़ के मार्केट कैप वाली कंपनी बन चुकी है। 53 सालों तक कंपनी की अगुआई करने के बाद 31 जुलाई 2019 को अजीम प्रेमजी एग्जिक्यूटिव चेयरमैन की अपनी भूमिका से हट गए। फिलहाल अजीम प्रेमजी के बड़े बेटे रिशद प्रेमजी कंपनी के एग्जिक्यूटिव चेयरमैन हैं।

आईबीएम की विदाई हुई ...विप्रो आईटी सेक्टर में उतरा

जिस समय अजीम प्रेमजी आईटी बिजनेस की तरफ रुख करने की योजना बना रहे थे। उस वक्त देश में इमरजेंसी लगी हुई थी। इमरजेंसी खत्म होने के बाद बनी नई सरकार ने एक ऐसा फैसला किया, जिससे अमेरिकी आईटी कंपनी आईबीएम को भारत छोड़कर जाना पड़ा। अजीम प्रेमजी ने इसे अवसर की तरह देखा और कंप्यूटर के क्षेत्र में उतरने के लिए लाइसेंस के लिए अप्लाई कर दिया। साल 1979 के आखिर तक प्रेमजी की कंपनी को इसका लाइसेंस मिल गया। दशक के समाप्त होते होते वेस्टर्न इंडिया वेजिटेबल प्रोडक्ट लिमिटेड कंप्यूटर बनाने के बिजनेस में उतर गई। इसके बाद साल 1982 में कंपनी का नाम बदलकर विप्रो कर दिया गया।

अजीम प्रेमजी 1995 में दोबारा पढ़ाई शुरू की

साल 1995 में अजीम प्रेमजी ने दोबारा से उसी स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की, जहां से करीब 30 साल पहले पढ़ाई छोड़नी पड़ी थी। प्रेमजी ने कंपनी की तकनीक और प्रोडक्ट को बेहतर करने पर ध्यान दिया। साल 2000 में विप्रो न्यू यॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड हो गई और इसी साल खुला अजीम प्रेमजी फाउंडेशन। आज विप्रो का करोबार दुनिया के 66 देशों में फैला है।

दान कर दिए अपने शेयर

फिलहाल अजीम प्रेमजी ने अपना सारा कारोबार अपने बेटे को सौंप दिया है। 2019 में अजीम प्रेमजी ने 52,750 करोड़ रुपए के अपने शेयर अजीम प्रेमजी फाउंडेशन को दान कर दिए थे। अजीम देश के सबसे बड़े दानदाताओं में से एक हैं। फाउंडेशन के अनुसार, 2019 में प्रेमजी द्वारा दान की गई कुल रकम 1,45,000 करोड़ रुपए (21 अरब डॉलर) हो गई थी। ये विप्रो लिमिटेड के इकोनॉमिक ओनरशिप (आर्थिक स्वामित्व) का 67 फीसदी है। वहीं रिपोर्ट्स की मानें तो वित्त वर्ष 2020-21 में उन्होंने रोजाना 27 करोड़ रुपए दान किए। 2020-21 में अजीम प्रेमजी ने शिव नडार(1263 करोड़ रुपए), मुकेश अंबानी(577 करोड़ रुपए) से भी ज्यादा 9713 करोड़ रुपए दान में दिए।

चाय के बाद अब ट्रेन में चर्चा : 2024 आम चुनाव के लिए भाजपा की नई योजना क्या? बन सकता है मास्टरस्ट्रोक

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में लोकसभा चुनाव को अभी 18 महीने से ज्यादा का समय बचा है। हालांकि, राजनीतिक दलों ने इसके लिए तैयारियां अभी से शुरू कर दी हैं। जहां कांग्रेस ने 'भारत जोड़ो यात्रा' के जरिए दक्षिण से लेकर उत्तर तक चुनावी अभियान की शुरुआत कर दी है। उधर कांग्रेस से इतर बाकी विपक्षी पार्टियों ने भी लोकसभा चुनावों के लिए एकजुटता को बढ़ावा देना शुरू कर दिया है। संयुक्त विपक्ष की इस मुहिम को बढ़ावा दे रहे हैं जदयू के नेता नीतीश कुमार और राकांपा प्रमुख शरद पवार। विपक्ष की इन तैयारियों को देखते हुए अब भाजपा ने भी 2024 चुनाव के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। उसकी इन्हीं तैयारियों का हिस्सा है- 'ट्रेन में चर्चा' अभियान, जिसकी जानकारियां हाल ही में सामने आई हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा की योजना क्या हैं? नए ट्रेन में चर्चा अभियान को पार्टी कैसे आगे बढ़ाएगी? क्या इससे पहले कभी किसी चुनावी अभियान में ट्रेन का इस्तेमाल किया गया है? 2014 और 2019 में पार्टी के आम चुनाव के लिए शुरू किए गए अभियान किन नारों पर आधारित रहे हैं? आइये जानते हैं।

नए ट्रेन में चर्चा अभियान को पार्टी कैसे आगे बढ़ाएगी?

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो भाजपा ने गुजरात और हिमाचल प्रदेश में इस अभियान के पायलट प्रोजेक्ट के तहत कार्यकर्ताओं की टीमों का गठन भी शुरू कर दिया है। इन टीमों में शामिल लोगों को विशेष ट्रेनिंग दी गई है, ताकि वे ट्रेन में जनरुचि से जुड़े मुद्दों पर चर्चाएं शुरू करा सकें। बाद में यही कार्यकर्ता बहस वाले मुद्दों पर भाजपा की उपलब्धियों, जातीय-सांप्रदायिक समीकरणों और उम्मीदवारों के विकल्प पर भी सहयात्रियों से बात करेंगे।

क्या होगी भाजपा की ट्रेन में चर्चा की योजना?

भाजपा ने अगले लोकसभा चुनाव के लिए 'ट्रेन में चर्चा' की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। पार्टी ने इस योजना के परीक्षण यानी पायलट प्रोजेक्ट के लिए गुजरात और हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव को चुना है। बताया गया है कि इस अभियान के तहत भाजपा देशभर में चलने वाली ट्रेनों का इस्तेमाल चुनाव प्रचार के लिए करेगी। हालांकि, रेलगाडियों में किसी विज्ञापन के इस्तेमाल के जरिए नहीं, बल्कि इन ट्रेनों में सफर करने वाले अपने कार्यकर्ताओं के जरिए। पार्टी को उम्मीद है कि वह ट्रेन में सफर कर रहे अपने कार्यकर्ताओं के जरिए योजनाओं का प्रचार ज्यादा प्रभावी ढंग से कर सकती है। इसके लिए कार्यकर्ताओं को सिर्फ ट्रेन में सफर कर रहे सहयात्रियों के साथ बातचीत करनी होगी और मौजूदा केंद्र सरकार की उपलब्धियों के बारे में चर्चा करनी होगी। बताया गया है कि भाजपा कार्यकर्ताओं को 'ट्रेन में चर्चा' अभियान के लिए ट्रेनिंग भी दी जा रही है। भाजपा ने गुजरात-हिमाचल के लिए ट्रेन में चर्चा अभियान का जो लेआउट तैयार किया है, उसके तहत पार्टी कार्यकर्ताओं का एक कैलेंडर बनाया गया है। यह कार्यकर्ता दिल्ली, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों का सफर तय करेंगे। दरअसल, गुजरात-हिमाचल में इन राज्यों से काम के लिए आने वालों की संख्या काफी ज्यादा है। ऐसे में भाजपा का फोकस इन्हीं शहर की ट्रेनों पर है। उदाहरण के तौर पर पार्टी कार्यकर्ता इन ट्रेनों में मुख्यतः कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के वादों की समीक्षा करेंगे और इसके नकारात्मक असर के बारे में बताएंगे। जैसे क्या दिल्ली में मुफ्त बिजली का वादा वाकई फायदेमंद रहा या पंजाब में पार्टी का प्रदर्शन कैसा रहा। इससे जहां ट्रेन में सफर करने वाले लोग आप की योजनाओं पर सोचने के लिए मजबूर होंगे तो वहीं भाजपा को भी विपक्षी दलों की योजनाओं को समझने का मौका और अपनी योजनाओं में बदलाव का मौका मिलेगा।

लोकसभा चुनाव में कैसे काम करेगी ये नीति?

भाजपा यही रणनीति आगे भी बढ़ाएगी। बताया गया है कि आम चुनाव के दौरान पार्टी के नेता उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और झारखंड की ट्रेनों में बैठकर सफर करेंगे। इसके जरिए पार्टी हिंदी पट्टी के राज्यों के वोटरों की मंशा और विचार जानने की कोशिश करेगी और उन्हें रिझाने के लिए मोदी सरकार के राज्यवार कामों को गिनाएगी। इसके अलावा कार्यकर्ता सहयात्रियों से यह भी जानेंगे कि वह अपने क्षेत्र के लिए क्या चाहते हैं। इसी के आधार पर पार्टी 2024 के लिए अपना घोषणापत्र तैयार करेगी। यह पहली बार नहीं है जब चुनाव अभियान के लिए किसी राजनीतिक दल ने इस तरह की रणनीति बनाई हो। इसकी नींव भी भाजपा ने ही डाली थी। मौका था 2014 के लोकसभा चुनाव का और राज्य था गुजरात, जहां पीएम मोदी के समर्थन में महिला ब्रिगेड और युवा मोर्चा ने भाजपा को जीत दिलाने के लिए ट्रेनों का सहारा लिया था। हालांकि, तब इस अभियान को 'चाय पर चर्चा' के साथ ही शुरू किया गया था। 2014 में भाजपा महिला ब्रिगेड और युवा मोर्चा ने गुजरात से अन्य राज्यों में जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों को चाय पिलाना शुरू किया था और उनकी राजनीतिक पसंद पर चर्चा शुरू की थी। तब यह पूरा अभियान 'चाय पर चर्चा' के तहत ही जारी था और भाजपा कार्यकर्ता खुले तौर पर लोगों से मोदी को वोट देने की मांग कर रहे थे।

इस मिशन का मकसद यही था कि चुनाव से पहले अलग-अलग राज्यों में रहने वाले लोगों को गुजरात के विकास और उस विकास के पीछे मोदी की सोच बताना। तब भाजपा की यह रणनीति काफी सफल साबित हुई थी और पार्टी मोदी सरकार के एजेंडे को देशभर में फैलाने में सफल हुई थी।

नाम लिए बिना गहलोत का पायलट पर निशाना

कहा- सीएम के साथ 90% विधायकों की राय बदल जाती है, यहां 102 एमएलए भड़क गए

जयपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सात दिन पहले गहलोत समर्थक विधायकों ने विधायक दल की बैठक का बहिष्कार कर दिया था। इससे उठे बवाल के बाद पार्टी में अब भी अंदरखाने सियासत गर्मा रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ऑब्जर्वर बनकर आए मल्लिकार्जुन खड़गे और अजय माकन पर अब इशारों में सवाल उठाए हैं।

गहलोत ने कहा- जब यह लगा कि मैं अध्यक्ष बन जाऊंगा तो नया सीएम आएगा। इससे 102 विधायक इस कदर भड़क गए कि उन्होंने किसी की नहीं मानी। उन्हें इतना क्या भय था? ऐसा क्यों हुआ, क्या कारण रहे, इस पर तो रिसर्च करना चाहिए। ऑब्जर्वर को भी चाहिए कि वे कांग्रेस अध्यक्ष की सोच, व्यवहार के ढंग से काम करें, ताकि वह ऑरा बना रहे। राजस्थान का केस अलग हो गया। यह तो हिस्ट्री में लिखा जाएगा।

गहलोत ने कहा कि विधायकों को इतना क्या भय था, यह उन्हें कैसे उन्हें मालूम पड़ा, मैं पता नहीं कर पाया, वो कैसे कर पाए। ऐसी नौबत क्यों आई, हमारे सब नेताओं को सोचना चाहिए कि क्या हुआ? उन्होंने कहा कि हम सब में कमियां हैं, उन्हें दूर करने का प्रयास करना चाहिए। हमारे लिए राजस्थान में सरकार बनाना जरूरी है। मैंने अगस्त में ही सोनिया गांधी से कह दिया था कि आप चाहें तो जो सरकार रिपीट कर सके, उसे सीएम बना दीजिए, मैं सीएम पद छोड़ दूंगा।

गहलोत रविवार को सचिवालय में गांधीजी को श्रद्धांजलि देने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। गहलोत ने कहा- कई बार कई कारणों से ऐसे फैसले हो जाते हैं। मुझे नहीं मालूम, किन हालात में फैसला हुआ, जब विधायक दल की बैठक बुलाकर एक लाइन का प्रस्ताव पारित करना होता है, तो ही ऑब्जर्वर आते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष के बिहाफ पर ही ऑब्जर्वर आते हैं और हम उनसे उसी ढंग से बिहेव करते हैं।

गहलोत बोले- डोटासरा ने विधायकों को मनाने की कोशिश की

राजस्थान कांग्रेस के विवाद पर गहलोत ने कहा- हाईकमान का आदेश होने के बाद एक लाइन का प्रस्ताव पारित करवाना हमारी परंपरा रही है। मैंने सोनिया गांधी से मिलकर कहा कि कांग्रेस विधायक दल का लीडर रहते मेरी जिम्मेदारी थी कि वह प्रस्ताव पारित करवाता, लेकिन वह नहीं हो पाया। पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने विधायकों से जाकर कहा कि आप चलिए। एक लाइन का प्रस्ताव पारित करने का तो कायदा होता है।

जिन विधायकों ने सरकार बचाई, उनके लिए सोनिया से माफी मांगी

गहलोत ने कहा- विधायकों ने डोटासरा से कहा कि हमारे अभिभावक तो दिल्ली जा रहे हैं, हमें किसके भरोसे छोड़कर जा रहे हैं? आप सोच सकते हो जिसने मेरी सरकार बचाई थी, ऐसे 102 विधायक थे, मैं कैसे उन्हें धोखा दे सकता हूं, इसलिए मैंने कांग्रेस अध्यक्ष से माफी मांगना मंजूर किया, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी का पार्टी में इतना योगदान रहा है। मुझे तो संकोच हो रहा था, मैं उन्हें जाकर क्या कहूंगा?

अमित शाह हंस-हंसकर हमारे विधायकों को मिठाई खिला रहे थे

गहलोत ने कहा- बीजेपी तो हर वक्त सरकार को डिस्टर्ब करने की कोशिश करेगी, उसका बस चले तो सरकार गिरा दे। बीजेपी इन विधायकों से मिली हुई थी। अमित शाह के पास बैठकें कर रहे थे, हमारे कुछ विधायक गए थे। अमित शाह, धर्मेंद्र प्रधान, जफर इस्लाम, सब बैठकर बातचीत कर रहे थे। हमारे विधायकों को हंस-हंसकर मिठाई खिला रहे थे। कह रहे थे कि थोड़ा इंतजार करो। 'उस वक्त होटल से निकलने के 10 करोड़ मिल रहे थे। उस समय जब गवर्नर ने असेंबली बुलाने की घोषणा कर दी तो बीजेपी 58 करोड़ तक विधायकों को दे रही थी। राजस्थान में इनका बस नहीं चला।

राजस्थान में भारत-पाक बॉर्डर पर फायरिंग

बीएसएफ ने पाकिस्तान से आए ड्रोन पर चलाई गोलियां, 14 करोड़ रुपए की हेरोइन मिली

श्रीगंगानगर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत-पाक बॉर्डर पर देर रात फायरिंग हुई। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) की ओर से पाकिस्तान से भारत की सीमा में घुसे ड्रोन पर गोलियां चलाई गई। हालांकि ड्रोन बच निकला। मामला श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ का है। घटना के बाद से बीएसएफ अलर्ट हो गई।

भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित कैलाश पोस्ट के पास नापाक हरकत सामने आई है। कैलाश पोस्ट के पास रात 12:45 बजे बीएसएफ जवानों ने ड्रोन की आवाज सुनाई दी। बीएसएफ जवानों ने फायरिंग की, लेकिन ड्रोन बच निकला।

खेत में सुबह 4 पैकेट में मिली 14 करोड़ की हेरोइन

रविवार सुबह कैलाश पोस्ट के पास भूपेंद्र सिंह खेत पर गया। खेत में उसे 4 पैकेट दिखाई दिए। ये पैकेट संदिग्ध लग रहे थे। भूपेंद्र ने सूचना सुरक्षा एजेंसियों को दी। बीएसएफ, सीआईडी और पुलिस मौके पर पहुंची और पैकेट को खोला तो उसमें साढ़े 3 किलो हेरोइन थी। इनमें एक-एक किलो के तीन पैकेट थे और आधा किलो का एक पैकेट था। बीएसएफ ने हेरोइन जब्त कर ली और सीमावर्ती क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया जा रहा है। बीएसएफ अफसरों ने बताया कि हेरोइन का बाजार मूल्य करीब 14 करोड़ रुपए है। मामले की जांच नारकोटिक्स ब्यूरो को सौंपी गई है।

देर रात चलाया था सर्च अभियान

बीएसएफ जवानों की सूचना पर अफसर मौके पर पहुंचे। बीएसएफ और सुरक्षा एजेंसियों की ओर से कैलाश पोस्ट के पास संयुक्त नाकाबंदी की गई। सुरक्षा एजेंसियों की ओर से देर रात सर्च अभियान चलाया गया, लेकिन रात में सुरक्षा एजेंसियों को कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली थी।

4 किलो हेराइन ले जा सकता है ड्रोन

एक ड्रोन के जरिए चार किलो तक के हेरोइन पैकेज भेजे जा सकते हैं। बॉर्डर से दूर होने पर तो इनका पता भी नहीं लगता है। नजदीक आने पर पंखा चलने जैसी हल्की आवाज आती है। BSF जवान जितनी देर में इन पर निशाना साधता है, ड्रोन अपना काम करके पाकिस्तानी सीमा में लौट जाते हैं। इन्हें तीन से चार किलोमीटर दूर से ऑपरेट किया जाता है। आमतौर पर पाकिस्तान की आर्मी पोस्ट के पीछे से। अब BSF बॉर्डर पर एंटी ड्रोन तकनीक डेवलप करने पर विचार कर रही है। इस फील्ड में काम कर रही कंपनियों से संपर्क साधा गया है।

कांग्रेस के खिलाफ बेरोजगार गुजरात में निकाल रहे दांडी मार्च

21 सूत्री मांगों को लेकर कर रहे प्रदर्शन

उपेन बोले - अब नहीं माने तो भारत जोड़ो का करेंगे विरोध

जयपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। गांधी जयंती के मौके पर राजस्थान के बेरोजगारों ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के बैनर तले गुजरात के पालनपुर से आज दांडी यात्रा की शुरुआत हुई है। जो 150 किलोमीटर का सफर तय कर अहमदाबाद कांग्रेस मुख्यालय पहुंचेगी। इस दौरान प्रदेश के 1100 से ज्यादा बेरोजगार राजस्थान सरकार की वादाखिलाफी का गुजरात में प्रचार करेंगे।

राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव ने बताया कि प्रदेश के हजारों बेरोजगार अपनी लंबित मांगों को लेकर लंबे समय से आंदोलनरत हैं। लेकिन सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही सरकार के अधिकारी और मंत्री हमसे लिखित समझौता तो कर रहे हैं। लेकिन उन्हें पूरा नहीं कर रहे जिसके खिलाफ अब हमने आर-पार की लड़ाई शुरू कर दी है। इसलिए गुजरात चुनाव से पहले हम कांग्रेस की वादाखिलाफी का यहां प्रचार करेंगे। ताकि गुजरात की युवाओं को भी कांग्रेस की असलियत का पता चल सके। इसके साथ ही अगर सरकार ने अब भी हमारी मांग नहीं मानी। तो हम राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का भी विरोध करेंगे ताकि राजस्थान कांग्रेस की असलियत पूरे देश की जनता और कांग्रेस के आला नेताओं को पता चल सके।

गहलोत का शशि थरूर पर तंज

बोले- शशि थरूर एलीट वर्ग से आते हैं

जयपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए वरिष्ठ कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे डिजर्व करते हैं। दलित नेता है। 50 साल राजनीति करने का अनुभव है। 11 बार चुनाव जीते हैं। संगठन में काम करने का लंबा अनुभव है। पार्टी को इसका लाभ मिलेगा। सीएम गहलोत ने कहा कि शशि थरूर अंतर्राष्ट्रीय समझ रखते हैं। वैश्विक मंचों पर भारत की दमदार तरीके से पैरवी की है, लेकिन शशि थरूर एलीट वर्ग से आते हैं। पार्टी को जमीनी स्तर के नेता ही संभाल सकते हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे अध्यक्ष पद के लिए सबसे अच्छे उम्मीदवार है। शशि थरूर के विचार पार्टी को मजबूती प्रदान करेंगे, इस पर संशय है।

बागियों पर साधा निशाना

सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि बीजेपी ने अरुणाचल प्रदेश से लेकर मध्यप्रदेश तक सरकारें गिराई है। राजस्थान में भी सरकार गिराने का प्रयास किया। लेकिन सफल नहीं हुए। हमारी सरकार गिराने के लिए अमित शाह संग चाय पी। विधायकों को 10-10 करोड़ रुपये का ऑफर दिया गया। लेकिन हमारे विधायक बिके नहीं। सीएम ने कहा कि 102 विधायकों में से अब 3-4 लोग इधर-उधर के कमेंट कर करे हैं। लेकिन मैं इन विधायकों का भी आभारी रहूंगा। क्योंकि इन विधायकों ने मेरी सरकार को गिराने से बचा लिया था। मैं उनका अहसानमंद रहूंगा। लेकिन इस पर रिसर्च होना चाहिए कि विधायकों ने इस्तीफें दिए क्यों।

देश में तनाव और अशांति

सीएम गहलोत ने कहा कि देश में तनाव और अशांति का माहौल है। पीएम मोदी को हिंसा नहीं करने की अपील करनी चाहिए, लेकिन नहीं करते हैं। बीजेपी संविधान को नहीं मानती है। लेकिन पीएम मोदी संविधान की शपथ लेते हैं। शपथ लेते है तो फिर संविधान की भावना के अनुरूप ही काम करना चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं कर रहे हैं। जवाहरलाल नेहरू जेल रहे। मोती लाल नेहरू ने आनंद भवन देश को समर्पित कर दिया। बीजेपी आजादी का अमृत महोत्सव मना रही है। लेकिन देश के पहले पीएम नेहरू की अनदेखी की जा रही है। सीएम ने कहा कि आज देश को मजबूत विपक्ष की आवश्यकता है।

कांग्रेस सरकार में भाजपा-आरएसएस वाले बने कुलपति

राजस्थान में 8 में से 7 यूनिवर्सिटी में वीसी राजभवन की सिफारिश से बनाए

जयपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान की 8 अलग-अलग यूनिवर्सिटी में कुलपतियों की नियुक्ति हुई है। 8 में से 7 कुलपति उन्हें बनाया गया है जिनकी सिफारिश सर्च कमेटी में शामिल राज्यपाल कलराज मिश्र के प्रतिनिधियों ने की। ये 7 कुलपति भाजपा-आरएसएस से जुड़े हुए हैं। एक कुलपति ही ऐसे हैं, जिनकी सिफारिश राज्य सरकार के प्रतिनिधियों ने की थी। इनमें प्रोफेसर बगदा राम चौधरी जोधपुर स्थित कृषि विवि के कुलपति बनाए गए हैं।

सात कुलपति भाजपा और आरएसएस की विचारधारा वाले हैं। इनमें एक तो प्रोफेसर कैलाश चंद्र सोडानी हैं। जो पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री दिवंगत किरण माहेश्वरी और वर्तमान भाजपा विधायक दीप्ति माहेश्वरी (राजसमंद) के समधी हैं। उन्हें वर्धमान महावीर खुला विवि (कोटा) का वीसी बनाया गया है।

मुख्यमंत्री कार्यालय के एक अफसर के अनुसार यह उनके लिए भी बहुत चौंकाने वाला वाकया है कि सरकार के प्रतिनिधियों की सिफारिश से केवल एक ही प्रोफेसर को कुलपति बनाया गया है।

कुलपति चयन समिति में शामिल एक प्रोफेसर का कहना है कि जो सिफारिशें सरकारी प्रतिनिधियों ने की थी, उनमें से अधिकांश के बायोडाटा बेहद सामान्य थे। एक सिफारिश तो ऐसी थी जिस में राजस्थान विवि (जयपुर) के हिन्दी संकाय के एक प्रोफेसर को संस्कृत विवि (जयपुर) का कुलपति बनाने को लेकर थी। इस पर उनके बायोडाटा पर उन प्रोफेसर का बायोडाटा भारी पड़ना ही था, जिन्होंने पूरी उम्र संस्कृत की सेवा की है, फिर चाहे उनकी विचारधारा किसी भी राजनीतिक दल से प्रभावित क्यों न हो। इसीलिए 8 में से 6 कुलपति तो राजस्थान के बाहर से हैं।

राजस्थान में यह पहला मौका नहीं है जब कुलपतियों की नियुक्तियों में विवाद सामने आया है। इससे पहले भी हाल ही में कुछ सालों में ऐसे विवाद सामने आते रहे हैं। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और साख पर अक्सर यह विवाद बट्टा लगाते रहे हैं। जबकि कुलपति का पद कुछ ऐसी गरिमा का होता है कि उनके चयन, योग्यता,विचार, जीवन आदि का असर छात्रों पर ही नहीं बल्कि पूरे समाज पर होता है।

जयपुर में दो युवतियों पर 'एसिड अटैक', भाजपा बोली- अपराधियों का गढ़ बन रहा राजस्थान

जयपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में अलग-अलग घटनाओं में बाइक सवार अज्ञात बदमाश ने दो लड़कियों पर तेजाब फेंक दिया। जिसके बाद मुख्य विपक्षी दल ने इन घटनाओं के मद्देनजर कानून व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है।।

पुलिस ने बताया कि एक घटना शहर के सांगानेर इलाके में हुई जहां एक बाइक सवार ने 22 वर्षीय युवती और उसके बाद करीब एक किलोमीटर दूर 19 वर्षीय एक अन्य लड़की पर तेजाब फेंक दिया। चाकसू के पुलिस उपायुक्त के के अवस्थी ने बताया कि दोनों लड़कियां एक कोचिंग सेंटर में पढ़ती हैं और बदमाश को नहीं पहचानती हैं। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां से इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। आरोपी द्वारा किस प्रकार के तेजाब का इस्तेमाल किया गया यह जानने के लिए मौके पर फोरेंसिक विशेषज्ञों को बुलाया गया।

सीसीटीवी में कैद हुई घटना, भड़की भाजपा

घटना, घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई जिसमें आरोपी बाइक चलाता नजर आ रहा है। उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने घटना को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया, 'राजधानी जयपुर में दिनदहाड़े बदमाश द्वारा दो युवतियों पर तेजाब फेंकने की घटना पुलिस के खत्म होते इकबाल की कहानी स्वयं बयां कर रही है। अपराधियों का गढ़ बन चुके प्रदेश में महिला और बेटियां सुरक्षित नहीं है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है!'

दिया कुमारी बोलीं- कौन दिलाएगा बच्चियों को न्याय?

वहीं राजसमंद से भाजपा सांसद दिया कुमारी ने भी एक संवाददाता सम्मेलन में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'हमारी बहन बेटियां घर से बाहर नहीं निकल सकती हैं, यह हालात हैं

राजस्थान के, इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा, बच्चियों को न्याय कौन दिलाएगा।'

थाने में 6 नाबालिगों को नंगा कर पीटा

गुप्तांग में मिर्ची डालने और सिगरेट से दागने की धमकी; एसपी को जांच का आदेश

उदयपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। उदयपुर में पुलिस पर गंभीर आरोप लगे हैं। आरोप है कि छह नाबालिग बच्चों को पुलिस वाले जबरन उठाकर थाने ले गए और उन्हें नंगा कर उनके साथ मारपीट की गई। नियम-कायदों को ताक पर रखकर नाबालिगों को थाने में बैठाए रखा गया। इतना ही नहीं आरोप यह भी है कि थाने में नाबालिगों को गुप्तांगों में मिर्ची डालने और सिगरेट से दागने की धमकी भी दी गई। बताया जा रहा है कि दरअसल पुलिस वालों ने एक आरोपी की शिनाख्त करवाने के लिए इन नाबालिगों को थाने लाया था। अब परिजनों के साथ आए बच्चे न्याय के लिए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव के समक्ष पेश हुए। उन्होंने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक को आठ दिनों में मामले की जांच कर रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए हैं।

परिजनों की ओर से पेश रिपोर्ट के मुताबिक, इन छह बच्चों की उम्र 9 से 13 साल है। कहा गया है कि थाने का स्टाफ इन बच्चों को दो जीपों में जबरन घर से उठाकर थाने ले गए। थाने में थानाधिकारी, एएसआई व अन्य पुलिसकर्मियों ने इन बच्चों को निर्वस्त्र कर तलवे, पीठ व हथेली पर पट्टों, डंडों से पीटा।

एसजीपीसी देगी रेप पीड़िता को आर्थिक मदद

2 लाख देने का ऐलान; 15 साल की मूक-बधिर किशोरी; अलवर में हुई 'निर्भया' जैसी बर्बरता

अमृतसर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर शहर में जनवरी महीने में रेप का शिकार हुई 15 साल की मूक-बधिर सिख किशोरी के परिवार की मदद के लिए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी आगे आई है। एसजीपीसी ने पीड़ित परिवार को 2 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने का फैसला किया है। एसजीपीसी का कहना है कि राजस्थान सरकार बच्ची के साथ हुई बर्बरता को एक्सीडेंट बताने का दबाव बना रही है।

गौरतलब है कि घटना इस कदर दिल दहला देने वाली थी कि लोगों ने इसे सुन निर्भया को याद किया था। उसी तरह बच्ची को चोटिल किया गया, जिस तरह दिल्ली में निर्भया को किया गया था। एसजीपीसी का कहना है कि राजस्थान सरकार परिवार की आर्थिक कमजोरी का फायदा उठा रही है। इसे देखते हुए ही एसजीपीसी ने बच्ची के परिवार को 2 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने का फैसला किया है।

मुआवजे के लिए एक्सीडेंट दिखाने का बनाया जा रहा दबाव

एसजीपीसी की तरफ से सांझी की गई जानकारी के अनुसार, किशोरी के परिवार पर घटना को एक्सीडेंट दिखाने का दबाव बनाया जा रहा है। राजस्थान सरकार दोषियों को नहीं पकड़ पाई, लेकिन परिवार पर दबाव बनाया जा रहा है कि अगर इस घटना को वे एक्सीडेंट बोल दें तो आर्थिक मदद हो सकती है।

धर्म फंड से दी जाएगी सहायता

एसजीपीसी ने बीते महीने किशोरी की आर्थिक मदद का प्रस्ताव बनाकर अंतरिम कमेटी को भेजा था, जिसे अब मान्यता मिल गई है। एसजीपीसी जल्द ही धर्म अर्थ फंड में से 2 लाख रुपए किशोरी के परिवार को देगी, ताकि उनकी आर्थिक मदद हो सके और वे पैसों के लिए इंसाफ से पीछे न हटें।

'घर बैठे लक्ष्मी आए तो उसे को ठुकराना नहीं चाहिए'

सचिन पायलट को बीजेपी का ऑफर

जयपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सियासी संकट के बीच बीजेपी विधायक कालीचरण सराफ ने बड़ा बयान दिया है। पायलट के बीजेपी में आने के सवाल पर विधायक सराफ ने कहा कि हमारे द्वार हरदम खुले हुए हैं यदि कांग्रेस की सरकार गिरती है और कोई उस सरकार को गिराने में बीजेपी का सहयोग करता है तो हम उसका सहयोग करेंगे और ना तो भाजपा का पहले के घटनाक्रम में रोल था और ना ही अब इस घटनाक्रम में है। यह उनका अंदरूनी मामला है। अगर घर बैठे लक्ष्मी आए तो उसे ठुकराना नहीं चाहिए। मालवीय नगर विधायक सराफ ने कहा कि कांग्रेस डूबता जहाज है जो भी इसमें बैठा है वह अपना भविष्य सुरक्षित करने के लिए इधर उधर भाग रहा है। जनता इस बात का इंतजार कर रही है कि यह महीने में डूबता है या 2 महीने में या 6 महीने में डूबता है।

वसुंधरा राजे के करीबी है सराफ

उल्लेखनीय है कि कालीचरण सराफ राजस्थान की राजनीति में पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के करीबी माने जाते हैं। राज्य के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री का यह बयान काफी मायने रखता है। बीजेपी कांग्रेस में चल रही खींचतान पर खुलकर नहीं बोल रही है। लेकिन सराफ ने बयान देकर एक तरह से सचिन पायलट को गुटबाजी करने की हवा दे की है। बीजेपी नेता सचिन पायलट की पहले भी कई मौकों पर तारीफ कर चुके हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि सचिन पायलट पर बीजेपी नेता एक बार डोरे डालने लगे हैं। हालांकि, वसुंधार कैंप पायलट की बीजेपी में एंट्री के खिलाफ माना जाता है। लेकिन राजस्थान की राजनीति में जिस तरह के समीकणर बन रहे हैं। कुछ भी हो सकता है।

गहलोत का पायलट पर हमला

आपकों बता दें आज ही राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने एक बार फिर पायलट की बगावत को याद किया है। सीएम गहलोत ने इशारों में सचिन पायलट पर निशाना साधा। सीएम गहलोत ने कहा कि उनकी सरकार को गिराने के लिए अमित शाह के घर मीटिंग हुई। सब जानते हैं। कुछ विधायक भी गए थे। अमित शाह के घर धर्मेंद्र प्रधान और जफर इस्लाम भी मौजूद थे। सब जानते हैं। सब बात कर रहे थे। अमित शाह हमारे विधायकों को मिठाई खिला रहे थे।

गांधी जयंती पर एसबीआई द्वारा वॉकथॉन का आयोजन

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय स्टेट बैंक, हैदराबाद सर्कल ने गांधी जयंती के अवसर पर हुसैन सागर झील के नेकलेस रोड पर साइक्लोथॉन और वॉकथॉन का आयोजन किया। एसबीआई के कर्मचारियों और उनके परिवारों ने इस आयोजन में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और गांधीजी और शास्त्रीजी को प्यार से याद किया। इस आयोजन के लिए थीम "आत्मनिर्भर भारत" को अपनाया गया।

कार्यक्रम को अमित झिंगरन, हैदराबाद सर्कल के मुख्य महाप्रबंधक और एसबीआई के अन्य शीर्ष अधिकारियों ने झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री झिंगरन ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और शास्त्रीजी ने एक ऐसे भारत का सपना देखा था जो आत्मनिर्भर हो और साथ ही भारत के प्रधानमंत्री के पास आत्मनिर्भर भारत का विजन है। इसलिए आज के आयोजन के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के संदेश का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

श्री झिंगरन ने कहा कि एसबीआई और उसके कर्मचारी हमेशा भारत की आत्मनिर्भरता की यात्रा में साथी होने पर गर्व महसूस करते हैं, चाहे वह कृषि क्षेत्र, उद्योग, बुनियादी ढांचा, शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी या साथी भारतीयों की वित्तीय सुरक्षा हो। साइक्लोथॉन और वॉकथॉन के आयोजन के बाद एसबीआई के मुख्य महाप्रबंधक ने स्वच्छता के लिए विशेष अभियान 2.0 की शुरुआत की, जो भारत सरकार द्वारा की जा रही एक विशेष पहल है जो 31 अक्तूबर तक जारी रहेगी।

इस अवसर पर एसबीआई के कर्मचारियों ने पीवी ज्ञान भूमि, नेकलेस रोड के आसपास के क्षेत्र की सफाई में श्रमदान किया।

रेनबो विस्टस रॉक गार्डन में नवरात्रि की धूम

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रीन हिल्स रोड मूसापेट रेनबो विस्टस रॉक गार्डन में नवरात्रि पर्व बहुत ही धूमधाम से मनाया जा रहा है। नवरात्रि के पावन अवसर पर नौ दिवसीय पूजा का आरंभ प्रथम नवरात्र से हो चुका है। आज महासप्तमी के दिनबच्चों की रंग भरो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें करीब 175 बच्चों ने भाग लिया। अग्रवाल समाज रेनबो विस्टस शाखा ने बच्चों के लिए शीतल पेय एवं उपहार दिए। आज के दिन रेनबो मारवाड़ी द्वारा अन्न प्रसाद का आयोजन किया गया। सोसाइटी के कार्यरत करीब 700 से अधिक लोगों ने प्रसाद का लाभ उठाया।

यहां के निवासी हर पर्व का बड़ी ही धूमधाम से आयोजन करते हैं और हर प्रांत के निवासी पूर्ण उत्साह के साथ उसमें शामिल होते हैं, और हर प्रकार से सहयोग करते है। कार्यक्रम के अंतर्गत महाबतुकम्मा एवं डांडिया गरबा का आयोजन भी किया गया। डांडिया एवं बतुकम्मा में विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। सोसाइटी की सांस्कृतिक टीमऔर विशेषकर उतर भारतीय निवासियों ने दुर्गा पूजा का बहुत ही उत्तम इंतजाम किया है। कार्यक्रम दशमी तिथि पर मां दुर्गा की प्रतिमा के विसर्जन के साथ संपूर्ण होगा। नवरात्र के बाकि दिनों में और भी रंगारंग कार्यक्रम होगा।

एनएमडीसी ने स्वच्छता अभियान के साथ गांधी जयंती मनायी

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के सबसे बडे लौह अयस्क उत्पादक, एनएमडीसी ने आज अपने प्रधान कार्यालय और परियोजनाओं में स्वच्छता 2.0 अभियान का शुभारंभ करते हुए गांधी जयंती मनाई। इस वर्ष गांधी जयंती पर स्वच्छ भारत अभियान का 8 वां वर्ष है, जिसमें भारत सरकार वर्तमान आजादी के अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में स्वच्छता के लिए एकजुट भारत मना रही है। कंपनी के निदेशक (उत्पादन) दिलीप कुमार मोहंती और सीवीओ बी. विश्वनाथ आईआरएसएस ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और एनएमडीसी के स्वच्छता अभियान का नेतृत्व किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीके मोहंती ने एनएमडीसी कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई। उन्होंने महात्मा गांधी के चार सिद्धांतों पर प्रकाश डाला अहिंसा; स्वच्छता; आत्मनिर्भरता; मानवता, समानता और एकजुटता और कहा कि हमें एक मजबूत एनएमडीसी और एक मजबूत भारत के निर्माण के लिए इन सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। बी. विश्वनाथ के कहा कि, गांधीजी के स्वतंत्र भारत के दृष्टिकोण का सम्मान करने के लिए, हमें उनके मूल्यों का अनुकरण करना चाहिए और स्वयं को राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित करना चाहिए। एनएमडीसी लंबित मामलों के निपटान के लिए इस्पात मंत्रालय के विशेष अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लेगा।

एनएमडीसी ने हैदराबाद की विजयनगर कॉलोनी में जीएचएमसी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को साफ करने के लिए प्लेग रन का आयोजन किया और युवा खिलाड़ियों को एनएमडीसी स्वच्छता कैप वितरित की। कंपनी ने गांधी जयंती और स्वच्छता 2.0 के अवसर पर आजादी के 75 साल, फिटनेस रहे बेमिसाल" थीम के साथ अपनी परियोजनाओं में फिट इंडिया फ्रीडम रन और प्लाग रन भी आयोजित किए। इस अवसर पर एनएमडीसी के सीएमडी सुमित देब ने कहा कि स्वच्छ भारत और फिट इंडिया आंदोलनों में स्वच्छता और स्वास्थ्य को एक साथ लाकर भारत राष्ट्रपिता के जन्म और जीवन का उत्सव मना रहा है। एनएमडीसी ने एक महीने का अभियान तैयार किया है और जन भागीदारी का आह्वान किया है। महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि के रूप में इस अभियान की प्रासंगिकता वर्तमान में चल रहे आजादी के अमृत महोत्सव में और अधिक महत्व रखती है। स्वच्छ और हरित भारत के लिए महात्मा गांधी के दृष्टिकोण का सम्मान करते हुए, एनएमडीसी 2 से 31 अक्टूबर, 2022 तक स्वच्छता 2.0 अभियान में भाग ले रहा है। खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ने राष्ट्रीय स्वच्छता आंदोलन का जश्न मनाने के लिए बड़े पैमाने पर स्वच्छता, वृक्षारोपण और जागरूकता अभियान, प्रभात फेरी और प्रतियोगिताओं की योजना बनाई है।

नवरात्रि के अवसर पर ईसीआईएल कमलानगर स्थित सीरवी समाज मंदिर प्लाट पर डांडिया कार्यक्रम के प्रथम दिन पूजा-अर्चना कर गरबा-डांडिया का आनंद लेते हुए समाजबंधु।

गांधीजी जंयती पर बोइनपल्ली बापूजी नगर स्थित गांधी प्रतिमा पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर अतिथि भग लेते हुए छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष जंपन्ना प्रताप, अजीत कल्याण, रामाराव, पी. नरसिम्हा, मरूति गौड़ व अन्य।

चेतना संस्था द्वारा गरबा व डांडिया कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सामाजिक संस्था चेतना द्वारा नवरात्रि के उपलक्ष्य में सिद्दिअंबर बजार में भव्य रूप से गरबा-डांडिया उत्सव मनाया गया।चेतना की संस्थापिका एवं संयोजिका रमा बजोरिया ने बताया कि माता का भव्य दरबार सजाया गया।

लिली संगीत मंडली के सान्निध्य में माता के भजनों का सुन्दर समां बंधा गया। पारम्परिक वेशभूषा में बडी संख्या में महिलाओं ने गरबा व डांडिया में भाग लिया। समय पर आने वाली सदस्याओं के लिए पूजा गुप्ता द्वारा खेल आयोजित किया गया, जिसमें निर्मला संघी विजयी रहीं।

सर्वश्रेष्ठ नृत्य एवं वेशभूषा के लिए प्रेमा जाजू, लता सारडा, तारा सारडा, अनुपमा गुप्ता, किरण जाजू, कौशल्या सोनी, सतवंती सरायवाला, सुमन दीवान, कविता अग्रवाल, प्रेरजा तोदी, निर्मला संघी को पुरस्कृत किया गया। आरती के पश्चात कार्यक्रम की संयोजिका मेघा बद्रुका एवं रमा बाजोरिया द्वारा महाप्रसाद का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्रेमलता अग्रवाल, मंजू बसईवाले, पुष्पा बसईवाले, उषा सिंघल, उषा अग्रवाल, वनीता अग्रवाल, पुष्पा गुप्ता, शीला अग्रवाल, पुष्पा अग्रवाल, किरण सिग्नोदिया, कविता अग्रवाल, मयाशी तोदी, रेखा भुवालका, अवनि बद्रुका आदि बडी संख्या में महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

बिहार सहयोग समिति द्वारा नवरात्रि पर बिशाल जागरण आयोजित

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति द्वारा नवरात्रि के शुभ अवसर पर बिशाल जागरण का आयोजन दुर्गा माता मंदिर, इंदिरा नेहरू नगर मलकाजगिरी में संपन हुआ। जागरण दिल्ली से निरज कुमार की टीम ने किया। उन्होंने तरह तरह की झांकियां पेश कीं और भजन कर सभी भक्तों को झुमने पर मजबूर कर दिया। ऐसे में महिलाओं ने भी भारी मात्रा में आकर भाग लिया। जागरण में मुख्य अतिथि शुभाषिनी और ऐनु नायुडू व शेखर ने माता की पूजा की। इस मौके पर बिहार एसोसिएशन के अध्यक्ष हरेराम सिंह, मनवेंद्र मिश्र, प्रभात कुमार, रविशंकर, दमाईगुड़ा से नवीन बिहारी, रमेश कुमार सिंह, भाजपा नेता गणेश, नवीन, संतोष यादव, यू नवीन, जांगीड़ यादव एवं सभी लोगों को समीति के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव और बिहार महिला एसोसिएशन माधवी यादव ने स्वागत किया। इस मौके पर समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी सुबास यादव, शम्भू नाथ भगत, चंद्रदेव सिंह, उपाध्यक्ष बिजेन्द्र गुप्ता, सागर भगत, जैन्त यादव, मनोज यादव, राजनारायण सिंह, अजय सिंह, दीपक गुप्ता, ललन पंडित, बिवेश झा, सुनील यादव, अमित गुप्ता, सूरज यादव, हरिश यादव, हरे राम यादव, शिव कुमार, बिनोद यादव, गुलशन कुमार, वेंकट, किशोर, राकेश रजक एवं भारी मात्रा में युवा सेना ने भाग लिया।

गांधी जी के सिद्धांतों को जीवन में उतारने की जरूरत : प्रेम कुमार

हिंदी प्रचार सभा ने दी गांधीजी व शास्त्रीजी को श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 153वीं जयंती एवं भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 118वीं जयंती मनायी गयी। इस अवसर पर सभा के प्रधानमंत्री जे. प्रेम कुमार ने दोनों महानुभावों के चित्र को माल्यार्पण कर कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अहिंसा द्वारा देश को आजादी दिलायी। महात्मा गांधी को पहली बार सुभाष चंद्र बोस ने 'राष्ट्रपिता' कहकर संबोधित किया था। 4 जून 1944 को सिंगापुर रेडियो से एक संदेश प्रसारित करते हुए 'राष्ट्रपिता' महात्मा गांधी कहा था। इसके बाद कवि और नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर ने गांधीजी को महात्मा की उपाधि दी थी। इसी के साथ हम सभी को गांधी जी के सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लेना चाहिए। लाल बहादुर शास्त्री भारत के द्वितीय प्रधान मंत्री थे। लाल बाहदुर शास्त्री महात्मा गाँधी के राजनीतिक शिक्षाओं से अत्यंत प्रभावित थे। अपने गुरु महात्मा गांधी के ही लहजे में एक बार उन्होंने कहा था कि मेहनत प्रार्थना करने के समान है। जब वे रलेमंत्री थे, उसी दौरान एक रेल दुर्घटना हुई जिसमें कई लोग मारे गए थे, इसके लिए स्वयं को जिम्मेदार मानते हुए उन्होंने रेल मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने देश को 'जय जवान-जय किसान' का नारा दिया। इस अवसर पर सभा के चुनाव संयोजक श्रुतिकांत भारती ने महात्मा गांधी और लाल बाहदुर शास्त्री के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमें महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के पद चिह्नों पर चलना चाहिए। गांधी जी ने जो अहिंसा का पाठ हमें दिया है उस पर हमें आगे बढ़ना है। लाल बाहदुर शास्त्री के बारे में बताया कि वे अल्प समय के लिए ही प्रधानमंत्री रहे परंतु उनका व्यवहार बहुत ही गंभीर और देश को बहुत आगे ले जाने में सहयोगी रहा। आगे उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, राजगोपालाचारी, बालगंगाधर तिलक आदि अहिंदी भाषी होते हुए भी हिंदी को बढ़ावा देते हुए हिंदी भाषा में ही कार्य करते रहे। हमें संकल्प करना चाहिए कि हम भी हिंदी का प्रचार-प्रसार करें। इस अवसर पर तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद के मंत्री डॉ. शेख सादिख पाशा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गाँधीजी के सत्य और अहिंसा को लेकर हमेशा से न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया का मार्ग दर्शन किया है। इस अवसर पर सभा के रजिस्ट्रार नामदेव वाघमोडे ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस कार्यक्रम में तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद के कोषाध्यक्ष राममोहना चार्युलु, सभा के कार्यालय मंत्री वेंकटेश्वर, कार्यकर्ता संघ के मंत्री सी. शिवलिंगम एवं सभा के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अग्रणी महिला मंच ने मनाई महापुरुषों की जयंती

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच द्वारा हिमायत नगर स्थित कार्यालय में महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। सभी ने इन दोनों महान नेताओं के परिश्रम तथा त्याग पर अपने-अपने विचार प्रकट किए। इस अवसर पर अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रितु गर्ग, सुनयना नरसरिया, शीतल बंसल, प्रीति गोयल, संगीता जाजोदिया, निधि अग्रवाल, पवन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

राजस्थानी प्रगति समाज और प्रदर्शनी सोसाइटी द्वारा आयोजित 50वीं रामायण मेला के अंतर्गत मुंबई के विख्यात म्युजिक टूप के किशोर रठोड और उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत गरबा डांडिया का मजा लेते हुए डांडियाप्रेमी तथा विविध श्रेणी की प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करते हुए गोविंद राठी, मनोज जायसवाल, हनुमंत राव, सुमीत राठी, रुबी मिश्रा, कार्तिक राठी व अन्य।

विधायक राजा सिंह को रिहा करने के लिए हस्ताक्षर अभियान

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधायक राजा सिंह को जल्द से जल्द जेल से रिहा करने की मांग के समर्थन में गोशामहल के पार्षद लालसिंह एवं टीम द्वारा हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। साथ ही उनके खिलाफ पीडी एक्ट हटाने की मांग भी की गई।

इस कार्यक्रम में गोशामहल के पार्षद लालसिंह, रणवीर सिंह, शंकर सिंह, राजू सिंह, डी.गोपाल, सोमराज, महेश, राजा जौहरी, अक्षय आदि ने कार्यक्रम में भाग लिया।

चक्रीपुरम शिवासाई गर्डन में श्री राजस्थानी मित्र मंडल द्वारा आयोजित 7वें नवरात्रि महोत्सव में पूजा-अर्चना कर रंगारंग गरबा-डांडिया का आनंद लेते हुए समाजबंधु व भक्तगण।

उप्पल के पूर्व विधायक एनवीएस प्रभाकर ने रामंतपुर में एक विशाल बतुकम्मा उत्सव का आयोजन किया। पारंपरिक पोशाक वाली हजारों महिलाओं ने बतुकम्मा उत्सव में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए प्रभाकर ने कहा कि भारतीय संस्कृति की विशिष्टता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

आतंकी हमलों से शहर...

वह वर्ष 2005 में हैदराबाद सिटी पुलिस कमिश्नर के टास्क फोर्स कार्यालय बेगमपेट पर हमले पर आत्मघाती हमला भी शामिल था। वह पाकिस्तानी आईएसआई-एलईटी संचालकों के नियमित संपर्क में था। तीन फरार आरोपी फरहतुल्ला गोरी उर्फ एफजी, सिद्दीकी बिन उस्मान उर्फ रफीक उर्फ अबू हमजाला, अब्दुल मजीद उर्फ छोटू हैदराबाद शहर के मूल निवासी हैं। तीनों फरार आरोपी कई आतंकी मामलों में वांछित है और आखिरकार पाकिस्तान में बस गए और अब वे आईएसआई के लिए काम कर रहे है। उन्होंने स्थानीय युवाओं को भर्ती कर कट्टरपंथी बनाया और 2002 में साईंबाबा मंदिर दिलसुखनगर के पास विस्फोट, घाटकोपर में बस विस्फोट, मुंबई में टास्क फोर्स कार्यालय, बेगमपेट पर 2005 में आत्मघाती हमले जैसे आतंकवादी हमलों को अंजाम दिया। उन्होंने वर्ष 2004 में गणेश मंदिर, सिकंदराबाद के पास भी विस्फोट करने का प्रयास किया। अदुल जाहिद ने अपने कबूलनामे में खुलासा किया है कि फरहतुल्ला गोरी, अबू हमजाला और मजीद ने उसके साथ अपने संपर्कों को पुनर्जीवित किया। उन्होंने जाहिद को हैदराबाद में फिर से आतंकवादी हमलों को जारी रखने के लिए युवाओं को भर्ती करने के लिए प्रेरित और धनराशि भी दी। पाकिस्तान स्थित आकाओं के कहने पर जाहिद ने समीउद्दीन और माज़ हसन को भर्ती किया। तलाशी के दौरान इन लोगों के कब्जे से चार हथगोले बरामद किए गए। यह जाहिद को उसके पाक स्थित आकाओं से मिले हैं। वह अपने समूह के सदस्यों के माध्यम से सार्वजनिक समारोहों को निशाना बनाते हुए इन हथगोले को फेंकने की योजना बना रहा था, जिससे शहर में आतंक और सांप्रदायिक तनाव पैदा हो गया। हैदराबाद शहर पुलिस ने इस समूह की गुप्त गतिविधियों के बारे में सटीक जानकारी एकत्र की और समय पर गिरफ्तारी के साथ उनकी योजनाओं को विफल कर दिया।

पाकिस्तान ने मलेशिया को 9 विकेट से हराया

विमेंस एशिया कप में पाकिस्तानी गेंदबाजों का तूफानी प्रदर्शन, 57 रनों पर मलेशिया को समेटा

ढाका, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। विमेंस एशिया कप 2022 में पाकिस्तान ने जीत के साथ शुरुआत की है। मलेशिया के खिलाफ पहले मैच को पाकिस्तान ने अपनी बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर 9 विकेट से जीत लिया। पाकिस्तानी गेंदबाज तुबा हसन 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहीं। पहले बल्लेबाजी करते हुए मलेशिया की टीम 9 विकेट के नुकसान पर 57 रन पर ही ढेर हो गई। टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने 1 विकेट के नुकसान पर 9 ओवर में ही 61 रन बनाकर लक्ष्य को हासिल कर लिया।

टॉस जीतकर पाकिस्तान की टीम ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले ओवर की दूसरी बॉल पर ही मलेशिया ने अपना पहला विकेट खो दिया और मलेशियाई बल्लेबाज दुरईसिंगम को पवेलियन लौटना पड़ा। दूसरे ओवर में भी मलेशिया एक और विकेट गंवा बैठा। जिसके बाद गेम पाकिस्तान की पक्ष में जाता दिखने लगा। इसके बाद 7वें ओवर तक भले ही मलेशिया का कोई विकेट ना गिरा हो लेकिन इन 5 ओवरों में मलेशिया की टीम हर ओवर में 2-3 से ज्यादा रन नहीं बना सकी।

14वें ओवर में ओमिमा सोहेल ने लिए 3 विकेट

पाकिस्तान ने 14वें ओवर में पाकिस्तान गेंदबाज ओमिमा सोहेल ने मलेशिया के 3 विकेट चटकाए और मलेशिया 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर महज 57 रन ही बना सकी। मलेशिया की ओर

से एल्सा हंटर ने टीम में सबसे ज्यादा 29 रन बनाए। वो 51 बॉलों में ये स्कोर खड़ा कर सकीं। मलेशिया की 5 बल्लेबाजों को बिना खाता खोले ही पवेलियन लौटना पड़ा।

वहीं पाकिस्तान की ओर से ओमिमा सोहेल ने 3 ओवर में 19 रन देकर 3 विकेट चटकाए। तुबा हसन ने 4 ओवर में 13 रन देकर 2 विकेट झटके। डायना बेग ने 3 ओवर में 6 रन देकर और सादिया इकबाल ने 4 ओवर में 8 रन देकर 1-1 विकेट लिया।

मुनीबा अली और सिदरा अमीन के बीच 52 रनों की साझेदारी

इस तरह मलेशिया की टीम ने पाकिस्तान को 58 रनों का टारगेट दिया। इस छोटे टारगेट का पीछा करना पाकिस्तानी टीम के लिए मुश्किल नहीं था। पाकिस्तान की सलामी बल्लेबाजों मुनीबा अली और सिदरा अमीन ने 52 रनों की साझेदारी की और महज 6 ओवरों में 45 रन बना लिए।मलेशियाई गेंदबाज माहिरा इज्जती इस्माइल की बॉल पर सिदरा ने अपना विकेट खो दिया। उनका स्कोर 31 रन रहा। वहीं, मुनीबा 21 रनों के साथ नाबाद रहीं। पाकिस्तानी टीम केवल 1 विकेट खोकर टारगेट तक पहुंची और तूफानी गेंदबाजी की बदौलत ये मैच पाकिस्तान के नाम रहा।

भारत-पाकिस्तान मैच

विमेंस एशिया कप 2022 में भारत और पाकिस्तान के बीच 7 अक्टूबर को सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मैच खेला जाएगा। ये मैच दोपहर 1 बजे से शुरू होगा। इसका लाइव प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क और डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर किया जाएगा। इससे पहले 3 अक्टूबर को इंडिया का मैच मलेशिया से, 4 अक्टूबर को यूएई से होगा। दोनों मैच दोपहर 1 बजे से खेले जाएंगे।

मांकडिंग के बाद विमेंस क्रिकेट में एक और रन-आउट विवाद

युवराज सिंह बोले- थर्ड अंपायर का खराब फैसला, पूजा को डाउट का फायदा मिलना चाहिए

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। अभी मांकडिंग विवाद थमा नहीं है कि विमेंस क्रिकेट में एक और रन आउट विवाद खड़ा हो गया है। शनिवार को बांग्लादेश में शुरू हुए विमेंस एशिया कप के पहले ही दिन थर्ड अंपायर ने विवादित फैसला दिया। इस फैसले के बाद भारतीय बल्लेबाज पूजा वस्त्राकर (1 रन) को वापस लौटना पड़ा। ऐसे में पूर्व भारतीय ऑल राउंडर युवराज सिंह ने इसे खराब फैसला करार दिया है। भारत-श्रीलंका के बीच टूर्नामेंट के ओपनिंग मैच के बाद युवराज ने एक सोशल पोस्ट में लिखा- 'वह वास्तव में थर्ड अंपायर का खराब निर्णय है। पूजा वस्त्राकर को डाउट का लाभ दिया जाना चाहिए था।' भारतीय टीम ने यह मुकाबला 41 रन से जीत लिया। जेमिमा रोड्रिगेज प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। भारतीय पारी के 20वें ओवर में कुलसूर्या की बॉल को पूजा ने एक्ट्रा कवर की ओर ड्राइव किया और तेजी से 2 रन चुराने का प्रयास किया। इस बीच दिलहारी के थ्रो पर विकेटकीपर संजीवनी ने उन्हें रन आउट किया।

लेकिन, जब तक संजीवनी बॉल को स्टंप पर मारती। तब तक पूजा क्रीज पर पहुंच चुकी थीं। ऐसा रीप्ले में दिख रहा था, लेकिन थर्ड अंपायर ने पूजा को रन आउट दे दिया। पूजा को एक रन पर वापस लौटना पड़ा। इस रन आउट के बाद मैदान और मैदान के बाहर के खिलाड़ी हैरान थे।

थर्ड अंपायर के इस फैसले की सोशल मीडिया पर जमकर आलोचना हो रही है। इस पर सोशल फैंस तरह-तरह के मीम्स पोस्ट कर रहे हैं। पिछले हफ्ते भारतीय स्पिनर दीप्ति शर्मा का मांकडिंग रन आउट विवादों में रहा था। उन्होंने वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में इंग्लिश बल्लेबाज चार्जी डीन को रन आउट किया था।

इंडिया लीजेंड्स लगातार दूसरी बार बनी चैंपियन

श्रीलंका को 33 रन से हराया; विनय कुमार 3, अभिमन्यु 2 विकेट झटके,नमन के शतक ने दिलाई जीत

रायपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में रोड सेफ्टी क्रिकेट के फाइनल मैच में इंडिया लीजेंड्स ने श्रीलंका लीजेंड्स को 33 रनों से हरा दिया। नमन ने जहां शतकीय पारी खेली। वहीं विनय कुमार 3, अभिमन्यु 2 विकेट झटके। फाइनल मैच को देखने छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल स्टेडियम पहुंचे तो दर्शक छत्तीसगढ़ी में बोले आ गे कका.. (आ गए काका)। सीएम ने लोगों का अभिवादन स्वीकारा। वो ग्राउंड में उतरे लोगों को हाथ हिलाकर हाय कहते दिखे।

मैच इंडिया लीजेंड्स और श्रीलंका के बीच था। इसके बाद मैदान में सचिन के साथ मुख्यमंत्री दिखे। पूरी टीम से भूपेश बघेल मिले। सभी खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर उनका हौसला बढ़ाया। श्रीलंका लीजेंड्स के खिलाड़ियों से भी मुख्यमंत्री मिले। शुक्रवार को खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज लीजेंड्स को 14 रनों से हराकर इंडिया लीजेंड्स फाइनल पहुंची है।

देश और दुनिया में सड़क सुरक्षा को लेकर जागरुकता फैलाने के मकसद से आयोजित किए जा रहे इस टूर्नामेंट के पहले संस्करण में भी दोनों टीमें फाइनल में भिड़ी थीं, जिसे सचिन तेंदुलकर की कप्तानी वाली इंडिया लीजेंड्स ने जीता था। वह मैच भी रायपुर में ही खेला गया था।

इस मैच में नमन का बल्ला खूब चला। पूरे 108 रन बनाकर भी नमन नाबाद रहे। इस मैच में सचिन तेंदुलकर ने फैंस को निराश किया। वो कुलसेकरा की बॉल पर शून्य पर बोल्ड हो गए। युवरात ने शानदार शॉट लगाते हुए 2 चौका एक छक्का जड़ा मगर 19 पर आउट हो गए। भारत के लीजेंड खिलाड़ियों ने 6 विकेट पर 195 बनाए। 196 का लक्ष्य श्रीलंका के सामने रखा।

पॉवेल की ताबड़तोड़ बैटिंग से जीती भज्जी की टीम

जोधपुर में कांटे का था मुकाबला; इंडिया कैपिटल्स आखिरी बॉल पर हारी

जोधपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। जोधपुर के बरकतुल्ला खां स्टेडियम में शनिवार को लीजेंड्स लीग के मैच में मणिपाल टाइगर्स ने इंडिया कैपिटल्स को रोमांचक मुकाबले में हराया। पॉवेल ने 52 बॉल पर 96 रन की तेज पारी खेली। मणिपाल टाइगर्स को आखिरी बॉल पर जीत मिली। रोमेश कालूविथरना ने लास्ट बॉल पर चौका मारकर टीम को जीत दिलाई।

इससे पहले मणिपाल टाइगर्स ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग चुनी। न्यूजीलैंड के रॉस टेलर की अगुवाई वाली इंडिया कैपिटल्स की टीम की ओर से हैमिल्टन मसाकाद्जा और सोलोमन मायर ओपन करने उतरे। सोलोमन 3 रन बनाकर रिटायर्ड हो गए।

मसाकाद्जा 35 बॉल पर 60 रन बनाकर आउट हुए। रॉस टेलर ने 31 बॉल पर 51 रन बनाकर नाबाद रहे और दिनेश रामदीन 64 रन बनाकर रन आउट हुए। इंडिया कैपिटल्स ने 20 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 183 रन बनाए। मणिपाल टाइगर्स के कप्तान हरभजन सिंह और तेज गेंदबाज ब्रेट ली एक भी विकेट नहीं ले पाए।

बल्लेबाजी करने उतरी मणिपाल टाइगर्स की ओर से रिकॉर्डो पॉवेल और तातेंदा तायबू ओपन करने उतरे। टाइगर्स की शुरुआत खराब रही। 5 रन पर टीम ने पहला विकेट खो दिया। बिना कोई रन बनाए तायबू सुयाल की पहली ही गेंद ही बोल्ड हुए। मोहम्मद कैफ के रूप में दूसरा विकेट गिरा। कैफ 26 रन बनाकर आउट हुए। कोरी एंडरसन 21 बॉल पर 39 रन बनाकर ईश्वर की बॉल पर बोल्ड हो गए।

पॉवेल धुआंधार बैटिंग करते हुए 7 छक्के और 8 चौकों की मदद से 52 बॉल पर 96 रन बनाकर भाटिया की गेंद पर ईश्वर को कैच दे बैठे। हरभजन सिंह को 6 रन पर मूनी ने आउट किया। रविकांत शुक्ला 2 रन बनाकर तांबे की बॉल पर विकेटकीपर रामदीन को कैच दे बैठे। शिवकांत शुक्ला भी बिना खाता खोले आउट हो गए। रोमेश कालूविथरना ने लास्ट बॉल पर चौका मारकर टीम को जीत दिलाई। टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 186 रन बनाए।

जोधपुर में नहीं चला गौतम गंभीर का बल्ला

1 रन पर मोंटी पानेसर ने किया आउट, इंडिया कैपिटल्स का स्कोर 1 विकेट पर 9 रन

जोधपुर, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। जोधपुर के बरकतुल्ला खां स्टेडियम में रविवार को लीजेंड्स लीग टी-20 का पहला क्वालिफायर मैच इंडिया कैपिटल्स और भीलवाड़ा किंग्स के बीच खेला जा रहा है। इंडिया कैपिटल्स के कप्तान गौतम गंभीर की मैच में वापसी हुई है। भीलवाड़ा किंग्स के इरफान पठान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया।

भीलवाड़ा किंग्स ने वॉटसन और विलियम पोर्टरफील्ड की हाफ सेंचुरी की मदद से 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 226 रन बनाए। इंडिया कैपिटल्स के

कप्तान गौतम गंभीर और ड्वेन स्मिथ ओपन करने उतरे। गंभीर का बल्ला नहीं चला और 1 रन पर उन्हें मोंटी पनेसर ने आउट किया।

- भीलवाड़ा किंग्स को पहला झटका मार्ने वान विक के रूप में लगा। उन्होंने 4 गेंद पर चार रन बनाए।मार्ने वान विक को मिचेल जॉनसन ने बोल्ड किया। इसी ओवर में जॉनसन की पांचवीं गेंद पर वॉटसन को जीवनदान मिला।

- भीलवाड़ा किंग्स के शेन वॉटसन और पॉर्टरफील्ड ने चौकों छक्कों की बरसात करते हुए टीम को ठोस शुरुआत दी।

ईरानी ट्रॉफी मैच के दूसरे दिन सौरभ कुमार की शानदार गेंदबाजी, शेष भारत जीत की ओर

राजकोट, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। शेष भारत की टीम ने ईरानी ट्रॉफी मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। पहली इनिंग्स के आधार पर 276 रन से पिछड़ने वाली सौराष्ट्र की टीम फिर लड़खड़ा गई है। अब मैच के तीसरे दिन शेष भारत के पास इनिंग्स से जीत हासिल करने का मौका होगा।

सौरभ ने दिए दोनों विकेट

सौराष्ट्र को दूसरी पारी में पहला झटका स्नेल पटेल के रूप में लगा। लेफ्ट आर्म स्पिनर सौरभ कुमार ने उन्हें सरफराज खान के हाथों कैच कराया। स्नेल ने 16 रन बनाए। इसके बाद सौरभ ने दूसरे दूसरे ओपनर हार्विक देसाई (20 रन) को कप्तान हनुमा विहारी के हाथों कैच कर दिया। दूसरे दिन स्टंप्स तक सौराष्ट्र का स्कोर 2 विकेट पर 49 रन है। इनिंग्स की हार टालने के लिए सौराष्ट्र को अब भी 227 रन की जरूरत है।

चार ओवर में जीरो रन और दो विकेट

पहली इनिंग्स में सौराष्ट्र की टीम 98 रन पर ऑलराउट हो गई थी। जवाब में शेष भारत ने सरफराज खान (138 रन) के शतक की मदद से 374 रन बनाए।

एक भी रन नहीं दिया है सौरभ ने दूसरे दिन सौरभ कुमार की गेंदबाजी की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि उन्होंने चार ओवर किए और एक भी रन खर्च नहीं किया। यानी उन्होंने चार ओवर में चार मेडन रखते हुए दो विकेट लिए।

इससे पहले शेष भारत ने दूसरे दिन के खेल की शुरुआत 3 विकेट पर 205 रन के स्कोर से की। सेंचुरियन सरफराज खान ने 138 रन बनाकर आउट हुए। वे पहले दिन के अपने स्कोर (125) में सिर्फ 13 रनों का इजाफा कर सके। इसके बाद जयंत यादव (37 रन) और सौरभ कुमार (55 रन) ने अच्छी पारियां खेली और टीम 300 रन का आंकड़ा पारी करने में सफल रही।

मेसी-रोनाल्डो खेलेंगे आखिरी वर्ल्ड कप

20 नवंबर से होगा टूर्नामेंट का आगाज, 32 टीमें 64 मुकाबले खेलेंगी

दोहा, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। फुटबॉल का सबसे बड़ा टूर्नामेंट वर्ल्ड कप 20 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। इसकी मेजबानी एशियाई देश कतर कर रहा है। यह पहली बार होगा जब कोई मिडिल ईस्ट देश फीफा वर्ल्ड कप को होस्ट करेगा। इस टूर्नामेंट में 32 टीमें कुल 64 मैच खेलेंगी। दुनियाभर के बेस्ट फुटबॉलर्स इसमें हिस्सा लेंगे। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर मेसी और इंटरनेशनल फुटबॉल के हाईएस्ट गोल स्कोरर रोनाल्डो भी इसमें खेलेंगे। दोनों प्लेयर्स का यह आखिरी वर्ल्ड कप हो सकता है।

इस साल फीफा वर्ल्ड कप की मजेबानी कतर करेगा। यह फीफा वर्ल्ड कप का 22 वां संस्करण है। एशिया में दूसरी बार वर्ल्ड कप का आयोजन हो रहा है। इससे पहले 2002 में जापान और दक्षिण कोरिया ने मिलकर वर्ल्ड कप की मेजबानी की थी। वर्ल्ड कप के इतिहास में कतर मेजबानी करने वालों में सबसे छोटा देश है। 30 लाख की जनसंख्या वाला देश फीफा वर्ल्ड कप के दौरान 15 लाख विसिटर्स के आने की उम्मीद जता रहा है।

कतर के 5 शहरों के कुल 8 स्टेडियम में मैच खेले जाएंगे। सभी स्टेडियम राजधानी दोहा के 55 किलोमीटर रेडियस में स्थित हैं। खलीफा इंटरनेशनल स्टेडियम 1976 से ऑपरेशनल है। बाकी सभी स्टेडियम पिछले 3 सालों में वर्ल्ड कप के लिए बनाए गए है।

इस साल फीफा वर्ल्ड कप में दुनिया के दो बेस्ट फुटबॉलर लियोनल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो पांचवी बार वर्ल्ड कप में खेलेंगे। 35 साल के लियोनल मेसी अपनी होम टीम अर्जेंटीना से और 37 साल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो पुर्तगाल से खेलेंगे। स्पेनिश और इंग्लिश मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक 2022 दोनों प्लेयर्स के लिए वर्ल्ड कप जीतने का यह आखिरी मौका हो सकता है।

मेसी और रोनाल्डो ने क्लब फुटबॉल के सभी बड़े खिताब जीत रखे है। दोनों ने अपनी इंटरनेशनल टीम को कांटिनेंट का चैंपियन भी बनाया (यूरो 2016 में पुर्तगाल; 2021 कोपा अमेरिका में अर्जेंटीना) लेकिन दोनों ही प्लेयर आज तक वर्ल्ड कप नहीं जीत पाए। इस साल दोनों प्लेयर्स अपने देश को वर्ल्ड कप ग्लोरी दिलाने की कोशिश करेंगे।

4 बार की चैंपियन टीम इटली नहीं कर पाई क्वालीफाई

चार बार की फीफा वर्ल्ड कप चैम्पियन इटली, 2018 की तरह इस साल भी फीफा वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहीं। इससे पहले 2014 में इटली ने आखिरी बार वर्ल्ड कप खेला था। 1934,1938,1982 और 2006 में इटली ने वर्ल्ड कप जीता था।

अर्जेंटीनी, फ्रांस और ब्राजील पर रहेगी सबकी नजर

अर्जेंटीना, फ्रांस और ब्राजील इस बार वर्ल्ड कप जीतने के प्रबल दावेदार माने जा रहे है। अर्जेंटीना ने कोपा अमेरिका टूर्नामेंट जीता है। अर्जेंटीना के कोच लियोनल स्कालोनी टीम के लिए बहुत अच्छे साबित हुए है। स्कालोनी फीफा वर्ल्ड कप 2018 के बाद अर्जेंटीना के कोच बने। उसके बाद से वे अर्जेंटीना को दो इंटरनेशनल ट्रॉफी दिला चुके है। उनकी टीम सिलेक्शन स्ट्रैटर्जी से वे मैच जीतने की काबिलियत रखते है। लियोनल मेसी अटैक संभालेंगे। टीम के मिडफील्डर एंजल डी मरिया और डी पॉल अच्छे फॉर्म में है। डिफेंस में लिसांड्रो मार्टिनेज के आने से लाइन मजबूत गई है।

फ्रांस को बचानी होगी ट्रॉफी

फीफा वर्ल्ड कप 2018 विजेता फ्रांस इस साल भी कप अपने नाम कर सकते है। टीम के स्टार स्ट्राइक किलियन एम्बाप्पे की ओर सबकी नजर है। इस सीजन किलियन एम्बाप्पे यूरोप के तीसरे सबसे बड़े गोल स्कोरर है। फ्रांस टीम के स्ट्राइकर, विंगर और डिफेंडर टॉप फॉर्म में चल रहे है। इस टीम को हराना सभी के लिए चुनौतीपूर्ण होगा।

कोपा अमेरिका में हारने के बावजूद ब्राजील इस साल वर्ल्ड कप जीतने के प्रबल दावेदारों में से एक है। ब्राजील का अटैकिंग लाइनअप बहुत मजबूत है। ब्राजील की टीम को नेमार लीड करेंगे। इस साल पीएसजी क्लब में नेमार अलग रंग में नजर आ रहे है। नेमार यूरोप के क्लब फुटबॉल में दूसरे नंबर के टॉप गोल स्कोरर है। इस साल उनकी फॉर्म लौट आई है। ब्राजील के अटैकिंग लाइनअप में विनिशियस जूनियर, रोबेर्टो फिरमिन्हो, गेब्रियल एसुस और रफिना ने अपने-अपने क्लब में बहुत अहम भूमिका निभाई है। ब्राजील की अटैकिंग लाइनअप में सभी प्लेयर्स अपने टॉप फॉर्म में दिखाई दे रहे है।

विनाशकारी ताकतों को रोकने के लिए महात्मा गांधी से प्रेरणा लें : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने आज राज्य के लोगों से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से प्रेरणा लेने और देश की विनाशकारी ताकतों को देश को विभाजित करने की साजिशों को अंजाम देने से रोकने का आह्वान किया। गांधी जयंती के अवसर पर यहां बोवेनपल्ली में गांधी विचारधारा केंद्र में एक सभा को संबोधित करते हुए, रेवंत रेड्डी ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। बाद में उन्होंने पार्टी का झंडा भी फहराया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने भाजपा को जहर बताया और कहा कि वह सांप्रदायिक एजेंडे के जरिए पूरे देश को डंक मारने की कोशिश कर रही है। उन्होंने अंग्रेजों के छात्रों के रूप में पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम केसीआर का मजाक उड़ाया और कहा कि दोनों फूट डालो और राज करो की नीति अपनाकर देश और राज्य पर शासन करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों नेता देश और राज्य में नफरत भड़काकर अपना समय सुरक्षित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सभी गांधीवादी दर्शन को मानने वालों को आगे आना चाहिए और मोदी और केसीआर की नफरत की राजनीति का मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए। रेड्डी ने कहा कि उनकी पार्टी के नेता राहुल गांधी ने मोदी और केसीआर की फूट डालो और राज करो की नीतियों का मुकाबला करने के लिए अपनी भारत जोड़ी यात्रा शुरू की थी। उन्होंने कहा कि पार्टी की तेलंगाना इकाई राहुल गांधी की पदयात्रा को अपना पूरा समर्थन देगी। उन्होंने कहा कि यात्रा 24 अक्टूबर को राज्य में प्रवेश करेगी। उन्होंने राज्य के लोगों से महात्मा गांधी से प्रेरणा लेकर यात्रा में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि गांधी पूरी दुनिया के लिए एक आदर्श बन गए थे और उन्होंने कहा कि उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से अंग्रेजों के खिलाफ अपनी लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि गांधी ने अपने भारत छोड़ो आंदोलन के माध्यम से 'करो या मरो' का आह्वान करके देश को आजादी दिलाई थी। उन्होंने कहा कि पहले प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने गांधी से प्रेरणा लेकर देश में हरित क्रांति लाई थी और कहा कि नेहरू ने अपनी हरित क्रांति योजनाओं के तहत देश के सभी किसानों को सिंचाई की सुविधा प्रदान की।

बाइक रैली निकालेगी भाजपा, वरिष्ठ नेताओं ने की बैठक

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य विवेक वेंकटस्वामी ने आज कहा कि वे 7 अक्टूबर से मुनुगोड़े विधानसभा क्षेत्र में बाइक यात्रा का आयोजन करेंगे। उन्होंने कहा कि वे मुनुगोड़े में उपचुनाव की आवश्यकता के बारे में लोगों को बताएंगे। आज यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि पार्टी के संचालन समिति के सदस्यों के अलावा, वरिष्ठ नेता भी प्रचार अभियान में भाग लेंगे। प्रदेश भाजपा मामलों के प्रभारी सुनील बंसल ने पार्टी नेताओं से कहा कि वे क्षेत्र के लोगों को विश्वास में लें और उन्हें पार्टी को वोट देने के लिए कहें और फर्जी मतदाताओं की पहचान पर भी विशेष ध्यान दें। विवेक ने यह भी शिकायत की कि सत्तारूढ़

टीआरएस पार्टी के नेता भाजपा नेताओं को धमका रहे हैं, जिन्होंने हाल ही में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। विवेक ने कहा कि राज्य पार्टी अध्यक्ष बंदी संजय कुमार और तरुण चुग 10 अक्टूबर को मुनुगोड़े में एक चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य भाजपा मामलों के प्रभारी सुनील बंसल ने आज पार्टी कार्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों के साथ एक रणनीति बनाने के लिए बैठक की। मुनुगोडे उपचुनाव में कैसे जीत हासिल करें। बैठक में केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी, पार्टी संसदीय बोर्ड के सदस्य लक्ष्मण, राष्ट्रीय पार्टी के कार्यकारी सदस्य विवेक वेंकस्वामी, इंद्रसेना रेड्डी, एटाला राजेंद्र, जितेंद्र रेड्डी, गरिकापति मोहन राव, विजयशती और पार्टी के कई अन्य नेता मौजूद थे। करीमनगर से, राज्य पार्टी प्रमुख बंदी संजय कुमार और मुरलीधर राव ने जूम बैठक के माध्यम से भाग लिया।

महात्मा गांधी के बताए रास्ते पर चल रहे हैं पीएम मोदी : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के दिखाए रास्ते पर देश का विकास कर रहे हैं। आज गांधी जयंती के अवसर पर केंद्रीय मंत्री हैदराबाद में खादी के कपड़े के शोरूम में गए और कुछ कपड़े खरीदे। महात्मा गांधी द्वारा विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करने और देश में बनी वस्तुओं का उपयोग करने के आह्वान के बाद, किशन रेड्डी ने कहा कि वह राष्ट्रपिता के आह्वान का शत-प्रतिशत पालन कर रहे हैं। मेक इन इंडिया कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, किशन रेड्डी ने कहा कि देश में स्थानीय ज्ञान के साथ कई वस्तुओं का उत्पादन किया जा रहा है। याद दिला दें कि पुराने जमाने में मूल निवासी विदेशियों द्वारा बनाई गई छोटी-छोटी चीजें भी खरीद लेते थे, लेकिन अब भारतीय इस मुकाम पर पहुंच गए हैं कि वे सेल फोन से लेकर रॉकेट तक का उत्पादन कर रहे हैं।

इरिसेट ने स्वछता पखवाड़े के दौरान किए कई कार्यक्रम

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वच्छ भारत मिशन के हिस्से के रूप में, भारत सरकार ने विभिन्न मंत्रालयों को स्वच्छता पखवाड़ा मनाने का निर्देश दिया है। रेल मंत्रालय 16 सितंबर से 30 सितंबर 2022 तक स्वच्छता पखवाड़ा मना रहा है और 2 अक्टूबर 2022 को महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर एक समापन समारोह का आयोजन कर रहा है। इरिसेट ने रेल मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार स्वच्छता पखवाड़ा भी मनाया है। पखवाड़े के दौरान विभिन्न गतिविधियों को अंजाम देने के लिए कार्य योजना तैयार की गई। पखवाड़ा 16 सितंबर 2022 को सुधीर कुमार, महानिदेशक द्वारा सभी अधिकारियों, प्रशिक्षुओं और कर्मचारियों को शपथ दिलाकर शुरू हुआ। नियोजित विभिन्न गतिविधियों में श्रमदान, विभिन्न स्क्रैप सामग्री की पहचान करना और उनके निपटान के लिए प्रसंस्करण, कार्यस्थलों पर स्वच्छता कार्यक्रम, एकल उपयोग प्लास्टिक के उपयोग के खिलाफ अभियान को संवेदनशील बनाना शामिल है। साथ ही, कर्मचारियों और प्रशिक्षुओं के लिए स्वच्छता और टिकाऊ पर्यावरण आधारित विषयों पर निबंध लेखन और ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। कर्मचारियों के बीच स्वच्छता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रयोगशाला, कार्यालय अनुभाग, प्रशिक्षु छात्रावास और मेस को पुरस्कार दिया गया।

गांधी जयंती के अवसर पर, स्वच्छता पखवाड़ा के लिए एक समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिष्ठित अतिथि अध्यक्ष विकास कटरागड्डा, ऐक्यथा पहल के संस्थापक और संयोजक (नागरिक समाज संगठनों के बीच अभिसरण और तालमेल बनाने के लिए) ने एक व्यावहारिक भाषण दिया। स्वच्छ भारत मिशन पर - स्वच्छ भारत की सफलता के लिए इसके उद्देश्य और नागरिक व्यवहार में बदलाव का महत्व। वक्ता ने स्वच्छता और पर्यावरण हितैषी हरित पहल के लिए इरिसेट द्वारा की गई अच्छी पहलों को बनाए रखने की आवश्यकता की सराहना की और जोर दिया जो अन्य संस्थानों को प्रोत्साहित करने के लिए रोल मॉडल की भूमिका निभा सकती हैं। सुधीर कुमार, महानिदेशक ने संबोधित करते हुए प्रत्येक व्यक्ति की आवश्यकता और भूमिका पर जोर दिया क्योंकि अभी बहुत कुछ किया जाना है। उन्होंने सुझाव दिया कि, स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान की गतिविधियां इन हफ्तों के दौरान पालन तक सीमित नहीं होंगी बल्कि इरिसेट के प्रत्येक संकाय और कर्मचारियों के लिए जीवन का एक तरीका और निरंतर प्रक्रिया होगी, और कम से कम 2 घंटे सर्वोत्तम प्रयास करने का आग्रह किया।

देश में धार्मिक कट्टरवाद का खतरा : विनोद कुमार

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष बोइनपल्ली विनोद कुमार ने कहा कि भारत अब धार्मिक कट्टरवाद के खतरे का सामना कर रहा है और इसके कारण, दुनिया के कुछ देशों ने पहले ही अर्थव्यवस्था के पतन को देखा है। विनोद कुमार ने रविवार को यहां विधानसभा परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। विधानसभा अध्यक्ष पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी, विधान परिषद के अध्यक्ष गुथा सुकेंद्र रेड्डी और कई एमएलसी ने भी महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर बोलते हुए विनोद कुमार ने कहा कि लोगों को धार्मिक कट्टरवाद की ऐसी ताकतों का मनोरंजन नहीं करना चाहिए और इसे शुरू से ही जड़ से उखाड़ फेंकना चाहिए। ईरान, इराक और अफगानिस्तान सहित कुछ देशों का उदाहरण देते हुए, जो अब धार्मिक कट्टरतावादी ताकतों के चंगुल में थे, जिसके परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था का पतन हुआ, टीआरएस नेता ने कहा कि कुछ ताकतें देश में अशांति पैदा करने की साजिश रच रही हैं। हिंदू धर्म का नाम लिया और लोगों से इन ताकतों से सावधान रहने का आग्रह किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ शरारती अभियान पर भी अफसोस जताया और कहा कि महात्मा गांधी के सिद्धांत शाश्वत रहेंगे।

केसीआर 5 अक्टूबर को राष्ट्रीय पार्टी के नाम की घोषणा करेंगे

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव ने कथित तौर पर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के रूप में नई पार्टी के नाम को अंतिम रूप दिया है और दशहरा उत्सव के दिन पार्टी के नाम की घोषणा करने के लिए शुभ दिन पर 5 अक्टूबर को दोपहर 1.19 बजे मुहूर्त तय किया है। टीआरएस अध्यक्ष ने रविवार को यहां प्रगति भवन में सभी 33 जिलों के पार्टी अध्यक्षों, मंत्रियों और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की और प्रस्तावित पार्टी के बारे में चर्चा की। पार्टी सूत्रों के अनुसार, केसीआर ने कथित तौर पर राष्ट्रीय पार्टी की आवश्यकता और देश के लिए इसके दृष्टिकोण के बारे में बताया है। पता चला है कि अपनी कार्य योजना के तहत टीआरएस अध्यक्ष ने 9 दिसंबर को नई दिल्ली में एक जनसभा आयोजित करने का फैसला किया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, टीआरएस अध्यक्ष नए संगठन की घोषणा करने के बजाय मौजूदा पार्टी का नाम भारत राष्ट्र समिति बदलने के पक्ष में हैं। टीआरएस नेताओं ने कहा कि अगर मौजूदा पार्टी का नाम बदल दिया जाता है, तो पार्टी का चिन्ह और झंडा बदलने की जरूरत नहीं है और वही रहेगा ताकि लोग भ्रमित न हों और लोगों के लिए पार्टी की पहचान करना आसान हो जाए। टीआरएस विधायक दस्यम विनय भास्कर ने कहा कि अन्य राज्यों के कई छोटे पार्टी नेता केसीआर के नेतृत्व वाली नई पार्टी में विलय के इच्छुक हैं और प्रस्तावित पार्टी के नाम पर अपने-अपने राज्यों में चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं।

संदीप मकतला चुने गए टीआईटीए ग्लोबल प्रेसिडेंट

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग विभाग के प्रधान सचिव जयेश रंजन ने तेलंगाना सूचना प्रौद्योगिकी संघ की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह तकनीकी और आईटी पेशेवरों के लिए अद्वितीय स्थान रखता है। उन्होंने कहा कि अपने करियर में उन्हें बहुत कम संगठन और यूनियनें मिलीं जो अपनी अनूठी कार्यशैली और काम के लिए जानी जाती हैं। जयेश रंजन टीआईटीए सलाहकार परिषद के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने ने शनिवार को हैदराबाद में एसोसिएशन के प्रतिनिधियों द्वारा चुने गए संदीप कुमार मकतला को पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर बोलते हुए जयेश रंजन ने कहा कि टीआईटीए ने सरकार के साथ अपनी विभिन्न पहलों के साथ जुड़कर आम लोगों की भलाई के लिए काम किया। तेलंगाना सूचना प्रौद्योगिकी संघ (टीआईटीए) ने 2023-26 के कार्यकाल के लिए संदीप कुमार मकतला को अपना वैश्विक अध्यक्ष चुना। आईटी क्षेत्र के सभी वर्गों और सामाजिक राय ने राष्ट्रपति चुनाव में संदीप की उम्मीदवारी का समर्थन किया। टीआईटीए के रिटर्निंग ऑफिसर अश्विन चंद्र वल्लभौजू ने एक बयान में कहा कि एसोसिएशन के सात विभागों ने नामांकन दाखिल किया और संदीप की उम्मीदवारी का समर्थन किया। इसके अलावा, सामाजिक राय, अपनी तरह की पहली कवायद, ने भी पद के लिए संदीप का पक्ष लिया।

मंत्री केटीआर के प्रेरक मार्गदर्शन की अरविंद कुमार ने की सराहना

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के शहरीय निकायों को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार मिलने पर नगर प्रशासन एवं शहरी विकास विभाग के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार ने मंत्री प्रेरक प्रोत्साहन के लिए नगरीय प्रशासन व नगरीय विकास मंत्री केटीआर की सराहना की। भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी अरविंद कुमार ने ट्वीट कर मंत्री केटीआर को राष्ट्रीय स्तर पर लक्ष्य हासिल करने पर उनके द्वारा दिए गए निर्देश के लिए धन्यवाद दिया है। राष्ट्रीय स्तर पर राज्य शीर्ष दो स्थान हासिल कर सकता है। आशा है कि आने वाले वर्षों में मंत्री के निरंतर मार्गदर्शन से राज्य को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। गौरतलब है कि तेलंगाना को राष्ट्रीय स्तर पर 16 स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार मिले है और पुरस्कार विजेता राज्यों में तेलंगाना दूसरे स्थान पर रहा है। जबकि पहले स्थान पर रहे महाराष्ट्र को 19 पुरस्कार मिले है। तेलंगाना के 15 हजार से कम जनसंख्या श्रेणी में पांच शहरी निकाय भूतपुर, चंदूर, चित्याल, कोत्तापल्ली और नेरेडचेला टिकाऊ, सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाले शहरों में शामिल है। शहरी स्थानीय निकायों में पन्द्रह हजार से कम जनसंख्या सूची में कोत्तापल्ली, घटकेसर, गजवेल और बडागपेट नगर पालिकाओं ने सबसे स्वच्छ शहर श्रेणियों के तहत पुरस्कार जीते। सिकंदराबाद छावनी शहरी स्थानीय निकाय ने सिटीजन फीडबैक में सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार जीता है। विभिन्न श्रेणियों में शहरी स्थानीय निकाय हुस्नाबाद, कोमपल्ली, आडिबटला, वेमुलावाड़ा, तुर्कयमजल, कोरुतला और सिरसिल्ला ने भी पुरस्कार जीते है।

स्वच्छ सर्वेक्षण, तेलंगाना के तहत पुरस्कार पाने वाले निकाय

1- भूतपुर बेस्ट सेल्फ "सस्टेनेबल सिटी (15 हजार जनसंख्या श्रेणी)
2-चाडुर सबसे तेज गति से चलने वाला शहर (15 हजार जनसंख्या श्रेणी)
3- चित्याला'नवाचार और सर्वोत्तम अभ्यास' में सर्वश्रेष्ठ शहर (15 हजार जनसंख्या श्रेणी)
4- कोत्तापल्ली सबसे स्वच्छ शहर (15 हजार जनसंख्या श्रेणी)
5- नेरेडचेरला 'नागरिक प्रतिक्रिया' में सर्वश्रेष्ठ शहर (15 हजार जनसंख्या श्रेणी)
6- घटकेसर सबसे स्वच्छ शहर (15 हजार- 25 हजार जनसंख्या श्रेणी)
7- 'नागरिक प्रतिक्रिया' में हुसैनाबाद सर्वश्रेष्ठ शहर (15 हजार -25 हजार जनसंख्या श्रेणी)
8- कोमपल्ली सबसे तेज गति से चलने वाला शहर (15 हजार - 25 के जनसंख्या श्रेणी)
9 - आदिबाटला बेस्ट सेल्फ 'सस्टेनेबल सिटी (15 हजार -25 हजार जनसंख्या श्रेणी)
10- वेमुलावाड़ा 'नागरिक प्रतिक्रिया' में सर्वश्रेष्ठ शहर (25 हजार -50 हजार जनसंख्या श्रेणी)
11- गजवेल सबसे स्वच्छ शहर (25 हजार-50 हजार जनसंख्या श्रेणी)
12- तुर्कयमजल सबसे तेज गति से चलने वाला शहर (25 हजार -50 हजार जनसंख्या श्रेणी)
13- सिरसिल्ला बेस्ट सेल्फ 'सस्टेनेबल सिटी (50 हजार -1 लाख जनसंख्या श्रेणी)
15-बदनगपेट सबसे स्वच्छ शहर (50 हजार-1 लाख जनसंख्या श्रेणी)
16- कोरुतला सबसे तेज गति से चलने वाला शहर (50 हजार -1 लाख जनसंख्या श्रेणी)
17-सिकंदराबाद 'नागरिक प्रतिक्रिया' में सर्वश्रेष्ठ शहर (छावनी बोर्ड)

बतुकम्मा त्योहार राज्य की समृद्ध संस्कृति व परंपराओं का अभिन्न अंग : एक्का

डॉ एमसीआर एचआरडी संस्थान में बतुकम्मा मनाया गया

हैदराबाद, 2 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के डॉ एमसीआर एचआरडी इंस्टीट्यूट ऑफ तेलंगाना में बतुकम्मा का पुष्प उत्सव उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान की महिला प्रशिक्षुओं और कर्मचारियों ने बतुकम्मा के ढेर को सुंदर मौसमी फूलों से सजाया। भव्य समारोह के एक भाग के रूप में संस्थान का पूरा परिसर जीवंत रंगों से सजाया गया था। देश भर के प्रशिक्षु सिविल सेवकों और सैन्य अभियंता सेवा परिवीक्षाधीनों ने बड़े उत्साह के साथ समारोह में भाग लिया। इसके अलावा, संस्थान के अधिकारियों, संकाय और कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में समारोह में भाग लिया।

मंडलियां बनाकर, प्रशिक्षुओं और कर्मचारियों, दोनों पुरुषों और महिलाओं ने पारंपरिक गीत गाए, बतुकम्मा के चारों ओर नृत्य किया और एक साथ ताली बजाई। देश भर से प्रशिक्षु सिविल सेवकों और सैन्य अभियंता सेवा परिवीक्षाधीनों की सक्रिय भागीदारी उत्सवों में सभी के लिए एक सुखद आश्चर्य था। उनकी रंग-बिरंगी वेशभूषा और नृत्य कौशल के शानदार प्रदर्शन ने उपस्थित सभी लोगों का दिल जीत लिया। उन सभी को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तालियों और प्रशंसा के बड़े दौर मिले।

इस अवसर पर बेनहुर महेश दत्त एक्का महानिदेशक, डॉ एमसीआर एचआरडी संस्थान और तेलंगाना सरकार के प्रधान सचिव ने कहा कि बतुकम्मा त्योहार तेलंगाना राज्य की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों का एक अभिन्न अंग है। "भले ही बतुकम्मा तेलंगाना का एक राज्य त्योहार है, अब इसे न केवल देश भर में बल्कि विदेशों में भी मनाया जा रहा है।" ट्रेनी सिविल सर्वेंट्स और मिलिट्री इंजीनियर सर्विसेज प्रोबेशन्स ने सर्वसम्मति से कहा, "तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक बतुकम्मा समारोह में भाग लेना तेलंगाना की जीवंत संस्कृति को समझने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।" प्रशिक्षुओं और महिला कर्मचारियों ने संस्थान के परिसर में बतुकम्मा सरोवर में खूबसूरती से खड़ी बतुकम्मा की स्थापना की।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.